बालाघाट
गुरुवार 02 अक्टूबर 2025
आश्विन शुक्ल 11 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 12
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

बालाघाट एक्सप्रेस

PMG

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स	~	80,983.31
निफ्टी	~	24,836.30
सोना	~	1,19,240
चांदी	~	1,51,000
डॉलर	~	88.66

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह में पीएम मोदी बोले

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण का विराट उद्देश्य लेकर चला

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह में बुधवार को कहा कि संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता नहीं दिखाई। चाहे प्रतिबंध लगे, या साजिश हुई हो। सभी का मंत्र रहा है कि जो अच्छा है, जो कम अच्छा, सब हमारा है। उन्होंने इस मौके पर आरएसएस के योगदान को दर्शाने वाला स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक जो लगातार देश सेवा में जुटे हैं। समाज को सशक्त कर रहे हैं, इसकी भी झलक इस डाक टिकट में है। मैं इसके लिए देश को बधाई देता हूं।

पीएम ने कहा कि अन्याय पर न्याय,अंधकार पर प्रकाश की जीत... यह भारतीय संस्कृति के विचार और विश्वास का कालजयी उद्घोष है। ऐसे महान पर्व पर 100 साल पहले रूस्स् की स्थापना संयोग नहीं था। ये हजारों साल की परंपरा का पुनरुत्थान था, जिसमें राष्ट्र चेतना समय समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए अवतारों में प्रकट होती है। संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। उन्होंने कहा कि समाज के कई क्षेत्रों में संघ लगातार काम कर रहा है। संघ की एक धारा, बंटती तो गई, लेकिन उनमें कभी विरोधाभास पैदा नहीं हुआ, क्योंकि हर धारा का उद्देश्य, भाव एक ही है, राष्ट्र प्रथम। अपने गठन के बाद से ही आरएसएस विराट उद्देश्य लेकर चला राष्ट्र निर्माण, इसके लिए जो रास्ता चुना। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण, जो पद्धति चुनी वह थी शाखा।

हमें घुसपैठियों से बड़ी चुनौती मिल रही

पीएम मोदी ने कहा कि दूसरे देशों पर आर्थिक निर्भरता,डेमोग्राफी में बदलाव के षड्यंत्र जैसी चुनौतियों से हमारी सरकार तेजी से निपट रही है। स्वयंसेवक होने के नाते मुझे खुशी है कि संघ ने इसके लिए ठोस रोडमैप भी बनाया है। घुसपैठियों से बड़ी चुनौती मिल रही है। हमें इससे सतर्क रहना है।

संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग

आरएसएस के शताब्दी वर्ष में बीजेपी के सबसे बड़े मुस्लिम चेहरे ने संघ संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग कर दी है। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने इस बारे में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चिट्ठी लिखी है। अपनी चिट्ठी में सिद्दीकी ने डॉ हेडगेवार को स्वतंत्रता सेनानी और राष्ट्र-निर्माता बताया है। उन्होंने देश की सेवा और युवा पीढ़ी में देशभक्ति की भावना भरने में उनके योगदान का हवाला दिया है। संघ के शताब्दी समारोह के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया है।

बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्दीकी ने कहा है, हेडगेवार के योगदानों-स्वतंत्रता संघर्ष में उनकी सक्रिय भागीदारी, राष्ट्र-निर्माण में उनके संगठनात्मक कौशल और एकजुट भारतीय समाज को लेकर उनके दृष्टिकोण को देखकर उन्हें भारत रत्न मिलना चाहिए। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत बलिदानों को मान्यता देगा, बल्कि सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्र के लिए अथक कार्य करने के लिए भी प्रेरित करेगा। बात दें कि डॉ हेडगेवार का जन्म 1 अप्रैल, 1889 को नागपुर में हुआ था। उन्होंने 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। गुरुवार यानी 2 अक्टूबर, 2025 को इसकी स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। संघ इन दिनों पूरे देश में अपनी स्थापना का शताब्दी वर्ष मना रहा है।

अपना रुपया हुआ ग्लोबल...

अब रूपए में नेपाल, श्रीलंका और भूटान से ट्रेड, लोन भी देंगे!

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपया को लेकर एक ऐसा फैसला लिया है, जिससे रुपया एक ग्लोबल करेंसी बन सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक का यह कदम एक साहसिक फैसला माना जा रहा है। दरअसल, आरबीआई ने ग्लोबल ट्रेड और सीमा पार लोन में भारतीय करेंसी रुपया का उपयोग बढ़ाने के उद्देश्य से योजना का ऐलान किया है। यह फैसला फाइनेंस सेक्टर में भारत के प्रभाव को बढ़ाने की दिशा में एक रणनीतिक मोड़ हो सकता है। इस नए योजना के तहत केंद्रीय बैंक ने कहा कि अब भारत के बैंक अब भूटान, नेपाल और श्रीलंका के गैर-निवासियों को सीमा पार व्यापार के लिए लोन दे सकते हैं। यह लोन सिर्फ व्यापार के लिए ही दिया जाएगा। इस फाइनेंस अप्रूवल से अब रुपये में भारत के साथ, भूटान, श्रीलंका और नेपाल में कारोबार ज्यादा होगा, जिससे ग्लोबल स्तर पर रुपया का रुतबा बढ़ेगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि भारतीय रुपया बेस्ड इंटरनेशनल लेनदेन को सुगम बनाने के लिए प्रमुख विदेशी मुद्राओं के लिए पारदर्शी दरें पेश करेगा।

रुपया को इंटरनेशनल बनाने पर फोकस

आरबीआई ने यह भी कहा कि स्पेशल रुपया वास्ट्रो अकाउंट बाकी अमाउंट का उपयोग बढ़ा दिया गया है। अब ऐसे फंड कॉर्पोरेट बांड और कमर्शियल सर्टिफिकेट में निवेश के लिए पात्र है। इन कदमों का उद्देश्य ट्रांजेक्शन में रुपये की मांग को बढ़ाना, डॉलर पर निर्भरता को कम करना और भारत के पड़ोसियों के लिए वैकल्पिक फंडिंग ऑप्शन पेश करना है और साथ ही साउथ एशिया में भारतीय रुपये को एक कम्पेटिव करेंसी के रूप में स्थापित करना है।

रुपये को मजबूत कर रहा आरबीआई

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि हम इंटरनेशन ट्रेड के लिए भारतीय रुपये के उपयोग में लगातार तरक्की कर रहे हैं। उन्होंने इस प्लान को नपा-तुला और प्रभावशाली बताया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब ग्लोबल अस्थिरता है। आरबीआई भारत के मजबूत मैक्रो फंडामेंटल्स 700 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार, मजबूत सर्विस एक्सपोर्ट और घटता चालू खाता घाटा का लाभ उठाकर इंटरनेशनल लेवल पर रुपये को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है।

खास खबर

बिजली गिरने से 4 की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई है। गरियाबंद जिले में 2 महिलाओं और रायगढ़ जिले में 2 युवकों ने दम तोड़ दिया। गरियाबंद जिले के देवभोग थाना क्षेत्र के डोहल गांव में हादसा हुआ। डीलेश्वरी दुर्गा (43) और सूरजो बाई (60) की मौके पर मौत हो गई। दोपहर लगभग ढाई बजे अचानक मौसम बदला और बादल गरजने लगा। बारिश से बचने तीन महिलाएं बरगद पेड़ के नीचे आ गईं। इस दौरान एक के सीने में तो दूसरे के सिर पर बिजली गिरी। वहीं गर्भवती महिला के पांव में करंट का आभास हुआ। गर्भवती महिला का इलाज जारी है।

गिरफ्तार 3 आतंकियों को उम्रकैद

राजकोट। गुजरात के राजकोट की सेशन कोर्ट ने बुधवार को तीन आतंकियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। ये तीनों आतंकी राजकोट शहर के सोनी बाजार से 26 जुलाई, 2023 को गिरफ्तार किए गए थे। जांच में पता चला कि तीनों आतंकी संगठन अल-कायदा से जुड़े हुए थे। गुजरात एटीएस को जानकारी मिली थी कि राजकोट से अमन, अब्दुल शुकूर और सैफ नवाज नाम के तीन आतंकी अल कायदा के लिए स्लीपर सेल तैयार कर रहे थे। तीनों के फोन की जांच पर भी इसका खुलासा हुआ था कि ये संगठन में युवाओं की भर्ती और फंडिंग का काम कर रहे थे। एक आरोपी के पास से एक पिस्टल और तीन कारतूस भी बरामद किए गए थे।

मां-बेटे समेत 6 की मौत

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर सड़क हादसे में एक परिवार के 5 लोगों समेत 6 की मौत हो गई। तेज रफ्तार अर्टिगा कार हाईवे किनारे खड़े ट्रक में घुस गई। कार में 7 लोग सवार थे, जिसमें 6 की मौके पर मौत हो गई। इनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। एक की हालत गंभीर है। दरअसल, हरियाणा के रहने वाले महेंद्र जुनेजा की कैंसर से मौत हो गई थी। उन्हीं की अस्थियों को गंगा में विसर्जित करने के लिए सभी करनाल से हरिद्वार जा रहे थे। हादसे में महेंद्र की पत्नी, एक बेटा, दो बहनें, एक जीजा और ड्राइवर की मौत हो गई।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 परसेंट बढ़ा

1 करोड़ 18 लाख कर्मचारियों व पेंशनधारकों को मिला दिवाली का तोहफा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी। दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों से पहले महंगाई भत्ते में यह बढ़ोतरी की गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी दी है।

सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि कैबिनेट ने 49.2 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और 68.7 लाख पेंशनभोगियों को लाभ पहुंचाने के लिए डीए/डीआर में 3

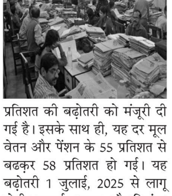

प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही, यह दर मूल वेतन और पेंशन के 55 प्रतिशत से बढ़कर 58 प्रतिशत हो गई। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2025 से लागू होगी। जुलाई, अगस्त और सितंबर का बकाया दिवाली से ठीक पहले अक्टूबर के वेतन के साथ दिया जाएगा। सरकार से जुड़े सूत्रों के अनुसार महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी सातवें वेतन आयोग के तहत आने वाले सभी केंद्र सरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों पर भी लागू होगी। महंगाई भत्ते में इजाफे के बाद 30,000 मूल वेतन वाले कर्मचारी को हर महीने 900 अतिरिक्त मिलेंगे। वहीं 40,000 वेतन वाले कर्मचारी को 1,200 अतिरिक्त मिलेंगे। तीन महीनों में, बकाया राशि कुल ₹2,700 से 3,600 होगी। डीए में बढ़ोतरी त्योहारों के समय मौके पर केंद्रीय कर्मियों को राहत देगी।

देश का पहला बाल विवाह मुक्त जिला बना बलोद

दो साल से नहीं हुई बच्चों की शादी, मिला सर्टिफिकेट

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने दावा किया है कि राज्य का बालोद जिला देश का पहला बाल विवाह-मुक्त जिला बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'बाल विवाह-मुक्त भारत' अभियान के तहत जिसे 27 अगस्त 2024 को शुरू किया गया था। छत्तीसगढ़ ने ये ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। राज्य सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि बालोद जिले के सभी 436 ग्राम पंचायतों और 9 शहरी निकायों को औपचारिक रूप से बाल विवाह-मुक्त प्रमाणपत्र दिए गए हैं।

पिछले दो वर्षों में बालोद जिले से बाल विवाह की कोई भी घटना सामने नहीं आई। दस्तावेज सत्यापन और कानूनी प्रक्रियाओं के बाद पूरे जिले को बाल विवाह-मुक्त घोषित कर दिया गया है, जिससे ये पूरे देश के लिए एक मॉडल बन गया है। बालोद कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने यह उपलब्धि प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी कर्मचारियों और समुदाय की संयुक्त मेहनत का परिणाम बताया। इसी तरह, सूरजपुर जिले की 75 ग्राम पंचायतों को भी पिछले दो वर्षों में बाल विवाह के कोई मामले नहीं आने के बाद बाल विवाह-मुक्त घोषित किया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार ने बाल विवाह को समाप्त करना अपनी सबसे बड़ी प्राथमिकता बना रखा है। उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य है कि पूरे राज्य को 2028-29 तक बाल विवाह-मुक्त घोषित किया जाए। ये केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की प्रतिबद्धता है।

यूनिसिफ का भी रहा योगदान

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बालोद की सफलता यह साबित करती है कि जब समाज और सरकार मिलकर काम करते हैं, तो बाल विवाह जैसी कुप्रथाओं को जड़ से खत्म किया जा सकता है। उन्होंने यूनिसेफ के योगदान को भी सराहा जो तकनीकी मदद, जागरूकता कार्यक्रम और निगरानी तंत्र के माध्यम से इस मुहिम को सफल बनाने में मदद कर रहा है।

दुष्कर्म के मुख्य आरोपी की मदद करने वाले को जज ने सुनाया श्लोक

-महात्मा गांधी की बात का भी किया जिक्र, जमानत याचिका की खारिज

बेंगलुरु। युवती के दुष्कर्म में मुख्य आरोपी की मदद करने वाले को कर्नाटक हाईकोर्ट ने झटका दिया उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने मनुस्मृति के श्लोक और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की बात का भी जिक्र किया। याचिकाकर्ता पर आरोप है कि उसने वारदात के समय पीड़िता के भाई को रोककर रखा और मुख्य आरोपी की मदद की। जस्टिस एस रचैया ने कहा कि इस घटना ने पीड़िता को गहरी मानसिक चोट पहुंचाई है। बार एंड बेंच के मुताबिक उन्होंने कहा कि दूसरे आरोपी के साथ मिलकर इस आरोपी ने जो काम किया है, वो युवती के जीवन पर एक धब्बे की तरह रहेगा। युवती के लिए उस दर्द से बाहर आना बहुत मुश्किल होगा जो उसे झेला। उन्होंने कहा कि ऐसे में यहां मनुस्मृति के श्लोक का जिक्र करना सही होगा कि यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला क्रिया। इसका मतलब है कि जहां स्त्री का सम्मान होता है, वहां देवता रहते हैं और जहां महिला का अपमान किया जाता है, वहां किए गए सभी काम असफल होते हैं।

चैतन्यानंद के कॉलेज से सेक्स टॉय, पोर्न सीडी मिली

नेताओं के साथ फर्जी तस्वीरें भी बरामद; एक दिन पहले अश्लील चैट सामने आई थी

नई दिल्ली। छात्राओं के यौन शोषण के आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी जिस कॉलेज में पढ़ाता था। उसके कैंपस से पुलिस को एक सेक्स टॉय और पांच पोर्न सीडी मिली हैं। दिल्ली पुलिस बुधवार को चैतन्यानंद को लेकर कैंपस में छापेमारी करने गई थी। तलाशी के दौरान पुलिस को अश्लील सामग्री के अलावा प्रधानमंत्री मोदी, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और ब्रिटेन के एक अन्य नेता के साथ कथित तौर पर स्वामी की जाली तस्वीरें भी मिलीं। एक दिन

पहले पुलिस ने चैतन्यानंद के मोबाइल से कई महिलाओं की चैट बरामद की थी। इसमें पता चला कि वह महिलाओं को आकर्षित करने के लिए उनसे कई वादे करता था।

चैतन्यानंद पर श्री शारदा इंस्टीट्यूट की 17 छात्राओं से यौन उत्पीड़न का आरोप है। उसके खिलाफ 4 अगस्त को वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। तब वह इंस्टीट्यूट का प्रमुख था। उसे 9 अगस्त को पद से निष्कासित किया गया था। तब से वह फरार था। चैतन्यानंद पुलिस से बचने के लिए बिना सीसीटीवी कैमरों वाले सस्ते होटलों में ठहरता था। वह उत्तर प्रदेश के धार्मिक शहरों वृंदावन, मथुरा में भी छिपा रहा। चैतन्यानंद के करीबी उसके लिए होटल चुनते थे।

कांग्रेस अध्यक्ष खडग़े बेंगलुरु के अस्पताल में भर्ती

- डॉक्टरों ने पेसमेकर लगाने की सलाह दी

बेंगलुरु। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खडग़े (83 साल) को मंगलवार को बेंगलुरु एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खडग़े ने बुधवार एक्स पर इसकी जानकारी दी। प्रियांक ने लिखा कि मल्लिकार्जुन खडग़े को पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई है और उसे पहले से प्लानिंग के तहत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और वे बेहतर महसूस कर रहे हैं। आपकी चिंता और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। पार्टी सूत्रों ने बताया कि खडग़े को मंगलवार को बुखार और पैर में दर्द की शिकायत के बाद बेंगलुरु के एमएस रमैया अस्पताल ले जाया गया। वहां के डॉक्टर उनकी देखभाल कर रहे हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को खडग़े से अस्पताल जाकर मुलाकात की। बाद में पत्रकारों को बताया- उन्हें थोड़ी बेचैनी हो रही थी। वे अब ठीक हैं। बात कर रहे हैं। उन्हें कल छुट्टी दे दी जाएगी।

शुभकामनाएं

सम्मानीय जिलेवासियों एवं बालाघाट एक्सप्रेस के सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, संवाददाताओं एवं शुभचिंतकों को विजयादशमी पर्व की कोटिश: शुभमंगलकामनाएं!

-सम्पादक

अवकाश सूचना

बालाघाट एक्सप्रेस के सम्मानीय सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि आज 2 अक्टूबर 2025 दशहरा पर्व के अवसर पर बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 4 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित एवं प्रसारित होगा।

-सम्पादक

कुछ ना कहना

देशभर में घटेगा टोल टैक्स

अगले हफ्ते से नए रेट लागू करने की तैयारी

हिसार। जीएसटी बचत उत्सव के बीच वाहन चालकों को देशभर में टोल टैक्स पर भी छूट मिलने जा रही है। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को टोल दरें संशोधित करने के निर्देश दिए हैं। इस कड़ी में 29 सिंतबर को एनएचएआई के क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ से जारी पत्र में सभी प्रोजेक्ट डायरेक्टर को अपने अधीन टोल प्लाजा के लिए महंगाई दर वर्ष 2004-05 के बजाय 2011-12 को आधार मानकर नई टोल दरें प्रस्तावित करने को कहा गया है। एनएचएआई नई दरें अगले सप्ताह से लागू करने तैयारी में है।

देशभर में टोल कंपनियां वर्ष 2004-05 को आधार मानकर हर साल एक अप्रैल से नई टोल दरें लागू करती हैं। इस साल भी टोल दरों में 5 से 7 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की गई थी। अब एनएचएआई ने महंगाई के लिए 2004-05 के बजाय 2011-12 को आधार बनाकर नए टोल रेट प्रस्तावित करने के निर्देश दिए हैं। एनएचएआई के चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय ने इस पर काम भी शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि 2004-05 के हिसाब से लिंकिंग फैक्टर 1.641 था जो 2011-12 को आधार मानने पर 1.561 तक रह गया है। इस हिसाब से टोल दरों में कमी आ रही है। नई टोल दरें लागू होने से छोटी गाडिय़ों के टोल में 5 से 10 रुपये तक की कमी होने का अनुमान है।

अप्रैल में की गई बढ़ोतरी वापस होने की उम्मीद

1 अप्रैल 2025 को टोल दरों में जो बढ़ोतरी हुई थी वह वापस होने की उम्मीद है। इस हिसाब से टोल रेट पिछले साल जैसे ही रह सकते हैं। वर्ष 2024 में टोल दरें 7.5 प्रतिशत बढ़ाई गई थी और अप्रैल 2025 से 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई थी।

कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन की आहट ? कांग्रेस विधायक के बयान से अटकलें तेज

बेंगलुरु। कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन को लेकर एक बार फिर बहस छिड़ गई है। कुणिगल से कांग्रेस विधायक एच डी रंगनाथ ने बुधवार को अपने राजनीतिक गुरु उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को एक दिन मुख्यमंत्री की कुर्सी पर देखने की इच्छा जताई। हालांकि सीएम सिद्धारमैया ने एक बार फिर इन अटकलों को खारिज कर दिया है।

एच डी रंगनाथ का कहना है,कि पार्टी हाईकमान को 2023 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत (224 में से 140 सीटें) दिलाने में शिवकुमार की भूमिका को मान्यता देनी चाहिए।

रंगनाथ ने कहा, मेरे लिए मेरे राजनीतिक गुरु डीके शिवकुमार हैं। हमने देखा है कि वह सामाजिक सेवा करते हैं, प्रशासनिक दक्षता दिखाते हैं और विकास कार्यों को आगे बढ़ाते हैं। हर नेता कह रहा है कि कांग्रेस को 140 सीटें शिवकुमार की मेहनत से मिलीं। इसलिए हाईकमान को उन्हें उचित सम्मान और स्थान देना चाहिए। रंगनाथ, जो शिवकुमार के रिश्तेदार भी हैं, ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं और जनता की भावना को देखते हुए यह उम्मीद स्वाभाविक है कि वह आने वाले दिनों में कर्नाटक की कमान संभालेंगे। उन्होंने कहा, सुबह 8 बजे से रात 3 बजे तक मेहनत करने वाला कोई दूसरा नेता दिखाइए। उनके पास भगवान का आशीर्वाद है, हाईकमान का भरोसा है और जनता का प्यार है। इसलिए एक दिन वह मुख्यमंत्री जरूर बनेंगे। हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि यह कब होगा, तो उन्होंने कहा, मैं इतना बड़ा नहीं हूं कि भविष्यवाणी कर सकूं। यह हाईकमान का फैसला है।

सीएम सिद्धारमैया की भी तारीफ की

रंगनाथ ने मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की भी तारीफ की और कहा कि उन्होंने गरीबों के लिए पांच गारंटी योजनाएं लागू कीं, जो पूरे देश के लिए मॉडल बन गई हैं। फिर भी, उन्होंने दोहराया कि आने वाले दिनों में शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे। इसी बीच, पूर्व मांड्या सांसद एल आर शिवरामे गौड़ा ने भी कहा कि शिवकुमार के भविष्य को लेकर कोई संदेह नहीं है, लेकिन अंतिम फैसला हाईकमान का होगा। उन्होंने दावा किया कि नवंबर में सत्ता परिवर्तन संभव है।

पांच साल का कार्यकाल पूरा करूंगा- सीएम सिद्धारमैया

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा कि वह अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, लोग कहते रहते हैं कि नवंबर में ही सत्ता पूरे हो जाएंगे। मैं कहना चाह रहा हूं कि आलाकमान का जो भी फैसला हो, हमें उसका पालन करना होगा।

अहंकार रूपी रावण का आज दहन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गुरुवार 2 अक्टूबर को जिले सहित मुख्यालय में भी दशहरा पर्व मनाते हुए रावण दहन किया जाएगा। शहर में पानीपत की तर्ज पर रावण दहन का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। जिसकी सारी व्यवस्थाएं जिला प्रशासन ने एक दिन पहले ही कर ली है । 1 अक्टूबर की शाम कलेक्टर श्री मीणा और पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने रावण दहन के कार्यक्रम स्थल पहुंचकर यहां पर व्यवस्थाएं बनाये जाने को लेकर संबंधित विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। यहाँ कलेक्टर द्वारा संबंधित समिति और यहां कार्य कर रहे विभाग को ग्राउंड में सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा के सभी इंतजाम पुख्ता करने को कहा वही कलेक्टर ने बताया की जिस प्रकार महाकाल की सवारी में रस्सा पार्टी का उपयोग होता हैं , उसी प्रकार इस बार जिला मुख्यालय में भी चल समारोह के दौरान हनुमान जी के चल समाहरोह में रस्सा पार्टी का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं, साथ ही ग्राउंड में अलग-अलग एंगल से कैमरा, ड्रोन से मॉनिटरिंग की जाएगी और एक सीमित संख्या में ही रावण दहन के स्थल पर समिति के पदाधिकारी को प्रवेश

दिया जायेगा। इन सब को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं , जिसका रात्रि में ही रस्सा पार्टी रिहर्सल करेगी, वहीं चल समारोह का हनुमान जी महाराज ने भी पूर्व अभ्यास किया, जो देर रात तक चलता रहा।

आपको बता दे कि 2 अक्टूबर गुरूवार को पूरे जिले सहित मुख्यालय में सत्य की असत्य पर जीत का पर्व दशहरा धूमधाम से मनाया जाएगा। नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में रावण, मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले का दहन किया जाएगा। जिसे देखने हजारों की तादाद में लोग जुटेंगे। दशहरा में सत्य के प्रतिक भगवान श्रीराम के बाणों से असत्य के प्रतिक रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले का दहन होगा। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महावीर सेवादल समिति द्वारा भव्य रूप से दशहरा चल समारोह सायंकाल 4 बजे नगर के नये श्रीराम मंदिर से भगवान श्रीराम की शोभायात्रा और हनुमान स्वरूप महाराजजी के साथ निकाला जाएगा। यह शोभायात्रा नए श्रीराम मंदिर से होकर शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए रावण दहन स्थल पहुंचेगी। जहां विधिविधान से भगवान श्रीराम के हाथो से लंकापति रावण सहित मेघनाथ और कुंभकर्ण के प्रतिक स्वरूप पुतले का दहन किया जायेगा । दशहरा चल समारोह और रावण दहन को देखते हुए जिला और पुलिस प्रशासन द्वारा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये गए है। रावण दहन स्थल के आसपास पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, वहीं दशहरा चल समारोह में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद होंगे। असत्य पर सत्य की जीत का पर्व विजयादशमी दशहरा गुरुवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। नगर मुख्यालय में आयोजित दशहरा चल समारोह में युवा साधक तुषार उपाध्याय हनुमान का स्वरूप में 40 किलो वजनी मुकुट धारण कर अपनी वानरसेना के साथ भगवान श्रीराम की शोभायात्रा के सामने-सामने चलते हुए नये श्रीराम मंदिर से नगर भ्रमण करते हुए रावण दहन स्थल तक पहुंचेंगे। जो प्रतिवर्ष दशहरा चल समारोह का प्रमुख आकर्षण का केंद्र होता है। बुधवार को मुकुट धारण कर उन्होंने ट्रायल दिया। महावीर सेवादल समिति द्वारा मनाये जाने वाले दशहरा चल समारोह का मुख्य आकर्षण हनुमान महाराज का स्वरूप धारण करने वाले जीवंत हनुमानजी होते है। जो दशहरा में निकलने वाले चल समारोह में भगवान श्रीराम शोभायात्रा के आगे अपनी सेना के साथ 40 किलो वजनी हनुमान स्वरूप मुकुट धारण कर दशहरा चल समारोह की अगुवाही करेंगे। इसके साथ ही दशहरा चल समारोह में विभिन्न प्रकार की झांकियां भी आकर्षण का केन्द्र होगी। दशहरा चल समारोह में आयोजक महावीर सेवादल समिति, वानर सेना, दशहरा उत्सव समिति के अलावा नगरवासी, राजनैतिक दलों के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी संगठनों के पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, मुख्यालय और आसपास के क्षेत्र से पहुंचने वाले दर्शक बड़ी संख्या में मौजूद रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान ड्रोन से नजर रखी जाएगी - मृणाल मीणा

कलेक्टर मृणाल मीणा ने बताया कि चल समारोह के मूवमेंट के साथ ही आयोजन स्थल पर समिति से चर्चा की गई है। प्रोटोकॉल के तहत प्रशासनिक ड्यूटी लगाई गई है। फायर क्रेकर्स से लेकर सभी को निर्देशित किया गया है। इस बार बेरिकेटिंग की व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है। साथ ही कैमरो की व्यवस्था की जा रही है। वही रस्सापार्टी की व्यवस्था बनाई जा रही है, ताकि चल समारोह में मूवमेंट के समय होने वाली भीड़ में धक्कामुक्की जैसी स्थिति ना हो। साथ ही स्कूल के मैदान के अलग-अलग एंगल में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, रावण दहन स्थल पर पूरे कार्यक्रम के दौरान ड्रोन कैमरे से नजर रखी जाएगी ।

बाघ के दीदार के साथ, कान्हा नेशनल पार्क प्रारंभ, सैलानियों में उत्साह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट व मंडला के बीच स्थित कान्हा नेशनल पार्क आज 1 अक्टूबर से शुरू हो गया है,, जिसके साथ ही यहां पर सैलानियों की आवाजाही भी प्रारंभ हो गई है, आज पहला दिन होने से सैलानियों में भी उत्साह है और उत्साह तब और दुगुना हो गया जब उन्हें बाघ के दीदार हुए।कान्हा नेशनल पार्क प्रारंभ होते ही यहां उत्साह के साथ सैलानी पहुँच रहे है।जहां पार्क खुलने के पहले ही दिन दुबई, कलकत्ता, पुणे सहित अन्य स्थानों से पर्यटक पहुचे जो बाघ व बारहसिंगा सहित अन्य प्राणियों को देख हुए रोमांचित हो उठे।

पर्यटकों के लिए 3 माह से बंद था कान्हा नेशनल पार्क

गौरतलब है कि बरसाती सीजन को देखते हुए, प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी इस नेशनल पार्क को 3 मांह के लिए बंद कर दिया गया था।जिसे 1 अक्टूबर को सैलानियों के लिए खोल दिया गया है।तीन महीने के लंबे इंतज़ार के बाद आज 1 अक्टूबर से कान्हा नेशनल पार्क के गेट सैलानियों के लिए खोल दिए गए है।जिससे यहां आज पहले दिन सैलानियों में काफी उत्साह दिखा।ज्ञात हो कि कान्हा नेशनल पार्क बाघों और बारहसिंगा के लिए विश्व प्रसिद्ध है दूर दूर से सैलानी बाघों और बारहसिंगा को देखने यहां पहुंचते है।आज पहले ही दिन ही कान्हा घूमने आए पर्यटकों को बाघ के दीदार हुए जिसे देख उनकी खुशियों का ठिकाना नहीं रहा।

कान्हा के दीदार के लिए दूर दूर से आए पर्यटक

कान्हा नेशनल पार्क में घूमने के लिए दूर दूर से पर्यटक पहले दिन ही पहुच गए।पर्यटकों ने मीडिया से खास चर्चा की और बताया कि काफी दिनों से हम कान्हा पार्क के गेट खुलने का इंतजार कर रहे थे ताकि हम कान्हा घूमे और बाघों को देख सके और आज वह सपना पूरा भी हुआ हमे काफी करीब से बाघ को देखने का मौका मिला,वही कुछ पर्यटकों ने बताया कि हमें बाघ के दीदार नहीं हुए जिससे थोड़े मायूस है लेकिन अगली बार फिर से हम बाघों को देखने आएंगे।उन्होंने बताया कि कान्हा का जंगल काफी खूबसूरत है।वही कान्हा प्रबंधन द्वारा बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है।बताया गया आज पहले दिन केनिया, दुबई, कलकत्ता, पुणे से पर्यटक यहां पहुंचे थे।

कल शानो शौकत के साथ नगर में निकाला जाएगा जुलूस ए गौसिया

पीराने पीर की याद में विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन, अंजुमन इस्लामिया कमेटी ने दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तमाम वलियों के ईमाम हजरत शेख अब्दुल कादिर जिलानी सरकार गौसे पाक की पैदाइशी माहे मुबारक ग्यारहवीं शरीफ के अवसर पर प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा नगर में जुलूस ए गौसिया का आयोजन किया गया है। जहां पिछले कुछ वर्षों की तरह इस वर्ष भी पीराने पीर दस्तगीर गौस ए आजम के चाहने वालों द्वारा दिन की जगह शुक्रवार शाम को जुलूस ए गौसिया का आगाज किया जाएगा।जिसकी शुरुआत जामा मस्जिद चौक में परचम कुशाई के साथ की जाएगी।जहां जामा मस्जिद के पेश इमाम साहब शाम करीब 6-15 बजे जामा मस्जिद चौक में परचम कुशाई करेंगे, वही सलातो सलाम के बाद नगर गश्त के लिए जुलूस रवाना होगा। जो विभिन्न चौक चौराहों और मार्गों का गस्त करता हुआ वापस जामा मस्जिद चौक पहुंचेगा। जहां प्रति वर्ष की भांति दरूद सलाम का नजराना पेश कर, पूरे मुल्क के लिए अमन चैन शांति और आपसी भाईचारे की दुआएं मांगी जाएंगी जिसके उपरांत तबर्रूख(प्रसाद) का आयोजन कर जुलूस ए गौसिया का समापन किया जाएगा।जिसकी तमाम जानकारी अंजुमन इस्लामिया कमेटी बालाघाट सदर मो फारुख द्वारा बुधवार को अंजुमन दफ्तर में आयोजित एक पत्रकारवार्ता के दौरान दी गई है। वही नगर की तमाम मस्जिद कमेटियों ने भी शुक्रवार शाम को निकाले जाने वाले जुलूस ए गौसिया और अन्य आयोजनों में शामिल होने की अपील मुस्लिम अवाम सहित आम नागरिकों से की है।

इन मार्गों से होकर गुजरेगा जुलूस ए गौसिया

पीराने पीर दस्तगीर गौस ए आजम जिलानी सरकार की याद में शुक्रवार शाम को निकाले जाने वाला जुलूस ए गौसिया, जामा मस्जिद चौक में परचम कुशाई और सलातो सलाम के बाद नगर गश्त के लिए रवाना होगा। जहां जुलूस ए गौसिया जामा मस्जिद चौक से रवाना होकर बैहर रोड अंजुमन शादी हाल से बैहर चौकी, वहां से देवी तालाब चौक से डॉक्टर शुक्ला दवाखाने के सामने से होता हुआ डॉ खान गली से गौली मोहल्ला होते हुए सीधे रानी अवंती बाई चौक और वहां से वापस बैंहर रोड आएगा ।जहां रजा चौक से वापस जामा मस्जिद चौक अंजुमन उर्दू स्कूल के सामने इस जुलूस का समापन होगा। जहां सलातो सलाम दरूद खानी और सामूहिक अमनो अमान की दुआए की जाएगी।जिसके उपरांत तबर्रूख(प्रसाद) वितरण कर जुलूस ए गौसिया का समापन किया जाएगा।

ईद मिलादुन्नबी की तर्ज पर निकाला जाएगा जुलूस ए गौसिया ह्रसदर फारुख

जुलूस ए गौसिया को लेकर की गई चर्चा के दौरान अंजुमन इस्लामिया कमेटी सदर मो फारुख ने बताया कि ग्यारहवीं शरीफ का महीना रबिउस्सानी का महीना होता है। इस महीने को गौसे आजम का महीना कहा जाता है। दुनिया में जितने भी सूफी संत हैं गौसे आजम उनके पीरो मुर्शिद हैं।जिस दिन से चांद दिखता है उसी दिन से ही मस्जिदों में मिलाद का दौर शुरू हो जाता है। इसके अलावा जगह-जगह न्याज ए गौसिया का आयोजन होता है। चांद की 11 तारीख को जुलूस ए मोहम्मदी की तर्ज पर जुलूस ए गौसिया नगर में निकाला जाएगा।पहले यह जुलूस सुबह के वक्त निकाला जाता था लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यह जुलूस शाम को निकाला जा रहा है।जो इस साल भी शुक्रवार शाम को निकाला जाएगा ।ताकि तमाम लोग इस जुलूस में शामिल हो सके। अंत में उन्होंने इस जुलूस में शामिल होने वाले तमाम हकीकतमंदो से नाचने गाने,शोर शराबा मचाने,की मनाई करते हुए हुड़दंग ना मचाने और नियम कानून के तहत जुलूस में शामिल होकर अपनी अकीदत पेश करने की बात कही है।साथ ही उन्होंने डिजे पर पूर्ण पाबंदी की बात कहते हुए जश्न ए ईद मिलादुन्नबी की तरह ही इस जुलूस में भी अन्य पाबंदिया रहने की बात कही है।

नर्सिंग की पढ़ाई के लिए सरकारी कॉलेजों में बढ़ाई जाए सीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश में नर्सिंग की पढ़ाई लगातार महंगी होती जा रही है।तो वहीं दूसरी ओर सरकारी कॉलेज में प्रवेश के लिए लगातार सीट घटाई जा रही है। मध्य प्रदेश में 22 सरकारी कॉलेज होने के बावजूद भी महज 04 कॉलेज में ही चॉइस फिलिंग का ऑप्शन छात्राओं को दिया जा रहा है।वही पहले सरकारी कॉलेज में 1800 के करीब सीट मिलती थी जिसे घटाकर वर्तमान समय में सरकार ने महज 515 सीट कर दी है। ऐसे में कई छात्राओं को सरकारी कॉलेज में दाखिला नहीं मिल पा रहा है।जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए नर्सिंग की पढ़ाई करने वाली छात्राओं ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौपा है।जहां रैली के माध्यम से सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने 6 अक्टूबर चॉइस फिलिंग की अंतिम तारीख बताते हुए 5 अक्टूबर के भीतर एग्जाम में चयनित छात्राओं के लिए सरकारी कॉलेजो में 2500 के करीब सीटे बढाए जाने की मांग की है। तो वहीं उन्होंने सरकार पर, शासकीय कॉलेजो की सीट घटकर परेशान करने का भी आरोप लगाया है।

8 हजार बच्चो ने दी एग्जाम, एडमिशन के लिए मिल रही महज 515 सीट

बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई के लिए सरकारी कॉलेज में प्रवेश की सीट बढाए जाने की मांग को लेकर छात्राओं ने नगर के अंबेडकर चौक से कलेक्टर कार्यालय तक एक रैली, निकाली गई इस रैली के माध्यम से उन्होंने सरकारी कालेजो में एडमिशन के लिए सीट बढ़ाने की मांग की।जहा आवेदन निवेदन पर भी सीट ना बढ़ने पर अपनी नारजगी जताते हुए, जमकर नारेबाजी की। छात्राओं का आरोप है कि बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई के लिए मध्य प्रदेश सरकार इंटरेस्ट एग्जाम करती है इस एग्जाम में इस वर्ष करीब 8000 छात्राए शामिल हुई थी। जिसमें से पास छात्राओं के लिए सरकारी कॉलेज में महज 515 सीट रखी गई है ।वही 22 सरकारी कॉलेजो में से महज 04 सरकारी कॉलेजों में च्वाईस फिलिंग का ऑप्शन दिया जा रहा है। छात्राओं का आरोप है कि पहले सरकारी कॉलेज में 1800 से अधिक सीट रिक्त हुआ करती थी,जिसे बाद में घटाकर 1600 किया गया। फिर उन सीटों को घटकर 1340 किया गया और अब इस वर्ष महज 515 सीट कर दी गई है।ऐसे में गरीब तबके की छात्राएं इस पढ़ाई से वंचित हो जाएगी। वही प्राइवेट कॉलेजो में महंगी फीस होने के चलते छात्राएं दाखिला नहीं ले सकेंगी। उन्होंने सीट बढाए जाने की यहां मांग 5 अक्टूबर तक पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।

बढ़ाने की जगह सरकार कम कर रही सीट-अंजली किरार

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान छात्रा अंजलि किरार ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से देखने में यह आ रहा है कि सरकार सरकारी कॉलेज में सीटों की संख्या को लगातार कम कर रही है, जबकि प्राइवेट कॉलेज में अधिक सीट मिल रही है। लेकिन निजी कॉलेजों में पढ़ाई काफी महंगी है जिसके चलते कई छात्राओं की पढ़ाई अधूरी रह जाती है। मध्य प्रदेश में नर्सिंग के 22 कॉलेज हैं जिसमें से इस वर्ष महज 4 कॉलेजो में चॉइस फिलिंग का ऑप्शन दिया गया हैं।उसमें भी महज 515 सीट ही दी जा रही है।जो काफी कम है। जबकि छात्राएं हजारों की संख्या में है ऐसे में हम छात्राओं को अध्ययन करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।हमारी मांग है की सरकार, शासकीय कॉलेजो की सीट बढाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्राओं को सरकारी कॉलेजो में दाखिला मिल सके।

आदिशक्ति माँ के दर्शनार्थ किरनाई मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। शारदेय नवरात्र पर्व के पावन अवसर पर दैवीय स्थलों की ओर जगतजननी आदिशक्ति के दर्शन करने श्रृद्धालु भक्त आस्था का सैलाब लेकर उमड़ रहे है। मंदिरों मे सुबह से प्रारंभ हुआ पूजन अर्चन का सिलसिला देर शाम तक चलते रहता है। वही नवरात्रा पर्व के अवसर पर आयोजन समितियों द्वारा सुबह-शाम आराधना कर आरती पूजन का कम सतत किया जा रहा है। साथ ही साथ रोजाना विविध धार्मिक एवं भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यकम सम्पन्न कराये जा रहे है जिसके चलते कार्यक्रम स्थलों पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ बनी रहती है। और मेले का नजारा बना रहता है।

अटूट आस्था का केन्द्र है मां किरनाई का दरबार

मां किरनाई का दरबार श्रृद्धालु भक्तों की अटूट आंस्था का केन्द्र है, मां किरनाई तो स्वयंभू है, मां किरनाई के नाम से ही इस ग्राम का नाम किरनापुर रखा गया है। माताजी की नगरी ही किरनापुर है। मां किरनाई महाराष्ट्र राज्य के किरनापुरे परिवार से संबंध रखती है, और इस परिवार के लोग प्रतिवर्ष नवरात्रा पर्व पर एवं अन्य समय मे यहां मां किरनाई के दर्शन करने एवं पूजन अर्चन करने हमेशा आते रहते है। इस संबंध मे मंदिर के पुजारी मनीष उपाध्याय बताते है कि मां किरनाई के इस पावन मंदिर मे पश्चिम बंगाल, दिल्ली, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ सहित काफी दूर दराज के ग्रामों से लोगों माता के दर्शन करने आते है। पूजन अर्चन कर मनोकामना मांगते है, मां किरनाई भक्तों की सच्चे मन से मांगी गई मनोकामना अवश्य पूरी करती है।

नवरात्र पर्व पर मां किरनाई को समिति ने आभूषणों से सजाया

किरनापुर नगर मे स्थित प्रसिद्ध मां किरनाई मंदिर मे सेवारत किरनाई मंदिर सेवा समिति द्वारा नवरात्रा पर्व के पावन अवसर पर मां किरनाई को चांदी के छत्र, चांदी के मुकुट सहित स्वर्ण रानी हार के आभूषणों से सुसज्जित कराया गया। मंदिर पुजारी पं. मनीष उपाध्याय ने बताया कि मंदिर में श्रृद्धालु भक्तों द्वारा दिए गये दान से माता किरनाई के लिए आभूषण तैयार कर बनाये गये है। माता किरनाई की प्रतिमा इन आभूषणों को धारण कर बेहद ही आकर्षक एवं मनोहारी दिखलाई देती . है। नवरात्र पर्व पर माता किरंनाई का पूजन अर्चन भक्तों द्वारा बड़े ही आस्था एंव श्रृद्धाभाव से किया जा रहा है।

मां किरनाई के दरबार मे जगमगा रहे ज्योति कलशो को कराया जलदर्शन

तहसील मुख्यालय स्थित मां किरनाई के दरबार मे श्रृद्धालु भक्तजनों द्वारा रखे गये मनोकामना ज्योत्ति कलश जगमगाते रहे है। इस दौरान भक्तों द्वारा बड़े ही आस्था एवं भक्तिभाव के साथ मां किरनाई के दरबार में इस वर्ष कुल 850 कलश रखे गये । नवरात्र पर्व पर मां किरनाई सेवा समिति एवं सेवाद्वारों एवं श्रद्धालु भक्तों द्वारा सतत रूप से इनकी सेवा की गई । वही सांझ होते ही इन ज्योतिकलशों के दर्शनार्थ सैलाब उमड़ पड़ता है। जिसमें बडी. संख्या मे महिलाओं द्वारा उपस्थित होकर मां किरनाई, आदिशक्ति मातारानी एवं ज्योतिकलशों का पूजन कर दर्शन लाभ लेते हुए मनोकामना मांगी गई। वही जिनका नवरात्रा के नवमी पर जल दर्शन कराया गया। तथा मां किरनाई के प्रांगण मे विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या मे श्रद्धालु भक्तों ने शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस दौरान पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा के चाक चौबंद प्रबंध किए गए। वही इन समस्त कार्यक्रमों को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने मे किरनाई मंदिर नवरात्र उत्सव समिति अध्यक्ष प्रेमकिशोर जांगड़े,उपाध्यक्ष गोपी अग्रवाल, मोनू तारन,सचिव सुरेश रत्नेरे,सह सचिव महेन्द्र तारन, राजेश रत्नेरे,कोषाध्यक्ष संजय चौधरी,संरक्षक कोमल प्रसाद जांगड़े, उगेन्द्र मेश्राम, नन्हें बहेकार, मंगल प्रसाद रैकवार, शिव तारन, कमलेश चौधरी,संजय शारडा,निकेश जोशी, सतीष तारन, राजेन्द्र श्रीवास्तव, संजय तारन, राकेश बोरकर, संजय सिंह चौहान,दीपक दाते, पराग मोदी.कमलेश कनोजे, अरविंद अग्रवाल. आशिष सोनी और सभी सदस्यगण किरनाई समिति मंदिर समिति किरनापुर के समस्त ग्रामीणजनो का सराहनीय सहयोग रहा ।

कार्यालय तहसीलदार तहसील, लामता जिला बालाघाट म.प्र.

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक थान सिंह बिसेन पिता स्व. मुन्नालाल बिसेन जाति पवार निवासी ग्राम मोहगांव मॉल ने अपने माता स्व. सीताबाई बिसेन पति स्व. मुन्नालाल बिसेन जाति पवार निवासी ग्राम मोहगांव मॉल वार्ड नं 4 थाना चांगोटोला तहसील लामता जिला बालाघाट म.प्र. का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन न्यायालय तहसीलदार लामता में प्राप्त हुआ है। जिनकी मृत्यु 05/07/1975 को होना बताया गया है। जिसके संबंध में अखबार के माध्यम से प्रेस विज्ञप्ति ईश्तहार जारी हो। यदि किसी को भी मृत्यु दिनांक से संबंधित किसी प्रकार की दावा आपत्ति हो तो नियत समय के भीतर न्यायालय में आकर पेश करें। समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं होगा, पश्चात मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा।

ईश्तहार मेरी पद् मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
लामता जिला बालाघाट(म.प्र)

कार्यालय तहसीलदार तहसील, लामता जिला बालाघाट म.प्र.

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक थान सिंह बिसेन पिता स्व. मुन्नालाल बिसेन जाति पवार निवासी ग्राम मोहगांव मॉल ने अपने पिता स्व. मुन्नालाल बिसेन जाति पवार निवासी ग्राम मोहगांव मॉल वार्ड नं 4 थाना चांगोटोला तहसील लामता जिला बालाघाट म.प्र. का मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन न्यायालय तहसीलदार लामता में प्राप्त हुआ है। जिनकी मृत्यु 20/12/1977 को होना बताया गया है। जिसके संबंध में अखबार के माध्यम से प्रेस विज्ञप्ति ईश्तहार जारी हो। यदि किसी को भी मृत्यु दिनांक से संबंधित किसी प्रकार की दावा आपत्ति हो तो नियत समय के भीतर न्यायालय में आकर पेश करें। समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं होगा, पश्चात मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा।

ईश्तहार मेरी पद् मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
लामता जिला बालाघाट(म.प्र)

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरुपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

90 के दशक की भयावह विडंबना, बालाघाट में नक्सलवाद के चार दशक प्राकृतिक संसाधनों से लैस मध्यप्रदेश का बालाघाट जिला कैसे लाल आतंक का गलियारा बना। **पढ़िए पूरी श्रंखलाबद्ध रिपोर्ट-**

नब्बे का दशक और कान्हा किसली में पहली नक्सली पदचाप

बालाघाट में नक्सलवाद के चार दशक बीत चुके हैं । यहाँ पर पीपुल्स वार ग्रुप (पीडब्ल्यूजी) के नक्सलियों का असर था । जिले के 10 में से 4 तहसीलें पूरी तरह से नक्सलवाद से पीड़ित थीं । भारत सरकार की कार्रवाई से अब लगता है बालाघाट जिले मे नक्सली समस्या बीते दिनों की बात हो जाएगी । आने वाली पीढ़ियों को यह किंवदंती मे ही सुनाई देगा । यह भी अजीब संयोग हैं कि 1990 के आसपास नक्सली बालाघाट जिले मे सबसे पहले कान्हा - किसली राष्ट्रीय उद्यान मे पाँव रखे थे । अब लगता है कान्हा - किसली से ही उनके पाँव अंत में उखड़ जाएंगे । उस वक्त नक्सली कान्हा किसली मे वन अमले के कर्मचारियों को धमकाकर खौफ पैदा कर अपना प्रभाव जमा रहे थे । तत्कालीन पीपुल्स वार ग्रुप (पीडब्ल्यूजी) के कैडरों ने बालाघाट जिले के कई सरकारी गेस्ट हाउस को उड़ा दिया था । तब से अब तक यह खौफ का दौर यूं ही जारी है ।

■ बालाघाट । बालाघाट एक्सप्रेस रिसर्च डेस्क

इस अध्ययन में पाया गया है कि हाल के नक्सली वारदातों के अनुसार 19 फरवरी, 2025 को, कम से कम चार महिला भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-माओवादी (सीपीआई-माओवादी) कैडर, 'केबी' डिवीजन (मध्य प्रदेश के मंडला में कान्हा टाइगर रिजर्व और छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य) की विभिन्न समितियों की सक्रिय सदस्य, मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा बालाघाट जिले के गढ़ी पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत सुपखर वन रेंज में रोंडा वन शिविर के पास मुठभेड़ के दौरान मारे गए थे। मारे गए माओवादियों की पहचान मध्य प्रदेश में 18 आपराधिक मामलों का सामना कर रही 'केबी' डिवीजन 'कमांडर' आशा के रूप में हुई, जो छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले की रहने वाली थी और उसके सिर पर महाराष्ट्र में 1.2 मिलियन रुपये, उसके गृह राज्य में 500,000 रुपये और मध्य प्रदेश में 300,000 रुपये का इनाम था; सरिता उर्फ शीला उर्फ पदम और लक्खे मरावी दोनों छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले की रहने वाली हैं और उन पर महाराष्ट्र में 600,000 रुपये, छत्तीसगढ़ में 500,000 रुपये और मध्य प्रदेश में 300,000 रुपये का इनाम था; और रंजीता उर्फ रामली आलमी, छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले की निवासी हैं, जिन पर महाराष्ट्र में 600,000 रुपये, छत्तीसगढ़ में 500,000 रुपये और मध्य प्रदेश में 300,000 रुपये का इनाम था। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से एक इंसास (भारतीय लघु शस्त्र प्रणाली) असॉल्ट राइफल, एक सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर) और एक .303 राइफल के अलावा आवश्यक दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद कीं। बालाघाट के तत्कालीन एसपी नागेंद्र सिंह ने कहा था 卐पिछले 30 दिनों में यह हमारी तीसरी मुठभेड़ थी। इससे पहले, जनवरी में, हमने यहां दो बार गोलीबारी की थी और अब आखिरकार हम चार महिला नक्सलियों को मार गिराने में सफल रहे

8 फ़रवरी, 2025 को, बालाघाट ज़िले के हट्टा थाना क्षेत्र के राजाडेरा केकड़ेवाड़ा के घने जंगलों में सुरक्षा बलों (एसएफ) की लगभग 18 से 20 वर्दीधारी हथियारबंद भाकपा-माओवादी कार्यकर्ताओं के साथ मुठभेड़ हुई। दोनों ओर से किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, हालाँकि, घने जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे उग्रवादियों के बाद इलाके की तलाशी के दौरान, सुरक्षा बलों ने एक ग्रेनेड लॉन्चर, एक मैगज़ीन, सात ज़िंदा कारतूस और चावल, चीनी, सोयाबीन के गोले, तेल और चायपत्ती सहित आवश्यक सामान बरामद किया।

उधर मिशन 2026 के तहत बड़ी सफलता

इसी दौरान हाल ही में बालाघाट के नए पुलिस अधीक्षक का पदभार संभालने वाले आदित्य मिश्रा ने मिशन 2026 के तहत नक्सलियों के खात्मे को अपनी प्राथमिकता बताया था। पदभार ग्रहण के एक सप्ताह के भीतर ही इस बड़ी कार्रवाई को उनकी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

पहले भी मिली थी बड़ी कामयाबी

बता दें कि 19 फरवरी 2025 को भी बालाघाट पुलिस ने कान्हा के सूपखार फॉरेस्ट क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान चार महिला नक्सलियों को ढेर किया था। इनमें आशा, शीला, रंजीता और लख्खे मरावी शामिल थीं। इन चारों पर 62 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

3 जनवरी, 2025 को, बालाघाट जिले की लांजी तहसील (राजस्व इकाई) के धरमारा वन क्षेत्र में, खुफिया सूचनाओं पर आधारित एक तलाशी अभियान के दौरान, मध्य प्रदेश की हॉक फोर्स और सशस्त्र भाकपा-माओवादी कार्यकर्ताओं के एक समूह के बीच देर रात मुठभेड़ हुई। संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद, माओवादी घने जंगल में भागने में सफल रहे। गोलीबारी में दोनों ओर से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थल से माओवादियों द्वारा आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुएँ बरामद कीं।

बालाघाट जिले के जंगलों में घटित 19 फरवरी, 2025 की घटना राज्य में चालू वर्ष में अब तक नक्सल [वामपंथी उग्रवाद, एलडब्ल्यूई] से जुड़ी हिंसा में दर्ज एकमात्र मृत्यु-संबंधी घटना है (2 मार्च, 2025 तक के आंकड़े)।

एक विशेष अध्ययन में 'दक्षिण एशिया आतंकवाद पोर्टल' (एसएटीपी) द्वारा एकत्रित आंशिक आंकड़ों के अनुसार , मध्य प्रदेश में 2024 में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा में तीन मौतें (सभी माओवादी) दर्ज की गईं। 2023 में, पांच मौतें हुईं, जिनमें एक नागरिक और चार माओवादी शामिल थे।

14 वर्षों मे राज्य में सुरक्षा बलों को कोई नुकसान नहीं

लगातार 14 वर्षों से, 2024 में राज्य में सुरक्षा बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। सुरक्षा बलों की आखिरी मौत 22 सितंबर, 2010 को हुई थी, जब माओवादियों ने बालाघाट जिले के सीतापाला गाँव के पास हॉक फोर्स (मध्य प्रदेश पुलिस का विशेष नक्सल विरोधी बल) के एक जवान की हत्या कर दी थी। दूसरी ओर, सुरक्षा बलों ने 2024 में तीन माओवादियों को मार गिराया, जबकि 2023 में यह संख्या चार थी। इसके अलावा, 2024 में कम से कम एक माओवादी को गिरफ्तार किया गया, जबकि 2023 में ऐसी दो गिरफ्तारियाँ हुई थीं। 2022 में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। 2021 में कम से कम चार माओवादी और 2020 में एक माओवादी को गिरफ्तार किया गया। 6 मार्च, 2000 से, जब एसएटीपी ने देश भर में वामपंथी उग्रवाद से जुड़ी हिंसा के आंकड़ों का दस्तावेजीकरण शुरू किया, तब से 74 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है।

ज़मीनी स्तर पर सुरक्षा बलों की सफलता से मध्य प्रदेश में नक्सली हिंसा ग्रस्त बालाघाट जिले में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। 2024 में कोई भी नागरिक मृत्यु दर्ज नहीं की गई, जो सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण सूचकांक है, जबकि 2023 में ऐसी एक मृत्यु दर्ज की गई। 6 मार्च, 2000 से नागरिक मृत्यु दर में एक चक्रीय प्रवृत्ति देखी गई है, जिसमें 2021 में अधिकतम तीन मौतें हुईं। 2000 से अब तक कम से कम 14 नागरिक मृत्यु दर दर्ज की गई हैं।

मध्य प्रदेश में विद्रोहियों द्वारा हिंसा के अन्य मापदंडों को बमुश्किल ही दर्ज किया गया है। 2024 और 2023 में भी आगजनी की कोई घटना दर्ज नहीं की गई। राज्य में 6 मार्च, 2000 से अब तक ऐसी कुल 10 घटनाएँ दर्ज की गई हैं। आगजनी की आखिरी घटना 22 मई, 2022 को हुई थी, जब बालाघाट जिले में लांजी तहसील (राजस्व इकाई) के दक्षिण वन प्रभाग के अंतर्गत दादेकसा-बिलाल कसा तेंदूपत्ता संग्रहण केंद्र में आदिवासियों द्वारा एकत्रित 350 से अधिक बोरी तेंदू (डायोस्पायरोस मेलोनोक्सिलॉन पौधा) के पत्तों को नक्सलियों ने आग के हवाले कर दिया था । इसी तरह, 2024 में और साथ ही 2023 में भी विस्फोट की कोई घटना नहीं हुई। वास्तव में, राज्य ने 6 मार्च 2000 से सिर्फ एक विस्फोट दर्ज किया है, 11 दिसंबर 2001 को, जब तत्कालीन पीपुल्स वार ग्रुप (पीडब्ल्यूजी) के कैडरों ने बालाघाट जिले के समनापुर में सरकारी गेस्ट हाउस को उड़ा दिया था। माओवादी 2024 में और साथ ही 2023 में भी कोई बंद (सामान्य बंद) कॉल जारी करने में विफल रहे। राज्य ने 6 मार्च 2000 से कुल छह ऐसे कॉल दर्ज किए हैं। इस तरह का आखिरी कॉल 18 सितंबर, 2019 को जारी किया गया था, जब बालाघाट जिले में सीपीआई-माओवादी ने 19 मार्च, 2019 को पुलिस और सशस्त्र बलों द्वारा माओवादी नेता जमुना उर्फ सागन बाई (45) और अन्य सदस्यों, मंगेश और नंदे की 'मुठभेड़ में हत्या' का विरोध किया था।

'महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) ज़ोन' का गठन

उल्लेखनीय बात यह है कि वामपंथी उग्रवाद से संबंधित घटनाओं की संख्या 2023 में आठ से घटकर 2024 में छह हो जाएगी।

2024 में सभी मौतें सिर्फ़ एक ज़िले, बालाघाट, में दर्ज की गईं। इसी तरह, 2023 में भी सभी मौतें बालाघाट में ही दर्ज की गईं। इसके अलावा, एसएटीपी डेटाबेस के अनुसार, 2024 में माओवादियों की भूमिगत और बाहरी गतिविधियों के विश्लेषण ने बालाघाट ज़िले को 'मामूली रूप से प्रभावित' श्रेणी में रखा। 2023 में भी बालाघाट मामूली रूप से प्रभावित श्रेणी में था। मध्य प्रदेश में कुल 52 ज़िले हैं, और अकेले इसी ज़िले में माओवादी सक्रिय हैं।

22 फरवरी, 2025 की एक रिपोर्ट के अनुसार, माओवादियों ने दक्षिणी छत्तीसगढ़ में अपने कार्यकर्ताओं को राहत देने के लिए एक नए मोर्चे के रूप में 'महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) ज़ोन' का गठन किया था। हालाँकि, स्थानीय लोगों के समर्थन की कमी के कारण 'एमएमसी ज़ोन' आंदोलन जड़ें जमाने में विफल रहा। जहाँ पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में माओवादियों के खिलाफ अभियान काफी तेज हो गए हैं, वहीं मध्य प्रदेश में भी माओवादियों के लिए यह आसान नहीं रहा है, जिसे वे अक्सर 'आराम और स्वास्थ्य लाभ' क्षेत्र मानते रहे हैं।

बालाघाट भी वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों के रूप में नामित

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ द्वारा समन्वित अभियानों और केंद्र से मिली खुफिया सूचनाओं ने माओवादियों को और भी घेर लिया है। वामपंथी उग्रवाद के खतरे से समग्र रूप से निपटने के लिए, भारत सरकार ने 6 अगस्त, 2024 को देश भर के नौ राज्यों के 38 जिलों की अपनी सूची में मध्य प्रदेश के मंडला और डिंडोरी के साथ बालाघाट को भी वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों के रूप में नामित किया था ।

19 फरवरी, 2025 की मुठभेड़ के बाद, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घोषणा की, 卐 मध्य प्रदेश में नक्सलवाद और हिंसक गतिविधियों के लिए कोई जगह नहीं है卐, और कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गृह मंत्री अमित शाह वर्ष 2026 तक देश से नक्सलवाद को समाप्त करने का अभियान चला रहे हैं और भारत सरकार भी इस दिशा में गंभीरता से काम कर रही है।

हालाँकि, राज्य में माओवादियों के पुनरुत्थान के प्रयास पूर्व से अभी भी जारी रहे हैं । स्थानीय लोगों के हितों और अधिकारों के लिए संघर्ष का प्रदर्शन करने के लिए, भाकपा-माओवादी ने बालाघाट जिले के रूपझर जंगलों में दो पृष्ठों का एक पर्चा और लाल बैनर चिपकाकर, चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन में 7 जनवरी, 2025 को दिल्ली कूच का आह्वान किया है। भाकपा-माओवादी 'महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ विशेष क्षेत्रीय समिति' के नाम से जारी इस पर्चे में लिखा है,यह किसान आंदोलन केवल पंजाब और हरियाणा के किसानों का आंदोलन नहीं है, बल्कि देश के हर उस किसान का आंदोलन है, जो मोदी सरकार की किसान-विरोधी नीतियों के कारण या तो बर्बाद हो चुका है या बर्बाद होने की कगार पर है। हम तीनों राज्यों (महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़) के लोगों, किसानों और मज़दूरों के साथ-साथ सहयोगी संगठनों, पर्यावरणविदों और बुद्धिजीवियों से अपील करते हैं कि वे इस किसान आंदोलन का हर संभव तरीके से समर्थन करें। हम सभी से अपील करते हैं कि वे शहरों और कस्बों में धरना-प्रदर्शन, सड़क जाम और क्रमिक भूख हड़ताल करें; और सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रूप से प्रचार करें। हो सके तो 'शंभू और कनौरी बॉर्डर चलो' के नारे के साथ दिल्ली और पंजाब कूच करें।

बहुत कम लोगों को पता था कि बालाघाट जिले के माओवाद प्रभावित जंगलों में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के साइन बोर्ड पर माओवादियों द्वारा लगाए गए लाल बैनर पर भी ऐसी ही बातें लिखी हुई थीं।

राज्य में पुलिसिंग के लिए क्षमताओं की कमी

उधर , मध्य प्रदेश पुलिस को राज्य में पुलिसिंग के लिए क्षमताओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है इसके बावजूद पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा मानते हैं कि बालाघाट जिले में पुलिस के नवाचारों का सकारात्मक फायदा मिलेगा. पुलिस के लिए सहयोगी दस्ता के रूप में नक्सल प्रभावित ग्रामों के युवाओं की विशेष भर्ती से अभियान को बल मिलेगा और दूर जंगलों के निवासियों के बीच पुलिस की सकारात्मक उपस्थिति को काफ़ी महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

नवीनतम पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी) के आंकड़ों के अनुसार, 1 जनवरी 2023 तक, मध्य प्रदेश में प्रति 100,000 जनसंख्या पर 121.13 पुलिस कर्मी थे, जो अपर्याप्त राष्ट्रीय औसत 154.84 से काफी कम है। अधिक चिंताजनक बात यह है कि पुलिस/क्षेत्र अनुपात (प्रति 100 वर्ग किलोमीटर पुलिसकर्मियों की संख्या) राष्ट्रीय औसत 65.14 के मुकाबले सिर्फ 33.85 था। पुलिस/क्षेत्र अनुपात पर राज्य और राष्ट्रीय औसत दोनों स्वीकृत संख्या से काफी कम थे, क्रमश: 40.67 और 82.82। राज्यों की पुलिस के लिए स्वीकृत संख्या 125,381 थी, जबकि सिर्फ 104,348 कर्मी तैनात थे इसके अतिरिक्त, राज्य में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के शीर्ष अधिकारियों की स्वीकृत संख्या 305 थी, लेकिन केवल 247 अधिकारी ही पदस्थ थे, जो 19.01 प्रतिशत की कमी थी, जिससे बल का कार्यकारी पर्यवेक्षण काफी कमजोर हो गया।

13 दिसंबर, 2024 की एक रिपोर्ट के अनुसार, बालाघाट के माओवाद प्रभावित गाँवों में रहने वाले 6,000 से ज़्यादा लोग मोबाइल फ़ोन नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे हैं । सर्वाधिक है । यह समस्या ज़िले के मोहनपुर, चालीसबोडी, कवेली और कसांगी जैसे इलाकों में है । दक्षिण बैहर , परसवाड़ा तथा लांजी मे भी कमोबेश यही समस्या है ।

हाल मे प्रशासन तथा पुलिस के नवाचरों से मध्य प्रदेश में माओवादियों की जो थोड़ी-बहुत पकड़ बची थी, वह भी खत्म हो रही है । राज्य में मौजूदा कमियों को दूर करने और सुरक्षा व विकास को बढ़ावा देने से इस क्षेत्र में वामपंथी उग्रवाद के फिर से पनपने की किसी भी संभावना को नाकाम करने में मदद मिलेगी ।

(स्रोत : बालाघाट एक्सप्रेस रिसर्च डेस्क तथा आधार सामग्री दक्षिण एशिया आतंकवाद पोर्टल (एसएटीपी) द्वारा एकत्रित आंकड़े के अनुसार)

लालबर्रा में भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा माँ सरस्वती महोत्सव

विद्या की देवी की आराधना जारी, कवि सम्मेलन कल

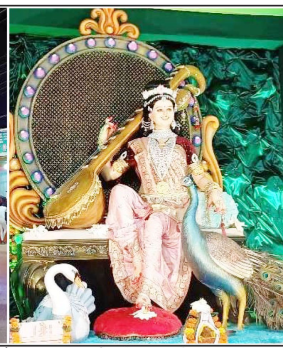

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा।जिले सहित पूरे महाकौशल क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त, ऐतिहासिक रूप से मनाया जाने वाला नगर मुख्यालय का माँ सरस्वती महोत्सव का गत 27 सितंबर को वीणा वादिनी माँ सरस्वती जी की प्रतिमा स्थापना के साथ प्रारंभ हो गया है। साथ ही भक्तिभाव के साथ विद्या की देवी माँ सरस्वती की आराधना की जा रही है जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में निर्मित हो गया हैं। आपकों बता दे कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पूरे प्रांगण को विशेष आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया है एवं वीणा वादिनी माँ सरस्वती के प्रतिमा स्थल को भव्य मंदिर का स्वरूप दिया गया है जो आकर्षण का केन्द्र बना हुआ हैं और माँ सरस्वती के दर्शन करने भक्तजनों की भीड़ भी बढ़ने लगी हैं। माँ सरस्वती महोत्सव के दौरान प्रतिदिन प्रात: एवं रात 9 बजे आरती की जाती हैं जिसमें श्रध्दालुजन पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। साथ ही रोजाना विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं। माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 27 सितंबर को विधि-विधान से पूजा अर्चना कर वीणा वादिनी माँ सरस्वती की प्रतिमा स्थापना कर 13 दिवसीय महोत्सव धूमधाम एवं आस्थापूर्वक मनाया जा रहा है और इस महोत्सव में बालाघाट जिले सहित अन्य जिलों व राज्यों के भक्तजन भी पहुंचकर विद्या की देवी माँ सरस्वती का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है। साथ ही यह भी बताया कि प्रतिदिन सांस्कृतिकएवं धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे हैं जिसमें 2 अक्टूबर को दशहरा पर्व मनाया जायेगा, 3 अक्टूबर को अखिल भारतीय हास्य व्यंग कवि सम्मेलन, 4 अक्टूबर को अंतर्रायीय गरबा डांस प्रतियोगिता, 5 अक्टूबर को अंतर्रायीय म्यूजिकल ग्रुप डांस, 6 अक्टूबर को हवन-पूजन के बाद रात 9 बजे से नागपुर का सांई नवदुर्गा जागरण, 7 अक्टूबर को पुरस्कार वितरण व नागपुर का आरके इंटरटेनमेंट ग्रुप का आर्केष्ट्रा, 8 अक्टूबर को कूपन ड्रा व शशिराज म्यूजिकल ग्रुप का कार्यक्रम एवं 9 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे माँ सरस्वती की प्रतिमा विसर्जन के साथ महोत्सव का समापन किया जायेगा।

महोत्सव स्थल का नायब तहसीलदार एवं थाना प्रभारी ने किया निरीक्षण

नगर मुख्यालय के हाई स्कूल मैदान में 13 दिवसीय माँ सरस्वती महोत्सव जारी है और धीरे-धीरे श्रध्दालुओं की भीड़ भी बढ़ने लगी है। 1 अक्टूबर को नायब तहसीलदार मयंक मिश्रा, थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी समिति के पदाधिकारियों के साथ माँ सरस्वती महोत्सव स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान नायब तहसीलदार एवं थाना प्रभारी ने कार्यक्रम स्थल, प्रतिमा स्थल का निरीक्षण कर आने-जाने वाले श्रध्दालुओं के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था किस स्थान पर किया जाना है, वीणा वादनी माँ सरस्वती के दर्शन करने आने वाले श्रध्दालुओं के अंदर आने-बाहर निकलने का रास्ता अलग-अलग बनाने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ताकि श्रध्दालुओं की भीड़ होने पर श्रध्दालुओं को परेशानी न हो सके। वहीं समिति के पदाधिकारियों ने प्रशासन से आवागमन व्यवस्था बनाने एवं कार्यक्रम में सहयोग करने की मांग की है। चर्चा में माँ सरस्वती महोत्सव समिति लालबर्रा उपाध्यक्ष लिंकन अग्रवाल ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वीणा वादिनी माँ सरस्वती की मनमोहक प्रतिमा विराजित कर माँ सरस्वती महोत्सव भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है एवं रोजाना धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। साथ ही यह भी बताया कि बुधवार को नायब तहसीलदार एवं थाना प्रभारी ने प्रतिमा स्थल का निरीक्षण किया है और उन्होने समिति को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये है एवं प्रशासन से भी मांग है कि महोत्सव में समिति का पूरा सहयोग करें। इस अवसर पर श्रध्दालुजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील माँ सरस्वती महोत्सव समिति के पदाधिकारी व सदस्यों ने की है।

महाविद्यालय में "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार थीम" पर स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा एवं राष्ट्रीय सेवा योजच, रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार थीम" पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह स्वास्थ्य शिविर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितु धुर्वे सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं प्राध्यापकों की चिकित्सकों के द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, शुगर एवं अन्य बीमारियों की जॉच की गई एवं विद्यार्थियों का वजन मापा गया। वहीं आयोजित शिविर में महिलाओं के लिए आन्तरिक बीमारियों का पता लगाने के लिए सरवाईकल, ब्रेस्ट केंसर की भी जॉच की गई तथा विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के प्रेरित किया गया। साथ ही यह शिविर का आयोजन उमंग उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य एवं वेलनेस प्रोग्राम में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आयोजित की गई थी। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे, रेड रिबन क्लब प्रभारी नरेश सौलखे, स्वास्थ्य विभाग से एलएचव्ही श्रीमती के. अजीत, श्रीमती पी. मालाधारी, सरिता साकुरे, फातिमा खान, सी.एच.ओ. साक्षी सौलंकी, हरषा, खिलेन्द्र रहॉगडाले, एस.आर. ठाकरे, संतोष उईके, सरोज सोनेकर, राजकुमारी, कुसुम, सपना धुर्वे, प्राध्यापक सुमन बरवा, डॉ. देवराज चौरे, श्रीमती संध्या परते, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. आशा कारे, यादोराव राजुरकर, वेंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

बकोड़ा पीएम श्री हाई स्कूल में खेल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा स्थित पीएम श्री शासकीय हाई सकूल में स्वच्छता सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत गत दिवस खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस खेल प्रतियोगिता में कबड्डी, 100, 200 मीटर दौड़, कुर्सी दौड़, खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें स्कूल के छात्र-छात्राएं शामिल होकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं संस्था के प्राचार्य जीआर अंगुरे ने छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेल सहित अन्य गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लेने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि खेल खेलने से शरीर का शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है इसलिए अच्छी पढ़ाई करने के साथ ही खेल गतिविधियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भविष्य बेहतर कैसे बना सकते है उसके बारे में उचित मार्गदर्शन प्रदान की। इस अवसर पर पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल बकोड़ा के प्राचार्य जीआर अंगुरे, शिक्षक एल. सी. ठाकरे, अफरोज खान,आर.पी.पटले, श्याम सोलंकी, श्रीमती भुवनेश्वरी मालाधारी, नरेन्द्र हाथी भृत्य एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

घोटी में हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा दशहरा पर्व आज

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा।नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी में नवदुर्गा उत्सव समिति के द्वारा गत दिवस माँ जगदम्बे की प्रतिमा विराजित कर शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। आज 2 अक्टूबर को दशहरा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। चर्चा में नव दुर्गोत्सव समिति घोटी के पदाधिकारियों ने बताया कि गत 22 सितंबर को जगत-जननी माँ दुर्गा की प्रतिमा विराजित कर शारदेय नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है एवं पर्व के दौरान भक्तजनों के द्वारा प्रसादी का भी वितरण किया जा रहा है। साथ ही रोजाना धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है, जिसमें सोमवार को ओपन डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें ग्रुप तिरोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जिन्हे अतिथियों के हस्ते प्रथम पुरस्कार 7 हजार रूपये, योगेश यादव बालाघाट को द्वितीय पुरस्कार 5 हजार रूपये, भाव्या आमाडारे को तृतीय पुरस्कार 3000 रूपये देकर सम्मानित किया गया। आगे बताया कि 2 अक्टूबर को विजयादशमी (दशहरा) पर्व धूमधाम से मनाया जायेगा, इस अवसर पर दशहरा चल समारोह निकालकर रावण के पुतले का दहन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील नवदुर्गा उत्सव समिति घोटी संरक्षक जनपद सदस्य देवेश (विक्की) गौतम, सरपंच तीरथसिंह बिसेन, पूर्व सरपंच मानिकराम

चौधरी, किशोर लानगे, चेतन गौतम, जानसिंह देशमुख, प्रकाश देशमुख, गनिराम राहंगडाले, वासुदेव लानगे, राजेन्द्र गौतम, हेमराज तितरमारे, लखन नेवारे, समिति अध्यक्ष गजेन्द्र अंगुरे, उपाध्यक्ष कैलाश राउत, सचिव शुभम कारे, सहसचिव शैलू कुकड़े, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण बोमचेर, सदस्य कमलेश गौतम, जैराम लानगे, ओमकार मंडलवार, डूलेन्द्र बोरकर, नरेन्द्र सार्वे, मुकेश औझेकर, आशीष सार्वे, लक्ष्मण वाघाड़े, रवि गोले, दिनेश बोपचे, धनेन्द्र लानगे, हितेश चौधरी, लालचंद लानगे, गुलाब चौधरी, दशरथ सहारे, चन्द्रकुमार सहारे, सुरेन्द्र आश्वले, खिलेश्वर तितरमारे, गजेन्द्र बोरकर, रमेश चौधरी, नरेन्द्र लांजेवार, सीताराम गजबे, टेकराम जर्वेकर, संतोष लांजेवार, टुपेन्द्र देशमुख, हर्षित बघेल, लालू चौधरी, निलेश सार्वे, अमन अंगुरे, नितेश सार्वे, राजू औझेकर, प्रज्ञा जोगेकर, नीरज राहंगडाले, मोहित शेण्डे, राहुल अंगुरे, मेखराम टेंभरे, योगेन्द्र अंगुरे, पिंटू गजबे, हेमराज हट्टेवार, शैलेन्द्र तितरमारे, सुमित कारे, रामेश्वर अंगुरे, अरविंद गजबे, महेन्द्र सार्वे, गुलाब चौधरी, राहुल गौतम, लक्की बोपचे, चंदू अंगुरे, तपेश सार्वे, अभय राहंगडाले, लक्की चौधरी, राजकुमार बोमचेर, महेश चौधरी सहित अन्य ने की है।

अमोली में हुआ हवन-पूजन एवं नगर भोज

नवमीं पर जगह-जगह हुए विविध धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम, दशहरा चल समारोह कार्यक्रम एवं 51 फीट रावण के पुतले का होगा दहन आज

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा।शारदेय नवरात्र पर्व के नवमीं के अवसर पर नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में सार्वजनिक दुर्गा पंडालों, मंदिरों एवं घरों में माता-रानी के श्रध्दालुओं के द्वारा विविध धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।इस अवसर पर माता-रानी की उपासना करने वाले श्रध्दालुओं के द्वारा माँ दुर्गा के नौ रूपों के रूप में नौ कन्याओं की विशेष पूजा अर्चना की गई एवं उपहार भेंट कर उन्हे विभिन्न पकवान खिलाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इसी तरह नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के हनुमान मंदिर चौक में सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के तत्वाधान में माँ दुर्गा जी की प्रतिमा विराजित कर शक्ति की भक्ति का महापर्व शारदेय नवरात्र पर्व धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया जा रहा है। शारदेय नवरात्र पर्व के नवमीं के अवसर पर 1 अक्टूबर को शाम 5 बजे से हवन-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें पं. रंजीत शर्मा के द्वारा मुख्य यजमान सचिन यादव सहपत्नि की उपस्थिति में हवन-पूजन प्रारंभ करवाया गया। जिसके बाद श्रध्दालुजनों ने पहुंचकर बारी-बारी से हवन-कुंड में पूर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये तत्पश्चात माँ दुर्गा जी की आरती की गई जिसके बाद नगर भोज का आयोजन किया गया। वहीं नगर भोज में श्रध्दालुजनों ने पहुंचकर भंडारा रूपी महाप्रसादी ग्रहण कर माता-रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया है। साथ ही सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति अमोली के द्वारा 2 अक्टूबर को विजयादशमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर शाम 4 बजे भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता व अन्य भगवानों एवं वानर सेनाओं की जीवंत झांकियों के साथ चल समारोह निकाला जायेगा। जो ग्राम अमोली, लालबर्रा का भ्रमण करते हुए दशहरा चल समारोह शोभायात्रा दशहरा मैदान पहुंचेगी जहां 51 फीट रावण के पुतले का दहन किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील समिति के पदाधिकारियों ने की है।

खोंगाटोला में विशाल सांई भंडारा आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के अंतर्गत आने वाले ग्राम खोंगाटोला के गांधी चौक में दशहरा पर्व के अवसर पर सांई सेवा समिति खोंगाटोला के द्वारा 2 अक्टूबर को विशाल सांई भंडारा का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सांई भंडारा (महाप्रसादी) ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित एवं सांई बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील सांई सेवा समिति ग्राम खोंगाटोला (मोहगांव ध.) के पदाधिकारी मोहित दमाहे सहित अन्य ने की है।

माँ खैरमाई मंदिर से निकली भव्य शोभायात्रा

विसर्जन घाट में आस्थापूर्वक विसर्जित हुए जवारे,खप्पर आरती का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा।ग्राम पंचायत पांढरवानी अंतर्गत ग्राम रामजीटोला में स्थित माँ खैरमाई मंदिर (बड़ी माता) में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सार्वजनिक देवी मंदिर रामजीटोला के तत्वाधान में शारदेय नवरात्रा पर्व आस्थापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मंगलवार को दोपहर 3 बजे पूजन अर्चन कर मंदिर प्रांगण से भव्य शोभायात्रा ढोल-बाजे के साथ निकाली गई जो रामजीटोला मुख्य मार्ग होते हुए पांढरवानी स्थित बड़ा तालाब विसर्जन घाट पहुंची। जहां विधि-विधान से पूजन अर्चन व आरती कर जवारों का विसर्जन किया गया जिसके पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया एवं रात करीब 9 बजे खप्पर आरती एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं खप्पर आरती में उपस्थित श्रध्दालुओं ने हाथों में खप्पर आरती लेकर माता-रानी की आराधना कर धर्मलाभ अर्जित किये। जिसके बाद शारदेय नवरात्र पर्व के अवसर पर आयोजित किये गये धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को अतिथियों के हस्ते पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया। चर्चा में माँ खैरमाई सार्वजनिक देवी मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गत 22 सितंबर को विधि-विधान से पूजा अर्चना कर कलश स्थापना एवं जवारे बोकर नौ दिनों तक पूरे भक्तिभाव के साथ मंदिर में माता रानी की आराधना की गई है एवं मंगलवार को नवमीं के अवसर पर माता रानी की आराधना के अंतिम दिन लालबर्रा बड़ा तालाब स्थित विसर्जन घाट में आस्थापूर्वक जवारे का विसर्जन के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया एवं रात में खप्पर आरती का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीण श्रध्दालुओं ने शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित किये। इस अवसर पर पांढरवानी सरपंच अनीस खान सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं मंदिर समिति के पदाधिकारी व श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बेशकीमती खैर लकड़ी की सरेआम तस्करी

दो युवक गिरफ्तार, तीन फरार, किलो के भाव बेची जाती है

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। दक्षिण सामान्य वन मंडल वन परिक्षेत्र वारासिवनी अंतर्गत ग्राम नगझर बिट कक्ष क्रमांक ४८१ में खैर की अवैध कटाई कर परिवहन कर रहे दो युवक जिसमें सुदेश पिता विजय लांजेवार, निलम पिता ज्ञानीराम मड़ावी दोनो निवासी कटंगझरी को गिरफ्तार किया है। जिसमें तीन युवक मौके से फ रार हो गए मामले में वन विभाग के द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। इसमें बताया जा रहा है कि उक्त व्यक्ति किसी गिरोह से जुड़े हुए हैं जिनके द्वारा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर पाए जाने वाले खैर के वृक्ष की अवैध रूप से अंधाधुंध कटाई कर बाहर बेचने का कार्य किया जा रहा है। इस कार्यवाही में डिप्टी रेंजर अशोक भालाधरे ,डिप्टी रेंजर ताराचंद डोंगरे ,वनरक्षक दिपेन्द्र परमार, भवानी बिसेन, लोकेश टेंभरे ,रत्नदीप बोरकर ,अलोक पटले ,मोहित सोनी, दिनेश पानेकर, सुनील मरावी ,जगदीश बागड़े ,धर्मेन्द्र बघेल, साधुराम पारधी का सराहनीय योगदान रहा।

खैर की लकड़ी को मोटरसाइकिल से परिवहन करते हैं आरोपी

प्राप्त जानकारी के अनुसार वन विभाग को बीते लंबे समय से सूचना थी कि जंगल के संवेदनशील इलाकों सहित विभिन्न स्थानों से खैर प्रजाति के वृक्षों की अवैध कटाई अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा की जा रही है। जिस पर विभाग के द्वारा लगातार दबिश दी जा रही थी परंतु उक्त व्यक्ति पहले ही मौके से फरार हो जाते थे। ऐसे ही ३० सितंबर की शाम को वन विभाग को मूकबीर से सूचना मिली की जंगल में कुछ व्यक्तियों के द्वारा खैर प्रजाति के वृक्ष को काटकर उसकी लकड़ी को मोटरसाइकिल से परिवहन किया जा रहा है। जिस पर डिप्टी रेंजर अशोक भालाधरे वन अमले के साथ ग्राम नगझर बिट कक्ष क्रमांक ४८१ में पहुंच कर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जहां रात्रि में लाल और काली सहित अन्य मोटरसाइकिल के माध्यम से कुछ व्यक्तियों के द्वारा गाड़ी के पीछे लकड़ी बांधकर ले जाया जा रहा था। ऐसे में उक्त व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया परंतु मौके से पांच व्यक्तियों में तीन व्यक्ति फ रार हो गए और दो व्यक्ति जिसमें सुदेश लांजेवार और निलम मड़ावी कटंगझरी निवासी को लाल और काली मोटरसाइकिल के साथ धर दबोच कर गिरफ्तार किया गया। जिनसे पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि इसी कक्ष क्रमांक से उनके द्वारा यह वृक्ष काटा गया था। जिसकी लकड़ी वह ले जा रहे हैं वन विभाग के द्वारा मामले में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं ०.५० घन मीटर खैर की लकड़ी के साथ जप्त किया गया। वहीं उन्हें वन विभाग कार्यालय लाया गया जहां पर आवश्यक कार्यवाही करने के उपरांत वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

खैर प्रजाति का वृक्ष महंगे बिकने वाले वृक्ष है

विदित है कि खैर प्रजाति के वृक्ष जंगली क्षेत्र सहित राजस्व क्षेत्र में आसानी से देखने को मिल जाते हैं। यह वृक्ष का काफी महंगे बताए जाते हैं जिसे बाजार में किलो के माध्यम से खरीदा जाता है यह महंगे बिकने वाले वृक्ष हैं। क्योंकि इससे कत्था सहित अन्य ब्यूटी प्रोडक्ट तैयार किए जाते हैं ।ऐसे में व्यावसायिक उद्देश्य से यह लकड़ी का उपयोग किया जाता है। जिसके लिए वन विभाग के बताएं अनुसार क्षेत्र में कोई गिरोह काम कर रहा है यह जो पांच में दो व्यक्ति पकड़े हैं वह इसी गिरोह के सदस्य होना बताया जा रहा है। मामले में वन विभाग के द्वारा गंभीरता से जांच की जा रही है।

अवैध कटाई में खैर प्रजाति की लकड़ी को गैंग बनाकर काट रहे है-अशोक भालाधरे

डिप्टी रेंजर अशोक भालाधरे ने बताया कि अवैध कटाई में खैर प्रजाति की लकड़ी को बड़ी संख्या में गैंग बनाकर काट रहे हैं। उसमें जंगल के संवेदनशील इलाके जहां पर हिंसक वन्य प्राणी सहित अन्य वन्य प्राणी निवास करते हैं वहां पर जाकर यह वर्षों से कटाई कर रहे हैं। उनका परिवहन करते हुए पकड़ा गया है इसमें दो व्यक्ति और दो मोटरसाइकिल पकड़े हैं तीन व्यक्ति फरार हो गए हैं। संभवत यह मोटरसाइकिल के माध्यम से लकड़ियां डंप करते हैं और फिर उसे बड़े वाहन से ले जाते हैं इनके द्वारा केवल खैर की लकड़ी की कटाई की जा रही है। यह एक लंबी चैन है जिसमें १५ से अधिक लोग है अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस लकड़ी की डिमांड है और किलो से बिकती है। यह लोग इसे जरामोहगांव या आसपास में कहीं बेचते हैं। अभी कोई जानकारी इन्होंने दी नहीं है विभिन्न धाराओं में यह मामला दर्ज कर लिया गया है गंभीरता से जांच की जा रही है।

रामपायली में शारदेय नवरात्रि की धूम

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली में मां जगजननी नव शक्ति के शारदेय नवरात्र पर नगर सहित क्षेत्र में धूमधाम से मनाया जा रहा है। जिसमें रात्रिकालीन मनोरंजन के कार्यक्रम के साथ भक्तगण बड़ी संख्या में मंदिरों में प्रात: काल से पहुंच कर पूजन अर्चन किया जा रहा है। प्रतिदिन संध्या काल को महाआरती के आयोजन के साथ भंडारे का आयोजन भी आयोजकों द्वारा किया जा रहा है। नगर सहित ग्राम के अनेक स्थानों में मां जगत जननी की भव्य प्रतिमाएं विराजित विद्युत साज सज्जा के साथ मनोहारी मां जगजननी के दर्शन प्रतिदिन भक्तों द्वारा किया जा रहा है । इस वर्ष श्री राम मंदिर में मां के कलश स्थापना एवं मां का पूजन पाठ निरंतर किया जा रहा है । शीतला मंदिर में माता ग्राम देवी शीतला माता के घट स्थापना की गई है,इसके अलावा नगर के श्रीराम मंदिर प्रांगण में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा माता की स्थापना की गई है और हाई स्कूल चौक में भी सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा माता की स्थापना कर सुबह.शाम पूजन पाठ महा आरती के आयोजन के साथ महाप्रसाद का भी आयोजन किया जा रहा है । अंतिम दिन हर्षोल्लास के साथ माता जगत जननी का विसर्जन चंदन नदी में किया जाएगा।

अहंकारी रावण के पुतले का आज होगा दहन

चल समारोह में डिजिटल आतिशबाजी झाकियां रहेगी आकर्षक का केंद्र-विवेक पटेल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। असत्य पर सत्य का पर्व विजयदशमी पर्व वारासिवनी नगर में धूमधाम से मनाया जाता है। वारासिवनी नगर के रानी अवंतिबाई स्टेडियम में लगभग ६० फिट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। वारासिवनी में पानीपत सोनीपत की तर्ज पर वारासिवनी नगर में दशहरा चल समारोह निकाला जाता है। जिसमें मुकुटधारी महाराज शिवम बुधरानी अपने वानर सेना के साथ नगर भृमण कर दशहरा मैदान पहुंचेंगे। जहाँ प्रभु श्रीराम के अग्निबाण से अहंकारी रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। इस दौरान आतिशबाजी आकर्षण का केंद्र रहेगी । दशहरा पर्व की तैयारीयों को लेकर विधायक विवेक पटेल दशहरा मैदान पहुँचे और निरिक्षण किया। इस दौरान अजय देवनाथ बिसेन, छगन हनवत, सुदेश गुड्डु सोनी, तम्बू खंडेलवार, विजय बिसेन,अनीश बैग मौजूद रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा की वारासिवनी दशहरा पर्व की छटा ही निराली है जिसे देखने के लिए बालाघाट जिले सहित महाराष्ट्र,छत्तीसगढ से लोग पहुंचते है। दशहरा मैदान में किसी भी प्रकार से परेशानी ना हो समिति के द्वारा पूरी व्यवस्था कर ली गई है। दशहरा चल समारोह नगर के श्रीराम मंदिर से प्रारंभ होंगी जो गोलीबारी चौक, आबेडकर चौक, नहेरु चौक,जय स्तंभ चौक, बस स्टैंड होते हुए दशहरा मैदान पहुंचेगी जहाँ अहंकारी रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। वहीं चल समारोह के दौरान जगह जगह भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा । पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष चल समारोह के दौरान और दशहरा मैदान में डिजिटल आतिशबाजी किया जाएगा। वहीं दशहरा मैदान में महिलाओ के बैठने के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

गायत्री शक्तिपीठ में मनोकामना ज्योति कलश जवारों का हुआ विसर्जन

पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ कर विभिन्न संस्कार नि:शुल्क किये गये

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के लालबर्रा रोड़ स्थित गायत्री शक्तिपीठ में शारदेय नवरात्र पर्व के अंतिम दिन नवमी तिथि १ अक्टूबर को मनोकामना ज्योति कलश एवं जवारों का विसर्जन कर पर्व का समापन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर का गायत्री शक्तिपीठ क्षेत्र व जिले में ख्याति प्राप्त मंदिर है जहां पर चैत्र एवं शारदेय नवरात्र पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी २२ सितंबर को १४४ ज्योति कलश प्रज्वलित कर पर्व का प्रारंभ किया गया था। जिसके बाद से प्रतिदिन सुबह शाम आरती और जाप किया जा रहा था। इस १४४ ज्योति कलश में ९८ तेल के और ४६ घी के ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए थे। जिसमें नगर और क्षेत्र सहित बालाघाट व अन्य जिलों के लोगों के द्वारा मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित कराए गए थे। जहां पर नवरात्रि के ९ दिन मां भगवती के नौ रूपों की आराधना की गई और अंतिम दिन १ अक्टूबर नवमी तिथि के अवसर पर सुबह पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ कर विभिन्न संस्कार नि:शुल्क रूप से किये गये। यह यज्ञ करीब ३ घंटे चला इस दौरान तीन चरण किए गए जिसमें बारी बारी से लोगों ने भाग लिया। तत्पश्चात गायत्री परिवार के विभिन्न नियमों का आवाहन कर पालन करने अपील की गई । वहीं उपस्थित लोगों के द्वारा वेद माता गायत्री का आशीर्वाद ग्रहण किया गया। इसके बाद गायत्री मंदिर से मनोकामना ज्योति कलश कमरे में पूजा अर्चना कर भोग लगाकर मनोकामना ज्योति कलश सहित जड़ों को उपस्थित महिलाओं के द्वारा निकाल कर गायत्री मंदिर प्रांगण सावित्री मंडपम में लाकर रखा गया। जहां पर विधि विधान से पूजा अर्चना करने के उपरांत बड़े गंज में भरे पानी में विसर्जन किया गया। तत्पश्चात महा प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर गायत्री परिवार सहित गायत्री शक्तिपीठ से जुड़े लोग बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेकर मां गायत्री का आशीर्वाद ग्रहण किया। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि गायत्री शक्तिपीठ में जवारे विसर्जन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सुबह पांच कुंडीय गायत्री यज्ञ कर नि:शुल्क विभिन्न संस्कार कर जवारों का विसर्जन किया गया है। माता रानी से नगर सहित क्षेत्र में सुख शांति समृद्धि बनाए रखने सभी भक्तों का मंगल करने की कामना की गई है।

दुर्गा पंडालों में हवन पूजन के साथ हुआ जवारों का हुआ विसर्जन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर सहित क्षेत्र में नवरात्र पर्व पूर्ण धार्मिक आस्था के साथ मनाया जा रहा है। नगर के सार्वजनिक दुर्गा पण्डाल नव दुर्गात्सव समिति सिविल क्लब, गांधी चौक जनजाग्रति दुर्गोत्सव समिति, गुरुनानक दुर्गा उत्सव, अनाज गंज, भाजी मण्डी नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति, हैदराबाद महोल्ला महिला मंडल दुर्गा उत्सव, माँ वैष्णोदेवी नवरात्र दुर्गा उत्सव बस एजेंट समिति सहित अन्य पंडालों में १ अक्टूबर को हवन पूजन संपन्न हुआ। तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया जिसमें नगर सहित क्षेत्र के भक्तजनों ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई साथ ही महाप्रसादी ग्रहण कर माता.रानी का आर्शिवाद प्राप्त किया। इस दौरान समितियों में धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बड़ी संख्या में हुआ। नगर में करीब आधा दर्जन से अधिक सार्वजनिक पण्डालों में मॉ जगदंबे की प्रतिमा विराजित कर नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया और नगर पूरा भक्ति्तमय गीतों व साज सज्जा ने भक्तजनों को अपनी ओर आकर्षित करते हुए नजर आई।

नगर सहित क्षेत्र में हुये जवारो के विसर्जन

नगर सहित क्षेत्र में सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति सहित लोगों के द्वारा घरों में प्रज्वलित की गई मनोकामना ज्योति कलश का विसर्जन १ अक्टूबर को किया गया। जिसमें विधि विधान से मां भगवती की पूजा अर्चना करने के उपरांत हवन पूजन किया गया। इसके बाद जवारे की बाड़ी लूटकर ज्योति कलश की शोभायात्रा निकाली गई। जो नदी ,तालाब और नहर पर पहुंची जहां पर माता की पूजा अर्चना करने के उपरांत आरती कर विसर्जन किया गया।

सिविल क्लब में हवन पूजन का हुआ आयोजन

नगर के सिविल क्लब मैदान में नवदुर्गा उत्सव समिति के द्वारा १ अक्टूबर को हवन पूजन का आयोजन किया गया। जहां पर मां भगवती की विशाल प्रतिमा भव्य पंडाल में २२ सितंबर को विराजित कर ९ दिनों से माता के नौ स्वरूपों की आराधना की जा रही थी। जहां पर नवमी के अवसर पर विधि विधान से मां भगवती की पूजा अर्चना करने के उपरांत हवन पूजन किया गया। जहां पर २ अक्टूबर को विशाल भंडारे एवं ८ अक्टूबर को बॉलीवुड नाइट के साथ लकी ड्रा का आयोजन किया गया है। जिसमें आधिकाधिक संख्या में लोगो से उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील समिति अध्यक्ष संजय सिंह कछवाहा ने की है।

दुर्गा मंदिर में महाप्रसादी का हुआ आयोजन

नगर के सब्जी बाजार स्थित दुर्गा माता मंदिर में नवरात्र पर्व हर्ष उल्लास के साथ आयोजित किया गया । जहां नवमी पर विधि विधान से पूजा अर्चना कर हवन आयोजित किया गया। तत्पश्चात पूजन एवं महाआरती करने के उपरांत महाप्रसादी का आयोजन किया गया। विदित हो की यह मंदिर की स्थापना बहुत वर्षों पहले हुई थी और काफी पुराना मंदिर है जहां लोगों की काफी आस्था है। जहां आयोजित हवन पूजन में बड़ी संख्या में लोगों ने शामिल होकर धर्म लाभ अर्जित किया। वहीं महाप्रसादी भी लोगों के द्वारा ग्रहण किया गया। तत्पश्चात मनोकामना ज्योति कलश का विसर्जन किया गया।

मॉ सिंहवाहिनी दुर्गा मंदिर में जवारो का हुआ विसर्जन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नं. १ अमृत नगर में स्थित मॉ सिंहवाहिनी दुर्गा मंदिर में शारदेय नवरात्र हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां पर नवमीं को हवन.पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पं.के द्वारा दोपहर में हवन.पूजन संपन्न करवाय गया। तत्पश्चात कन्याओं की पूजा अर्चना कर कन्या भोज संपन्न हुआ। जिसके बाद मनोकामना ज्योति कलश की शोभायात्रा निकालकर नहर में कलश व ज्वारे का विसर्जन के बाद भण्डारा का आयोजन किया गया। भक्तजनों ने भण्डारा रूपी महाप्रसादी ग्रहण कर मातारानी का आर्शिवाद प्राप्त किये। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि समिति के द्वारा चैत्र व शारदेय नवरात्र पर्व धूमधाम से मनाया जाता है और इस वर्ष भी शारदेय नवरात्र पर्व मनाया गया। जिसमें २२ सितंबर को ७७ मनोकामना ज्योति कलश जिसमें ७४ तेल के तीन घी के प्रज्वलित कर नवरात्र पर प्रारंभ किया गया था। जहां अलग.अलग माता के नौ रूपों की पूजा अर्चना करने के बाद नवमी पर हवन.पूजन एवं जवारे का विसर्जन कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। जहां शारदेय व चैत्र नवरात्र पर्व पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किये जाते है। १ अक्टूबर को आयोजित भंडारे का आयोजन समिति के द्वारा किया गया। रामपायली रोड़ स्थित इस माता के दरबार में करीब ३ हजार श्रृध्दालुओं ने भंडारे रूपी प्रसाद का लाभ लिया।

धान पंजीयन कराने बैंक व समिति कर्मचारियों को दिए गए निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में 29 सितम्बर को बैंक मुख्यालय के माध्यम से वीसी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैंक सीईओ पी. जोशी ने बैंक से संबंधित विभिन्न विषयों की समीक्षा करते हुए बताया कि जिले की तहसील बालाघाट, तिरोड़ी, लांजी, बैहर, बिरसा, परसवाड़ा, किरनापुर, लालबर्रा, कटंगी, खैरलांजी और वारासिवनी में 112 धान पंजीयन केन्द्र का निर्धारण किया गया है। इन धान पंजीयन केन्द्रो में क्षेत्र के किसान प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में पहुंचकर धान का पंजीयन करवा रहे है। साथ ही क्षेत्र के सभी किसानों से अपील की गई है कि अधिक से अधिक किसान धान का पंजीयन समय पर कर लेवे ताकि भविष्य की परेशानियों से बचा जा सके। श्री जोशी ने बताया कि जिले में लगभग 1.30 लाख ऐसे किसान है जो जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा से जुड़े है वे 10 अक्टूबर तक अपना पंजीयन करवा लें। वर्तमान में 25448 किसानों ने धान का पंजीयन करवा लिया है। साथ ही शाखा प्रबंधको को निर्देशित किया गया है कि किसानों के खातो को अपडेट करे तथा नवीन खाते खोले जावे। श्री जोशी ने इसके अलावा वीसी के माध्यम से पैक्स कम्प्यूटराईजेशन के अंतर्गत ईआरपी, खरीफ ऋण वितरण, ऋण प्रविष्ठि, मध्यमकालीन ऋण, माईक्रो एटीएम और रूपे कार्ड वितरण, अमानत संग्रहण, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना आदि विषयों की समीक्षा करते हुए बैंक शाखा और समिति कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

विशेष- आज गांधी जयंती

92 साल पहले बालाघाट की धरा पर पड़े थे महात्मा गांधी के पाँव

बालाघाट जिले में महात्मा गांधी का हरिजन दौरा और नव पुनर्जागरण का युग

भारतीय समाज में विद्यमान अस्पृश्यता की समस्या समाप्त करने के लिए गांधी जी आरम्भ से ही कटिबद्ध थे। इस हेतु 1932 में उन्होंने आल इंडिया हरिजन सेवक संघ की स्थापना की और इसके द्वारा भारतीय समाज में अस्पृश्यता के विरुद्ध उनका संघर्ष सैद्धांतिक न होकर व्यावहारिक बन गया। गांधी जी को अपने बचपन से ही अस्पृश्यता की भावना से विरक्ति थी। उनका दृढ़ विश्वास था कि अस्पृश्यता हिन्दू धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध था और इसके रहते हुये न तो सामाजिक समानता की स्थापना की जा सकती थी और न ही देश स्वतंत्र हो सकता था। अस्पृश्यता को जड़से मिटाने का काम गांधी जी के जीवन का सबसे बड़ा काम था,, देश को आजाद कराने से भी बड़ा।

गांधी जी का विश्वास था कि यदि अस्पृश्यता को सचमुच जड़-मूल से निकाल दिया जाये तो इससे हिन्दू धर्म का भीषण कलंक ही नहीं मिट जायेगा वरन् इसका असर विश्वव्यापी होगा। अस्पृश्यता के विरुद्ध उनका संघर्ष मानवता में जो कुछ अपवित्र था, उनके विरुद्ध था। उनके अनुसार मैं वर्णाक्षम धर्म को नष्ट करने में नहीं तुला हूं, अल्कि उस धर्म के अतिरेक को अर्थात आजकल प्रचलित अस्पृश्यता को नष्ट करना चाहता हूं ताकि अपनी पूर्ण शुद्धता के साथ वर्णाश्रम धर्म को पुनर्जीवित किया जा सके।

गांधी जी अस्पृश्यों को हरिजन नाम से पुकारते थे जिसका अर्थ था वह व्यक्ति जो ईश्वर का प्रिय अथवा निर्मित हो। विश्व का प्रत्येक धर्म कहता है कि ईश्वर अनाथों का मित्र बेसहारों का सहारा व निर्बलों का रक्षक है। सारी दुनिया को छोड़ भी दें तो भारत में उन चार करोड़ या इससे ज्यादा हिन्दूों से ज्यादा मित्रहीन, लाचार व निर्बल कौन हो सकता है जिन्हें अस्पृश्य कहा जाता है। इसलिए गांधी जी ने इन्हें हरिजन का नाम दिया। उनका विचार था कि अस्पृश्यता एक ऐसा सर्प है जो अपने हजारों मुंह व विषैले दांतों से समाज को आघात पहुंचा रहे हैं।

गांधी जी जब यरवदा जेल में थे तब ब्रिटिश प्रधानमंत्री उम्सेमेक डोनल्ड ने देश के लिए एक ऐसी निर्वाचन प्रणाली सुझायी जिसमें हरिजनों के लिए पृथक मतदान की व्यवस्था की गयी थी। गांधी जी इसके पहले लंदन की गोलमेज परिषद में घोषणा करचुके थे कि यदि हरिजनों और सवर्ण हिंदूओं के बीच खाई पैदा करने की कोशिश हुई तो वे अपने प्राणों की बाजीलगाकर भी उसका विरोध करेंगे। इस प्रकार कम्युनल अवार्ड नामक इस योजना के विरुद्ध 20 सितम्बर 1932 को उन्होंने आमरण अनशन करने का फैसला किया।

सविनय अवज्ञा आंदोलन को अंतिम चरण में गांधी जी देश का ध्यान इस महत्वपूर्ण समस्या की ओर मोड़ना चाहते थे। इसी समय उन्होंने साबरमती आश्रम का हरिजन सेवा के उद्देश्य से परित्याग कर दिया। 1 अगस्त 1933 को पुन: बंदी बनाया जाने के बाद गांधी जी पर जब एक बार फिर से प्रतिबंध लगाये गये तब उन्होंने वाइसराय को लिखा अप्रतिबंधित हरिजन सेवा की सुविधाओं के अभाव में मुझे अपना जीवन निरर्थक लगता है। और उन्होंने फिर से 16 अगस्त के आमरण अनशन की घोषण कर दी। इसके पहले ही वे आत्म शुद्धि के उद्देश्य से 21 दिन का उपवास कर चुके थे । इस उपवास से गांधी जी के प्राण ही संकट में पड़ गये। तब सरकार ने उन्हें मुक्त कर दिया और इस प्रकार हरिजन सेवा के लिये लगे हुए प्रतिबंध अपने आप ही समाप्त हो गये।

समय से पूर्व मुक्त हो जाने के कारण गांधी जी को बड़ी दुविधा हुई। औचित्स के कारण 2 अगस्त 1934 से पहले जब उनकी कारावास की अवधि समाप्त हो रही थी, उन्होंने राजनैतिक कार्य शुरू करना उचित नहीं समझा और निश्चय किया कि यह समय केवल हरिजनों के उद्धार में लगाया जाये। उन्होंने देश व्यापी दौरे का कार्यक्रम बनाया जो नवम्बर 1933 में शुरु हुआ और मध्यप्रांत, बिहार, बंगाल, असम, उड़ीसा, महाराष्ट्र, सिंध, पंजाब और उत्तरप्रदेश का दौरा करके 1934 में वापस आये।

महाकोशल का ऐतिहासिक हरिजन दौरा

अस्पृश्यता की समस्या को दूर करने के उद्देश्य से 7 नवम्बर 1933 को वर्धा से, जहां साबरमती आश्रम छोड़ने के बाद उन्होंने सेवाग्राम की स्थापना की थी, उनका ऐतिहासिक हरिजन दौरा आरम्भ हुआ। यह दौरा महाकोशल के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इसके अंतर्गत वे क्षेत्र के सुदूर छोटे-छोटे गांवों में गये और जनता तक हरिजनोद्धार का संदेश प्रसारित किया। 9 जुलाई 1934 तक नौ माह तक वह देश का दौरा करते रहे। उन्होंने 20000 कि.मी. की यात्रा तय की। इस दौरे की दो विशेष बातें रहीं, एक तो यह कि इस दौरे में गांधी जी हरिजनों के लिये जो कोष एकत्रित कर रहे थे, उसमें सारे देश के समान राज्य की जनता ने भी मुक्त हस्त से दान दिया। महिलाओं ने अपने आभूषण उतार कर उनके हाथ में रख दिये, निर्धनों के पास जो कुछ था वही उन्होंने गांधी जी को दे दिया और इन चीजों को नीलाम कराकर धन एकत्रित किया।

दूसरी बात यह थी कि छुआछूत के विरुद्ध गांधी जी ने जो आंदोलन छेड़ा था, उनका कुछ सनातनी लोग विरोध कर रहे थे और उन्होंने कुछ लोगों को गांधी जी के पीछे लगा रखा था। गांधी जी ने उन्हें हर तरह से समझाने की कोशिश की किन्तु शीघ्र ही स्पष्ट हो गया कि जनमत उसके साथ नहीं है। आखिर कुछ स्थानों के बाद से लोग स्वयं ही निराश होकर लौट गये।

मध्य प्रांत में गांधी जी के इस दौरे की व्यवस्था का सूत्र मुख्यत: रविशंकर शुक्ल और व्यौहार राजेन्द्र सिंह के हाथ में था। महाकोशल क्षेत्र में हरिजन सेवक संघ की स्थापना जबलपुर में की गई। अखिल भारतीय हरिजन सेवा संघ के मंत्री अमृतलाल ठक्कर ने व्यौहार राजेन्द्र सिंह को प्रांत में संगठन करने का कार्य सौंपा। नरसिंह दास अग्रवाल ने मंत्री का कार्य स्वीकार किया। कार्य प्रारम्भ किये हुये लगभग एक वर्ष हो गया था। इसी बीच किये गये कार्यों का सिंहावलोकन करने के लिए गांधी जी ने 24 सितम्बर 1933 की तिथि निश्चित की। इसके अनुसार हरिजनों ने आत्म शुद्धि करना तथा सवर्ण हिन्दूओं ने हरिजन सेवा के द्वारा अपने पूर्व पापों का प्रायश्चित करने का वचन दिया था। इनके लिये निम्मलिखित कार्यक्रम थे-

1. अब तक के कार्य की रिपोर्ट उक्त तिथिके पूर्व ही भेजने की व्यवस्था करें। जिसमें निम्मलिखित बातों का उल्लेख रहे -

अ. सेवा संघ सदस्यों की संख्या.

ब. वसूल किये हुये चंदे तथा उसका हिसाब.

स. कितने मंदिर या कुंए हरिजनों के लिये खोले गये ?

द कितने विद्यार्थियों की शिक्षा का प्रबंध किया गया, कितनी रात्रि शालायें खोली गईं?

य. कितनी विशेष सभायें, भजन कीर्तिन, उत्सव आदि किये गये ?

2 . सफाई, दवा-दारु, स्वास्थ्य सुधार तथा मदिरा निषेध आदि के लिये क्या किया गया ?

ल. स्थानीय संस्थाओं से क्या सहयोग मिला ?

व. कार्य की कठिनाइयां क्या हैं?

ब. आगे का कार्यक्रम क्या है?

2. इसके अतिरिक्त गांधी जी की यह आशा थी कि सब स्थानों पर सभाएं आदि करके लोगों को इस कार्य करने के लिए प्रेरित किया जाये। साथ ही दान संग्रह करने का विशेष प्रबंध किया जाये। हरिजनों को देवदर्शन कराने का विशेष आयोजन किया जाये।

महाकोशल क्षेत्र में पहली बार महात्मा गांधी 28 नवम्बर 1933 को बालाघाट पहुंचे। अन्म स्थानों के समान ही उनके स्वागत के लिए बालाघाट शहर तथा उनके आसपास गांवों में काफी भीड़ एकत्रित हुई। गांधी जी सबसे पहले हरिजन मोहल्ले में गये। तत्पश्चात उन्होंने महिलाओं के समूह को संबोधित किया। दोपहर को लगभग एक बजे इस सभा में धन संग्रह हुआ। जहां महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक यथाशक्ति गांधी जी की झोली को भरा। जिले में उनकी यात्रा की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि गांधी जी समयाभाव के कारण बालाघाट से सीधे सिवनी जाना चाहते थे। तब लांजी के लक्ष्मण पटेल ने उन्हें लांजी आने का अनुरोध किया किन्तु गांधी जी ने जाने के लिए मनाही कर दी। इस पर लक्ष्मण पटेल ने भूख हड़ताल कर दी और गांधी जी को लांजी एवं किरनापुर जाना पड़ा और उनका भव्य स्वागत किया गया और लक्ष्मण पटेल ने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी।

महात्मा गांधी के बालाघाट आगमन की पृष्ठभूमि

पहली बार गांधीजी 28 मार्च 1918 को मध्य प्रांत के इंदौर आए थे और यह मध्य प्रांत की उनकी पहली यात्रा थी। इंदौर आने से पूर्व चंपारण, खेड़ा और अहमदाबाद में गांधीजी के आंदोलनों को बेहद लोकप्रियता मिली थी। मध्य प्रांत यात्रा के बाद ही भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी युग का सूत्रपात हुआ जो 1919 के बाद का काल माना जाता है। गांधी जब इंदौर आए तब दक्षिण अफ्रीका में उनका कार्य पूर्ण हो चुका था। वे 21 वर्षों तक अफ्रीका में रहकर लौटे थे। मध्य प्रांत यात्रा के साथ और उसके बाद ही उनके मन में यह बात जम चुकी थी कि अब भारत में रहकर ही भारत की आजादी के लिए संघर्ष करना है। दूसरा मध्य प्रांत यात्रा तक वे पूरे देश में महात्मा के रूप में स्वीकार किए जा चुके थे। उनकी असाधारण और विलक्षण अहिंसक शक्ति के बारे में पूरा देश आश्वस्त हो चुका था। तीसरी बात यह कि बापू के मध्य प्रांत आने से पूर्व ही प्रथम विश्वयुद्ध समाप्त हो चुका था और इसलिए लोग हिंसा मुक्त समाज चाहते थे। ये तीन संदर्भ मध्य प्रांत यात्रा से जुड़े हैं। महात्मा गांधी इंदौर में हिंदी साहित्य सम्मेलन के सभापति के रूप में पधारे थे। इंदौर में उनकी तीन दिवसीय यात्रा थी। महात्मा गांधी ने हिंदी साहित्य सम्मेलन में जिन मुद्दों को उठाया था वे हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने व दक्षिण में, विशेष रूप से तमिलभाषियों में हिंदी के प्रचार-प्रसार से संबंधित थे। जब गांधीजी 28 मार्च को इंदौर पहुंचे थे तो जनता पलक-पावड़े बिछाकर उनकी प्रतीक्षा कर रही थी। हजारों की संख्या में स्वयंसेवक व दर्शनार्थी गांधीजी की प्रतीक्षा में थे।

गांधीजी हमेशा रेल के तीसरे दर्जे के डिब्बे में यात्रा करते थे। उनका यह मानना था कि यदि भारत को पहचानना हो तो तृतीय श्रेणी में ही यात्रा करना चाहिए। जब गांधीजी स्टेशन पर उतरे तो लोग उनकी सादगी को देखकर हतप्रभ रह गए। हमेशा मध्य प्रांत आगमन की एक और खूबी यह थी कि लोगों ने गांधीजी के मना करने के बावजूद उनकी बग्री के घोड़ों को अलग कर दिया और खुद उनकी बग्री खींची।

महात्मा गांधी का बालाघाट जिले का दौरा

28 नवम्बर 1933 बालाघाट जिले के लिये एक ऐतिहासिक दिन है। महात्मा गांधीजी भारत के दौरे पर निकले थे और विदर्भ के भण्डारा जिला पार कर गोंदिया होते हुये बालाघाट आने वाले थे। लांजी के कट्टर कांग्रेसी लक्ष्मण पटेल की हार्दिक इच्छा थी कि गांधीजी लांजी होते हुये बालाघाट जायें। वे आमरण अनशन पर बैठ गये और उन्होंने व्रत ले लिया कि उनका उपवास महात्मा गांधीजी के हाथो ही टूटेगा । इस खबर से गांधी जी विचलित हो गये और अपना निर्धारित मार्ग बदलकर रेल ह्यद्द्डगोंदिया-आमगांव से कार द्वारा लांजी होते हुये बालाघाट पहुंचे। लांजी में उन्होंने लक्ष्मण पटेल का उपवास तुड़वाया ।

इस तरह उनका आगमन 28 नवंबर सन 1933 में हुआ था। उस समय गांधी दिल्ली से गोंदिया होते हुए कोलकाता जा रहे थे। उनकी यात्रा हरिजन उद्धार आंदोलन के उद्देश्य थी। काफी व्यस्त कार्यक्रम था। गांधी जी को क्षण भर की भी फुर्सत नहीं थी। लांजी क्षेत्र की जनता महात्मा गांधी की एक झलक पाने को लालायित थी । ग्राम कुमारी कला में एक कृषक परिवार में श्री नंदराम कालबेले के घर जन्मे श्री लक्ष्मण कालबेले ने महात्मा गांधी जी से लांजी पधारने का अनुरोध किया था। गांधी जी ने समय की गंभीरता का हवाला देकर उन्हें सप्रेम विदा किया किंतु श्री लक्ष्मण पटेल कालबेले पक्के हठधर्मिता मे थे। वे लांजी आकर अनशन पर बैठ गए। 21 दिनों तक निर्जला उपवास रखा जब यह सूचना गांधी जी को मिली उन्होंने अपना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम बदला। सुबह लांजी आए एवं अपने हाथों से उन्हें दूध पिला कर उन्होंने श्री लक्ष्मण पटेल कालबेले की प्रबल इच्छा को साकार किया। श्री लक्ष्मण पटेल जी कालबेले बचपन से ही महात्मा गांधी के अनुयायी थे। वे परम देश भक्त थे। उन्होंने हरिजनों को सदैव गले लगाया। वे उनके साथ उठते बैठते खाते पीते थे । उनके लिए ग्राम में पानी की व्यवस्था सवर्णों के कुओं से की थी। वह सवर्णों के कुएं से अपने हाथ से पानी हरिजनों को भरवाते थे। अंग्रेजों के खिलाफ आवाज़ बुलंद करने तथा ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ जनजागरण करने के कारण वे अनेक बार जेल गए। उन्होंने अपना तन मन धन सब कुछ देश को समर्पित कर दिया था। आजादी के पश्चात किरनापुर क्षेत्र के ग्राम आली टोला का जंगल उन्होंने सरकार को दान स्वरूप दिया। निष्काम भाव के सहृदय देश भक्त थे।

महात्मा गांधी जी ने अनेक कष्ट सहन करते हुए लांजी सरीखे छोटे से वन ग्राम में आमगांव स्टेशन से यशोधरा बजाज परिवार के कार से लांजी आकर यहां की जनता को कृतार्थ किया था। गांधीजी के लांजी आने पर जो कार्य जनहित में खासकर हरिजनों के लिए हुए उनमें से एक लांजी ग्राम में 3 कुआं और कुम्हारी में एक खाजगी कुआं हरिजनों के लिए खोले गए। दूसरा लांजी ग्राम में तीन मंदिर और कोटेश्वर धाम का एक प्रसिद्ध मंदिर हरिजनों के लिए खोले गए थे तब से आज तक वहां पर हजारों भक्तों का तांता लगा रहता है.. जहां पर लांजी में गांधी जी की सभा हुई थी उसी स्थान पर मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग, स्वराज संस्थान संचालनालय भोपाल एवं जिला प्रशासन की तरफ से एक बोर्ड लगाया गया है जो वह भी बहुत जगह से क्षतिग्रस्त हो चुका है.. उनकी स्मृति भी गायब होती दिख रही है।

लांजी से बालाघाट मार्ग पर 61 किलोमीटर के रास्ते में मोहझरी गाँव, भानेगांव गाँव, हिरीं गाँव, किरनापुर गाँव, रजेगांव गाँव, खारा गाँव, मोहगांव गाँव,, सालेटेका गाँव, खुरसोडी गाँव तथा सरेखा गाँव में हजारों की भीड़ ने उनका स्वागत किया। रास्ते भर स्वागत द्वार बनाये गये थे। बालाघाट के प्रवेश द्वार पर हजारों महिला-पुरुषों ने जयजयनाद कर गांधीजी की अगवानी की। शहर भर में उनके मार्ग पर तोरण पताकाएँ, देशी बर्त्तनों के द्वार, तिरंगे झण्डों की तोरणें बनाई गयी थी ।

बापू नारायणराव केलकर के निवास स्थान में ठहरे थे

बालाघाट के इतवारी बाजार में धान के भरे बोरों का ऊँचा मंच सभामन्च के लिये बनाया गया जहां से गांधीजी ने आम जनता को सम्बोधित किया। वे हनुमान चौक के पास श्री नारायणराव केलकर के निवास स्थान में ठहरे थे और महिलाओं को सम्बोधित कर देश के लिये दान करने की अपील भी की थी। सैकड़ों महिलाओं ने अपने जेवर उतारकर दिये। महिलाओं ने संगठित हो शहर में घूमकर राष्ट्रीय गीत गाया। गांधीजी ने जनता को स्वतंत्रता संग्राम के लिये आव्हान की अपील की। बालाघाट के (मेहतर मोहल्ला) हरिजन कालोनी में जाकर उनसे भेंट की और सवर्ण हिन्दुओं को हरिजनों को अछूत न मानने की अपील की। सारा मोहल्ला एक मेले की तरह हरिजनों ने सजाया और महिलाये बच्चे और प्रौढ़ सब गांधीजी को घेरे थे. मानों कोई अवतार उनके सामने हो। नारायणराव केलकर, चिन्तामण राव केलकर, रामचंद इन्द्रापवार, काशीराम मोहरीकर, तुलसीराम, बद्रीनारायण, रायदुर्गाप्रसाद आदि तात्कालीन कांग्रेसी नेता उनके आगमन के समय थे। उनके प्रबन्धन में बतौर युवा स्वयं सेवक के रूप मे फणीन्द्रनाथ गोस्वामी, मोतीलाल जैन, सुप्रसन्न केलकर, बसंतराव केलकर, राधाकिशन अग्रवाल थे जो खादी की पेन्ट् कमीज पहने अपने सैकड़ों युवा साथियों के साथ व्यवस्था में संलग्म थे। मिस्ट्र एस.सी. कोमरी (आईसीएस) उस समय बालाघाट जिले के डिप्टीकमिश्नर थे।

इस यात्रा के दौरान महात्मा गांधीजी के दर्शन के लिये कनकी से ही सैकड़ों महिलायें और पुरुष आये थे। शहर में 50 हजार से अधिक लोग इकट्ठे हुये थे। गांधी जी वारासिवनी, लालबर्रा होते हुये सिवनी गये। रास्ते भर उनकी मोटर कार हजारों की भीड़ में से गुजरती गयी और सारे रास्ते तिरगे झण्ड़े,तोरण पताकाओं से सजे थे। तब महात्मा गांधी की जय -जयनाद से सारा जिला गूंज उठा था। उसी दिन लगभग 8 बजे रात्रि गांधी जी सिवनी पहुंचे। उनके स्वागत के लिये सिवनी में दीपोत्सव मनाया गया। कई मीलदूर से आकर हजारों नागरिकों ने गांधी जी की आगवानी की। अपार जनसमूह ने उनका स्वागत व दर्शन किया। तत्पश्चात रात्रि विश्राम हेतु दुर्गाशंकर मेहता के निवास स्थान पर गये। दूसरे दिन प्रात: काल सिवनी की ऐतिहासिक सार्वजनिक सभा में इस प्रकार विचार प्रगट किया। आज हिन्दू और हिन्दू धर्म दोनों ही कसौटी पर है। यदि वे सच्चे न उतरे तो दोनों ही नष्ट हो जायेंगे। यह मैं बहुत ही नम्रतापूर्वक कहता हूं कि संसार में किसी जगह धर्म के नाम पर और जन्म से ही अस्पृश्यता नहीं मानी जाती बुद्धि या हृदय कोई भी इसका समर्थन नहीं कर सकते। शास्त्रों में इसका समर्थन नहीं मिलता। विद्वान पंडितों ने इस बात की ताईद की है। मैं जबरदस्ती हरिजनो को मंदिर में प्रवेश नहीं कराना चाहता। मैं तो चाहता हूं कि वे स्वच्छता को अपनायें तथा मांस, मदिरा का त्यागकर के स्वयं ही मंदिर प्रवेशके लिए जनता का समर्थन प्राप्त करें। धर्म में कोई बरजोरी का कोई काम नहीं। मैं तो करोड़ों के हृदय में परिवर्तन करना चाहता हूं। हरिजन सेवक संघ का विशेष कार्य है। पर वह उतना ही सफल होगा जितना कार्यकर्ताओं में पवित्रता होगी। धर्म जागृति केवल तपस्मा और पवित्रता से ही उत्पन्न हो सकती है। यदि हम अपने हृदय को पवित्र न करेंगे तो जनता के हृदय को कैसे बदल सकते हैं। गांधी जी की प्रेरणा से सिवनी में हरिजनों को मंदिर प्रवेश करवाया गया। इस कार्य में जी. डी. जटार, सुन्दरलाल मिश्रा, द्वारिका सिंह, कुंजबिहारी लाल खरे, कामतानाथ भार्गव एवं नारायण प्रसाद मिश्र ने विशेष सहयोग दिया। महिलाओं की सभा आदि की व्यवस्था राधाबाई जटार ने कुछ महिलाओं के सहयोग से महावीर व्यायाम शाला में की। उनमें नगर की बहुत बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया व गांधी जी को हरिजन उद्धार हेतु काफी मात्रा में धन दिया, यहां तक कुछ महिलाओं ने तो अपने शरीर से गहने तक उतार कर गांधी जी को दे दिये, जिसे गांधी जी ने नीलाम कर दिया। यहां पर कुछ शास्त्रियों ने गांधी जी की मंदिर प्रवेश बिल पर भी बातचीत हुई।

गांधी जी चौरई होते हुये 29 नवम्बर को छिन्दड़वाड़ा पहुंचे। छिन्दवाड़ा में उन्होंने हरिजन मुहल्लों का निरीक्षण किया। जिले के लोगों की ओर से तथा सौंसर तहसील की ओर से उन्हें मानपत्र अर्पित किया गया। छिन्दवाड़ा के जनजातियों ने गांधी जी को 100 रु. की थैली भेंट की। छिन्दवाड़ा की सभा की एक विशेषता यह थी कि यहां पर उन्होंने हरिजन कोष का उपयोग साल्हेकर के स्मारक के लिये करने पर जोर दिया। सापेकर के बारे में उन्होंने कहा साल्मेकर त्याग और सेवा की मूर्ति थे। वे जो कहते थे करके दिखाते थे। राजनीतिक और सामाजिक सुधारों में उन्होंने बहुत काट सहन करके बनाये थे। ऊंच-नीच के भेद को नहीं मानते थे। वे अपनी कमाई का पैसा गरीबों की सेवा में लगाते थे। अत: इस कोष का उपयोग उनके स्मारक में होना उचित ही है। छिंदवाड़ा से गांधी जी नरसिंहपुर पहुंचे, जहां लोगों ने अपने महान नेता का भव्य स्वागत किया। जिला कांग्रेस समिति के मुख्यालय करेली में एक सभा आयोजित की गई और उन्हें एक थैली भेंट की गई। गांधी जी के आगमन के बाद में कांग्रेस की गतिविधियों को अत्पधिक प्रोत्साहन मिला और उनमें और अधिक तीव्रता आ गई। नरसिंहपुर तथा करेली से इटारसी पहुंचने पर विशाल जनसमूह से उनका स्वागत किया। सभा में चौधरी हीरालाल के द्वारा 211 रु. भेंट किये गये। सभा में गांधी जी ने लोगों से अपील की कि वे अस्पृश्यता को समूल नष्ट करें। बालाघाट में भी गांधी जी को थैली भेंट की गयी। अंत में समारोह में उन्होंने कहा-यह आंदोलन अंधविश्वास के अंधकार व सुधार के प्रकाश के बीच का युद्ध है, यह सुधार हो गया तो मनुष्य मात्र को इससे लाभ होगा। मैं इसमें कानूनी अथवा सरकारी सहायता नहीं चाहता। सुधार आंतरिक होना चाहिये। इसके द्वारा दलितों का राजनैतिक उत्थान करना मेरा उद्देश्य नहीं, चाहे उसका परिणाम राजनीतिक जागृति भले ही हो। यह तो आत्म शुद्धि का आंदोलन है। गांधी जी ने गलगला में हरिजनों की एकसभा में भाषण दिया व उन्हें सलाह दी कि वे मांसमदिरा का त्याग करें व स्वच्छता को अपने जीवन में अपनायें।

गांधी जी को समाचार मिला कि जबलपुर नगर में टीकाराम सुनार की पत्नी दो दिन से इस बात पर उपवास किये बैठी थी कि गांधी जी स्वयं उनके घर पधारें और दर्शन दें। सभा के बाद गांधी जी ने उसकी इच्छा पूरी की। वे दीक्षितपुरा में उसके घर गये जहां उसने बड़े आदर के साथ गांधी जी को 51 रु. की थैली भेंट की। 25 जबलपुर के अपने निवास के बीच में ही 6 दिसम्बर 1933 को गांधी जी मण्हला गये । मण्डुला जिले में आदिवासी गोंड बहुतायत में रहते थे और आसपास लगभग 50 मील से लोग बड़ी संख्या में गांधी जी के दर्शन करने के लिए एकत्रित हुये थे। मण्डला में गांधी जी के ठहरने की व्यवस्था गिरजाशंकर अग्निहोत्री के घर में की गई थी। तभी से उनका निवास स्थान गांधी कुटीर कहलाता है। मुन्नीबाई ने 500 रु. की थैली भेंट की। गांधी जी की सभा में भरी भीड़ थी। यहीं पर लालनाथ नामक एक सनातनी से छुआछूत पर शास्त्रार्थ हुआ।

सभा में उन्होंने कहा- मंदिर साधना है, पापियों के लिए जिसके द्वारा वे अपने पाप धो सकते हैं। यदि आप विश्वास करते हैं कि हरिजन के रूप में जन्म लेना पूर्व जन्म के पापों का परिणाम है तो मंदिर में जाने व पूजा करने का पहला अधिकार उन्हें देना होगा, क्योंकि भगवान तो पूरी दुनिया को बचाने वाला व उनकी रक्षा करने वाला है। शास्त्रों में अस्पृश्यता का जिक्र है, पर असली अस्पृश्यता काम व क्रोध है, भेदभावों को कायम रखने हेतु शास्त्रों की दुहाई देना उनका दुरुपयोग करना है। हमारे यहां शास्त्रों की अहंकार पूर्वक गलत व्याख्या द्वारा सामाजिक प्रतिष्ठा को बनाये रखने का गलत सिद्धांत है। मैं स्वयं को सच्चा सनातनी समझता हूं। उसके सिद्धांतों पर चलने का सबसे अधिक प्रयत्म करता हूं। संसार में विभिन्नता अवश्य है, पर इसका अर्थ असमानता व अस्पृश्यता नहीं है। भगवान की नजरों में सब समान है। बाहरी विभिन्नता के बीच एकता विद्यमान है।

गांधी जी 7 दिसम्बर 1933 को सोहागपुर पहुंचे। सोहागपुर में उनका स्वागत किया गया। सेमरी के श्री गोखले ने जनता की ओर से उन्हें थैली भेंट की। गांधी जी ने अपने भाषण में कहा- ईश्वर ने सबको समान बनाया है, इसलिये छुआछूत का भेदभाव हृदय में बिल्कुल निकाल देना चाहिये। यह छुआछूत और देशों में नहीं है। स्वार्थवश हमारे यहां ही पाया जाता है। आप लोग हरिजनों से कहें कि वे मुरदार मांस छोड़ दें, मदिरा छोड़ दें, सफाई से रहें। सोहागपुर से गांधी जी माखनलाल चतुर्वेदी की जन्मभूमि बाबई पहुंचे, जहां गांधी जी को अभिनंदन पत्र और 165 रु. की थैली भेंट की गई। गांधी जी का जो भाषण हुआ वह माखनलाल चतुर्वेदी के प्रति उनकी आदर भाव का द्योतक था। अस्पृश्झता पर बोलते हुये उन्होंने कहा- मैं तो मानता हूं कि यदि हिन्दूओं में से छुआछूत का कलंक दूर न होगा तो हमारा नाश हो जायेगा। अगर हरिजन मंदिर में नहीं जाने पाते तो याद रखो कि फिर इस मंदिर में भगवान का वास नहीं। धर्म तो ऐसा ही कहता है। मध्यप्रांत दौरे के अंतिम दिन 8 दिसंबर को गांधी जी हरदा पहुंचे। स्वागत समिति की ओर से बेनी माधव अवस्थी तथा महिलाओं की ओर से गोदावरी बाई दास ने उन्हें माला पहनायी। गणेश चौक में कांग्रेस स्वयं सेवकों ने उन्हें प्रणाम किया। बेनी माधव अवस्थी ने यहां के हरिजन मुहल्लों से उन्हें परिचित कराया जिस पर गांधी जी ने संतोष व्यक्त किया। उसके बाद गांधी जी हरिजन छात्रावास पहुंचे, जहां उनके विश्वास की व्यवस्था की गई। हरदा की व्यवस्था व अनुशासन से गांधी जी अत्यंत प्रसन्न हुये और अपने भाषण में उन्होंने कहा- आप लोगों ने जो आदर्श प्रबंध किया है, उसके लिये मैं आपका आभार मानता हूं। बस्सी की व्यवस्था देखकर यह नहीं कहा जा सकता है कि यहां हरिजन बस्ती है। बाद में उन्होंने हरिजन में लिखी एक टिप्पणी में हरदा की व्यवस्था की प्रशंसा की और सब जगह उसी प्रकार की व्यवस्था का परामर्श दिया। सभा में गांधी जी को स्वागत समिति की ओर से 1111 रु. की थैली अर्पित की गयी तथा हरिजन स्वयं सेवक संघ, हरिजनों, महिलाओं, म्युनिसिपल कमेटी, लोकल बोर्ड, मोहनपुर ग्राम संघ, आत्म विकास मण्डल आदि संस्थाओं की ओर से मानपत्र तथा यथाशक्ति धन, आभूषण आदि भेंट किये गये।

इस तरह महाकोशल को अभूतपूर्व क्षेत्र में गांधी जी की हरिजनोद्धार के संदर्भ में की गई 17 दिवसीय यात्रा को अभूतपूर्व सफलता प्राप्त हुई। अनेक स्थानों पर उन्हें धनराशि भेंट की गयी। इस यात्रा की सर्वप्रमुख विशेषता गांधी जी के द्वारा जनमानस में अस्पृश्यता की भावना के विरुद्ध विचारों का बीजारोपण करना था।

(साभार:- संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन , स्वराज संचालनालाय,भोपाल से प्रकाशित लेखक और इतिहासकार डॉ विपिन बिहारी शांडिल्य की किताब का अंश)

फोटो-राष्ट्रीय अभिलेखागार नई दिल्ली

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। सामान्य कारोबार के बीच बुधवार को खाद्य तेलों में बाजार सुर्खी के रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। दलहनों में चना व मसूर बाजार बने रहे। किराना जिंसों में सूखे मेवों में मजबूती आयी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में कारोबार सामान्य ही है। बाजार में नरमी की स्थिति रही। तिलहनों में बाजार बने रहे। दलहनों में चना व मसूर में बाजार मजबूती बनाये रहे। उधर, किराना जिंसों में सूखे मेवों में मजबूती बनी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4240-4270, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 235-240, ऊंझा हल्का 245-255, मीडियम 245-255, बेस्ट 265-285, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-775, गरबल 720-725, मटरदाना 795-810, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 3250-3300, विरूद्ध नगर 3150-3200, मीडियम 3350-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1550-1750, बेस्ट1800-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-980, काजू (320) 910-920, काजू एस. डब्ल्यू 880-890, काजू एस.एस. डब्ल्यू 870-880, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 790-870, बादाम मगज 845-870, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3750-3800, (160) 4400-4500, (200) 4900-5000, (250) 5300-5400

तेल- सींगदाना 1310-1320, मुम्बई 1325, राजकोट तेलिया 2080-2100, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1245-1250, कपास्या 1235, धूलिया 1230, कड़ी 1230,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1275, मुम्बई पाम 1270, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000, रायडा 6600, सोयाबीन 4350, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5800-5850, एवरेज 5200-5300, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 320 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। बुधवार को भी विदेशी बाजारों की अगुवाई में स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 149000, चॉंदी (99) 148600, टंच 147900, सिक्का 1500, सोना 10 ग्राम 120200,

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया दस पैसे की बढ़त के साथ ही 88.70 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति के फैसले से रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की बढ़त के साथ 88.75 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.79 पर खुला। फिर 88.75 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.80 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 97.84 पर आ गया।

आज का राशिफल

मेष- आज आपको अपनी आय और व्यय के लिए बजट बनाकर चलना होगा। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने कामों को लेकर रणनीति बनाकर चले। आप अपनी वित्तीय योजनाओं पर पूरा ध्यान दें और आपको आज बड़े सदस्यों से उचित मार्गदर्शन मिलेगा। आपको किसी काम को लेकर मनमर्जी चलाने से बचना होगा और आपकी मेहनत रंग लाएगी। संतान को भी पढ़ाई-लिखाई को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है।

वृषभ- आज आपके काम बिना रुकावट के पूरे होंगे। परस्पर सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपके अधिकारी भी आपका साथ देंगे। आप अपने कामों पर पूरा फोकस बनाएंगे। आप ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से बेवजह के वाद-विवाद में ना पड़ें। आपको अपनी शारीरिक समस्याओं को लेकर पूरा ध्यान देना होगा। आपकी सेहत में गड़बड़ी होने से आप परेशान रहेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से काम लेने के लिए रहेगा। आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहेगा। आपको यदि किसी यात्रा पर जाना पड़ें, तो वहां अपनी कीमती सामानों को सुरक्षा अवश्य करें। जीवनसाथी आपसे किसी चीज की फरमाइश कर सकते हैं, जिससे आप पूरा अवश्य करेंगे। आप अपने बॉस की बातों को नजरअंदाज ना करें, नहीं तो आपके बेवजह के लड़ाई झगड़ा बढ़ सकते हैं। घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

कर्क- आज आपके चारों ओर का माहौल खुशनुमा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको कोई पुरस्कार आदि मिल सकता है। आपके कामों में यदि कुछ रुकावटें आ रही थी, तो वह भी दूर होंगी। आप अपने किसी लक्ष्य को पकड़कर चलें। आप अपने घर की साफ-सफाई और रखरखाव आदि पर भी पूरा ध्यान देंगे। आपके बॉस आपको प्रमोशन आदि की बात कर सकते हैं, जिससे आपका मन काफी खुश रहेगा।

सिंह- आज आप अपने कामों में मेहनत से बिल्कुल पीछे नहीं हटेंगे और किसी परेशानी का भी डटकर सामना करेंगे। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी। कार्यक्षेत्र में आपके कामों की सराहना होगी और आप किसी बेवजह की बात को लेकर वाद-विवाद में ना पड़ें। भाई-बहनों से आपकी किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको किसी कानूनी मामले में यदि कोई फैसला लटका हुआ था, तो उसमें जीत मिलेगी। आपको अपने घर की साज-सज्जा आदि पर पूरा ध्यान देंगे। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपका मन किसी बात को लेकर परेशान हो सकता है, जिसके लिए आप अपने पिताजी से बातचीत अवश्य करें।

तुला- आज का दिन आपके लिए कामकाज में सुधार लेकर आएगा। किसी भूमि और वाहन आदि की खरीदारी करना आपके लिए बेहतर रहेगा। आपका डूबा हुआ धन भी आपको मिलने की संभावना है। आप अपने राजनीति से संबंधित कामों को समय से निपटाने की कोशिश करेंगे। आज आप किसी पॉलिटिक्स का हिस्सा बनने से बचें। आप अपने परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधाओं को लेकर अपने किसी परिजन से बातचीत कर सकते हैं।

वृश्चिक- आज आपकी कार्य कुशलता बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी। आप अपनी मेहनत से एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। आपको अपने किसी मित्र की बात बुरी लग सकती है। उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे। आप अनजान लोगों से थोड़ी दूरी बनाकर रखें। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से भागदौड़ बनी रहेगी। आज आप पार्टनरशिप में किसी काम की शुरुआत करने की सोचेंगे। नौकरी में आपके बॉस आपके कामों से काफी खुश रहेंगे।

धनु- आज आपके पारिवारिक रिश्तों में एकजुटता बनी रहेगी। आप सभी को साथ लेकर चलने की कोशिश में लगे रहेंगे। भगवान के भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। धार्मिक गतिविधियों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपका आत्मविश्वास भी बढ़ा रहेगा, जिससे आप किसी काम को करने में पूरी मेहनत दिखाएंगे, लेकिन आपके कुछ विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। आपके खर्च आपकी टेंशनों को बढ़ा सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों से जुड़कर नाम कमाने के लिए रहेगा। आपकी कला-कौशल में निखार आएगा। आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती है। आप आज किसी राजनीति से संबंधित काम को लेकर लोगों से बातचीत करेंगे। आज आपकी संतान से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए धैर्य और संयम से काम लेने के लिए रहेगा। आपके ऊपर काम का दवाब अधिक रहने से आप थोड़ा परेशान रहेंगे। प्रशासनिक मामलों में आपको पूरा ध्यान देना होगा। आप काम को लेकर लापरवाही ना दिखाएं। परिवार में किसी सदस्य के विवाह को लेकर यदि टेंशन बनी हुई थी, तो वह किसी परिजन की मदद से दूर होगी। जीवनसाथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे, जिससे आपकी इनकम बढ़ेगी।

मीन- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। आपको बिजनेस में अच्छा धन लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको माताजी की कोई बात बुरी लग सकती है। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आप भाई-बहनों से किसी काम को लेकर सलाह ले सकते हैं।

शब्दजाल- 8038

शब्दजाल में ईशा देओल की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे भी हो सकते हैं

नो एंट्री, दस, प्यारे मोहन, धुम, युवा, इंसान, अनकही, क्या दिल ने कहा, कोई मेरे दिल से पुछे, काल.

अ	व	र	नो	ए	श्री	स	प	ला	नी	का
धु	है	क	ज	इं	डे	ने	ह	इं	म	ल
म	क्या	दि	ल	ने	क	हा	ड	सा	प	नि
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	न	इ	ही
को	ई	मे	रे	दि	ल	से	पु	छे	क	नि
द	जे	कि	र	क	पा	का	म	न	रि	या
शी	मा	दे	प्या	व	था	य	अ	म	क	ती
द	दे	श	रे	न	प	य	यु	घु	व	ला
स	दि	ल	मो	ले	दा	र	जा	वा	वी	दे
क्षि	ज	ति	ह	हि	द	ह	मा	द	ल	र
त	र	सु	न	मा	ख	रा	ज	त	र	म

शब्दजाल - 8037 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

७ मंगल, केतु शुक्र ५, ८, ४, बुध सूर्य ६, ९, ३ गुरु, १२, शनि, चंद्र १०, २, ११ राहु, १

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.02 बजे से
चंद्र	मकर में	वृश्चिक	09.16 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	11.32 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	13.38 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.24 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	16.57 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.27 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.08 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.06 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.19 बजे से
1.30 से 3.00		सिंह	02.35 बजे से
बजे तक		कन्या	04.47 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 275 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** दशमी 19.11 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराषाढ़ा 09.13 बजे को समाप्त। **योग** सुकर्मा 23.29 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 07.12 बजे तदनन्तर गर 19.11 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 10.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 36' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872485 **जूलियन दिन** 2460950.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 09 **विशेष** सरस्वती विसर्जन, दुर्गा विसर्जन, दशहरा, विजयादशमी, विद्यारंभम् दिवस, माधवाचार्य जयंती, गांधी जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: कर्त्तव्य की रक्षा

बात सोलहवीं सदी की है। फ्रांसीसी शहर तूलोन के पास एक टापू के प्रकाश गृह (लाइट हाउस) में काम करने वाला व्यक्ति अचानक बीमार हो गया। सवाल उठा कि अब जहाजों को रोशनी दिखाने का काम कौन करे। रात के केवल नौ ही बजे थे। रोशनी दिखाने वाले की पत्नी ने अपने कर्त्तव्य का महत्व समझ खुद ही लैम्प जला दिया। लैम्प जलाकर वह लौटी ही थी कि उसने पाया उसका पति मरणासन्न है। वह चिंतित हो गई। इतने में उसके सात साल के बेटे और नौ साल की बेटी ने आकर बताया कि लैम्प घूम नहीं रहा है। दरअसल प्रकाश गृह का लैम्प चारों ओर घूमकर अपना प्रकाश फैलाता था। यदि वह एक ही दिशा को प्रकाशित करता तो जहाजों के टकराने और डूबने की आशंका थी। पत्नी पति को मृत्यु शय्या पर छोड़ बच्चों के साथ लैम्प ठीक करने चली गई, पर वह ठीक नहीं हुआ। उसने अपने बच्चों को वहीं बैठाते हुए कहा,' तुम लोग रातभर लैम्प को चारों ओर घुमाते रहना। आज बादलों के कारण चांद की रोशनी भी नहीं है।' यह कहकर वह अपने पति के पास चली गई। दोनों बच्चे सुबह के छह बजे तक लैम्प घुमाते रहे। इस तरह उन्होंने कई जहाजों को रोशनी दिखाई और उन्हें दुर्घटना से बचाया। सुबह तक उन बच्चों के पिता का निधन हो चुका था। उनकी मां रो रही थी लेकिन उसके चेहरे पर कर्त्तव्य निभाने का संतोष झलक रहा था। वह जानती थी कि उसने और दोनों बच्चों ने एक महान काम को अंजाम दिया है और यही उसके पति के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

फिल्म वर्ग पहेली- 6982

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6981

बै	ग	ग	■	स	ड़	क	■	आ	■
जू	■	ज	ह्न	द	■	स	सु	ग	ल
बा	द	ल	■	मा	लि	क	■	ध	■
व	■	■	बा	■	बा	■	बे	ना	म
ग	जा	बा	बू	■	स	रि	ता	■	हा
■	ल	व	■	बे	■	■	ब	से	ग
इ	■	चीं	■	खु	द्दा	र	■	■	जा
क	र्ज	■	शा	दी	■	ख	ली	फा	■
बा	■	गै	र	■	दा	वा	■	■	द
ल	ज्जा	■	दा	ग	■	ला	वा	रि	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7291

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7290 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 8506

बाएँ से दाएँ

1. आस्तिक, अनुगामी, पूजक-2
2. रख-रखाव-2,3
6. देह, बदन-2
7. कारण-3
8. तपस्या-2
9. बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11. पति की बहन-3
12. प्रतिज्ञा, वचन-3
14. पिता, डैडी-2
16. मन मोहने वाला-5
18. आनंदित-2
19. लवण, खार-3
21. बख्तरबंद, आवरण-3
23. पासों से भविष्य जानना-3
25. आमिर व काजोल की फिल्म-2
27. मुलायम, कोमल-3
28. उस समय-2
29. भ्रमण, घूमना-3,
30. कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1. खतरनाक-4
2. सनम, बालम-3
3. रहने का तरीका-3,3
4. चावल-2
5. बिजली का कौंधना-5
6. कौवा, काग-2
10. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13. मन को भाने वाला-5
15. सहयात्री-5
17. कटि-3
20. निम्न, न्यूनतम-4
22. उत्कर्ष-3
24. अधर, होठ-2
26. संबोधन-2

शब्द पहेली - 8505 का हल

■	क	वि	ता	■	क	या	स	■
भ	ला	■	क	■	री	■	ही	न
र	■	म	त	ल	ब	■	■	ह
म	द	द	■	क्ष	■	फि	तू	र
■	■	भ	क्त	■	शी	त	■	■
से	हा	रा	■	यं	■	र	ज	त
ह	■	■	ज	हा	ल	त	■	मी
त	ल	■	मा	■	की	■	आ	ज
■	ब	हा	व	■	र	वा	ना	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने से बुधवार को घरेलू शेयर बाजार उछाल के साथ बंद हुआ। एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी ब्याज दरें पहले की तरह रहने और खरीददारी हावी होने से बाजार में उत्साह का माहौल रहा। आरबीआई के फैसले के बाद सभी सूचकांकों में खरीदारी बढ़ने से उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 715.69 अंक करीब 0.89 फीसदी बढ़कर 80,983.31 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 225.20 अंक ऊपर आकर 24,836.30 पर बंद हुआ। बैंकिंग शेयरों में सबसे अधिक उछाल रहा। वहीं बैंक निफ्टी 712.10 अंक बढ़कर 55,347.95 पर बंद हुआ। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस , निफ्टी फार्मा , निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी ऑटो , निफ्टी आईटी और निफ्टी मेटल की तेजी के साथ बंद हुआ। केवल निफ्टी पीएसयू बैंक गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट, सन फार्मा, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, टेक महिंद्रा, टाइटन, एचयूएल और बीईएल के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं बजाज फाइनेंस, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी के शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। आरबीआई ने रेपो रेटो को 5.50 फीसदी पर स्थिर रखा है। जिससे बाजार में उत्साह रहा। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सभी सेक्टर्स में खरीदारी से बाजार को बल मिला। सेंसेक्स 80,173 अंक पर खुला। खुलते ही यह 80,410 अंक की तेजी के साथ यह 12.61 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,255.01 पर कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 लगभग सपाट रहते हुए 24,620.55 अंक पर खुला। हालांकि, हरे निशान में खुलने के बावजूद इंडेक्स में सपाट रुख देखने को मिल रहा है। सुबह यह 18.40 अंक फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 24,629 पर ट्रेड कर रहा था। वहीं वॉल स्ट्रीट में बढ़त के बाद एशियाई बाजारों की शुरुआत मिली-जुली रही। जापान का निक्केई 1.01 फीसदी नीचे था, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.95 फीसदी गिरा। चीन के बाजार नेशनल डे और मिड-ऑटम फेस्टिवल के कारण बंद थे। वॉल स्ट्रीट के तीनों प्रमुख इंडेक्स मंगलवार के उतार-चढ़ाव वाले सेशन को बढ़त के साथ बंद करने में सफल रहे। हालांकि, निवेशक अमेरिका में संभावित सरकारी शटडाउन को लेकर सतर्क रहे।

केंद्रीय कर्मचारियों को राहत- यूनिफाइड पेंशन स्कीम चुनने की डेडलाइन अब 30 नवंबर तक समय

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को चुनने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब केंद्रीय कर्मचारी 30 नवंबर तक इस योजना का विकल्प चुन सकते हैं। पहले यह डेडलाइन 30 सितंबर थी, जो कर्मचारियों की मांग पर बढ़ाई गई है। यह स्कीम उन सभी कर्मचारियों के लिए है जो 1 अप्रैल 2025 तक एनपीएस में शामिल थे। साथ ही वे रिटायर्ड कर्मचारी जिन्होंने कम से कम 10 साल की सेवा की है, और मृत कर्मचारियों के वैध जीवनसाथी भी यूपीएस का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि, बर्खास्त, अनुशासनात्मक जांच के दायरे में आने वाले या अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर्मचारी यूपीएस के पात्र नहीं होंगे। यूपीएस को चुनने के लिए फॉर्म ए2 भरना अनिवार्य है, जो प्रोटियन सीआरए पोर्टल पर उपलब्ध है। कर्मचारी इसे ऑनलाइन जमा कर सकते हैं या दस्तावेज़ों के साथ अपने डीडीओ या कार्यालय प्रमुख को सौंप सकते हैं। नए भर्ती कर्मचारियों को जॉइनिंग के 30 दिनों के भीतर यूपीएस या एनपीएस में से एक का चयन करना होगा। यूपीएस स्कीम में गारंटीड पेंशन का प्रावधान है, जबकि एनपीएस पूरी तरह बाजार आधारित है। इसलिए विशेषज्ञों का सुझाव है कि कर्मचारी योजना बदलने से पहले सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करें, क्योंकि एक बार यूपीएस चुनने के बाद एनपीएस में वापसी संभव नहीं है।

1 अक्टूबर से महंगा हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर और एटीएफ

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने 1 अक्टूबर से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में बढ़ोतरी की है। हालांकि, घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिली है। नई दरों के अनुसार दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 1,595.50 रुपए हो गई है, जो पहले 1,580 रुपए थी। यानी 15.50 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। अन्य महानगरों में भी दाम बढ़े हैं। कोलकाता में यह 1,700.50, मुंबई में 1,547 और चेन्नई में 1,754.50 रुपए हो गया है। वहीं एविएशन टरबाइन फ्यूल की कीमतों में भी तेज उछाल देखा गया है। दिल्ली में अब एटीएफ 93,766.02 रुपए प्रति किलोलीटर मिल रहा है, जबकि पहले यह 90,713.52 रुपए था। कोलकाता में यह 96,816.58, मुंबई में 87,714.39 और चेन्नई में 97,302.14 रुपए प्रति किलोलीटर हो गया है। तेल कंपनियां हर महीने अंतरराष्ट्रीय बाजार और कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर ईंधन की दरों की समीक्षा करती हैं। इस बार की समीक्षा में जहां कमर्शियल उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ा है, वहीं घरेलू उपयोगकर्ताओं को राहत दी गई है, जिससे त्योहारों के मौसम में महंगाई का असर सीमित रहेगा।

ज्योति कलशों की निकली मनोरम शोभायात्रा ज्वारों का किया गया सरोवरों विसर्जन

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के प्रमुख मंदिरो मे मनोकामना ज्योति कलशो का विसर्जन भक्ति भाव से देवी गीतों के साथ डीजे के साथ किया गया। जिसके दर्शनो के लिये श्रद्धालु भक्त जन मार्गो पर नजर आये। 1 अक्टूबर महानवमी पर मॉ लंजकाई मंदिर, मॉ शीतला माता मंदिर, मॉ दुर्गा मंदिर निमटोला, मॉ दुर्गा मंदिर बिसोनी, मॉ त्रिशक्ति मंदिर मरार मोहल्ला, माँ गायत्री शक्ति पीठ आदि माता मंदिरों में भी सम्पूर्ण विधी विधान पूर्वक मनोकामना ज्योति कलशो का विसर्जन किया गया। मां लंजकाई मंदिर में 702 ज्योति कलश, मां शीतला माता मंदिर में 98 कलश, गायत्री मंदिर में 92 कलश, दुर्गा मंदिर बिसोनी में 94 कलश, काली माता मंदिर में 2 मनोकामना ज्योति कलश, नीमटोला स्थित दुर्गा मंदिर सहित उक्त सभी माता मंदिरो से कलश शोभायात्रा निकाल नगर के धार्मिक आस्था का केन्द्र गणेश सरोवर मे संपूर्ण विधि पूर्वक पूजन अर्चन कर कलश विसर्जित किया गया। इसके अतिरिक्त पुराना राम मंदिर, रूद्रेश्वर महादेव मंदिर सुन्दरटोला, मां दुर्गा मंदिर माता मंदिर निमटोला, मां दुर्गा मंदिर बोलेगांव, माताघाट, व भाडरासूर

देवी मंदिर में भी ज्योति कलश रखे गये है यहां भी शोभा यात्रा के साथ संपूर्ण विधि पूर्वक पूजन अर्चन कर स्थानीय नदी तालाबों में विसर्जित किया गया।

कलश विसर्जन मार्ग पर पुलिस बल रहा तैनात

लांजी नगर मे कलश यात्रा के वक्त हमेशा से ही श्रृद्धालु भक्त जनो की अपार भीड उमडती है इसी दौरान साथी भक्तो के द्वारा प्रसाद वितरण का कार्य भी जगह किया जाता है जिसको लेकर पुलिस व्यवस्था आवश्यक होती है। पुलिस प्रशासन के द्वारा भी संपूर्ण तैयारिया की गई, एसडीओपी लांजी एवं प्रभारी के द्वारा समस्त एसआई सहित समस्त पुलिस बल की ड्यूटी संपूर्ण यातायात व्यवस्था में चाक चौबंद की गई पुलिस बल नगर व्यवस्था मे लगाया गया, जिन जिन स्थानों से कलश शोभा यात्रा निकलती एवं विसर्जन के लिये गणेशी तालाब पंहुचती है उन सभी स्थानों पर पुलिस बल तैनात किया गया था सभी रास्तो मे यातायात व्यवस्था पुलिस ने संभाल रखी थी तथा कलश यात्रा वाले मार्गो से वाहनो आदि आवागमन प्रतिबंधित कर दिया गया था जिसके चलते मनोकमना ज्योति कलश शोभा यात्रा मे किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न नही हुआ। नवरात्रि पर्व के अंतिम दिन कलश विसर्जन शोभा यात्रा नगर मे प्रमुख आस्था एवं आकर्षण का केन्द्र होता है जिसके लिये भक्त जन ग्रामीणो क्षेत्रो के भी लांजी पंहुचते है साथ ही नगर के धर्म प्रमीगण भी शोभा यात्रा के दर्शनो के यात्रा के मार्ग में उपस्थित होते है इन्ही भक्तो के लिये धर्म प्रेमीगण भक्तो के द्वारा महाप्रसाद का आयोजन, मार्गो में शीतल पेय का आयोजन किया गया।नगर के हृदय स्थल सुभाष चौक पर माँ एग्रो इण्ड्रस्टिज के द्वारा कलश शोभा यात्रा दर्शन करने आये भक्तो के लिये प्रसादी का आयोजन किया गया था। लांजी नगर परिषद के द्वारा भी कलश शोभा यात्रा के लिये संपूर्ण व्यवस्था की गई थी। सर्वप्रथम जिन मार्गो पर कलश शोभा यात्रा निकलनी है उन मार्गो को के अलावा गणेश सरोवर के समीप सपूर्ण सफाई व्यवस्था की गई जिसमे, लाईटिंग, बैठक, बैरिकैट सहित अन्य व्यवस्थाओं को भी देखा गया।

सांसद पारधी नें मंदिरों में किया पूजन व दर्शन

पद्मेश न्यूज। लांजी। बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 1 अक्टूबर को क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल माँ पाढरी पाट देवी धाम पंहुचकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। बतादे कि श्रीमती भारती भारती देवी धाम वारी पंहुचकर माँ पांढरी पाट के दर्शन उवरांत मंदिर मुख्य संरक्षक पण्डा रेखलाल कावरे, सुधीर दशरिया सहित समिति के अन्य सदस्यो से मुलााकात कर चर्चाऐं की गई। साथ ही श्रीमती भारती पारधी ने देवी धाम परिसर में स्थित गौशाला पंहुचकर गौमाता एवं नंदी बाबा के भी दर्शन लाभ लिये। तत्पश्चात सांसद भारती पारधी लांजी पंहुचकर माँ लंजकाई मंदिर पंहुची जहां माता रानी के श्री चरणो में शिश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया तभा देश एवं प्रदेश के खुशहाली के लिये कामना की गई। इसके उपरांत आपके द्वारा लांजी नगर में स्थापित मातारानी की प्रतिमा स्थालो पर जिनमें गुजरी चौक में माँ सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव सूमिति के पण्डाल स्थल, सादर मित्र मण्डल सालेटेकरी रोड लांजी के पण्डाल स्थल सहित अन्य स्थलो पर पंहुचकर मातारानी के दर्शन लाभ लिये। इस दौरान आपके साथ श्रीमती मीना रहांगडाले बालाघाट, उज्जवल श्रीवास्तव सहित अन्य जन उपस्थित रहे।

सुभाष चौक दुर्गा पंडाल में कराया कन्या भोज

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के हृदय स्थल सुभाष चौक बस स्टैण्ड लांजी में विगत लगभग 35 वर्षो से सद्भावना मित्र मण्डल, माँ काली घाट जल कल्याण समिति के तत्वावधान में वृहद रूप में मातारानी की प्रतिमा स्थापित कर भव्य पण्डाल निर्माण कर आराधान की जाती है। साथ ही समिति के सभी सदस्य एवं पुजारी बाबा के द्वारा नौ दिनो तक विशेष पूजा अर्चना माता रानी की भक्ति भाव के साथ की जाती है। इस बार भी मित्र मण्डल के द्वारा मातारानी सुन्दर रमणीय प्रतिमा जो कि सिंह पर विराजमान मातारानी तथा नंदी बाबा पर विराजमान शिव जी की अद्भुत एवं अलौकिक प्रतिमा स्थापित की गई है जो कि दुर्ग धनोद से लाई गई है। इस वर्ष मातारानी के दरबार में रोजाना गरबा उत्सव कार्य कार्यक्रम भी आयोजित हुआ जहां महिलाओं एवं युवतियों के द्वारा जमकर गरबे में झुमते नाचते गाते नजर आये। समिति के द्वारा विशेष रूप से महाअष्ठमी की पूजा अर्चना हवन यज्ञ पूजन के साथ की गई तथा नवमी 1 अक्टूबर को नौ कन्या भोज कराया गया। इस दौरान समिति के सभी सदस्यो के द्वारा मातारानी के नौ स्वरूप रूपी नौ कन्याओं को पूजा गया तिलक वंदन कर कन्याओं को भोग लगाया गया तथा उपहार स्वरूप भेंट प्रदान की गई। समिति के अध्यक्ष युगेश रामटेक्कर के द्वारा बताया गया कि दशहरा पर्व के पश्चात 4 अक्टूबर को भव्य झांकियो के साथ मातारानी की प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा। समिति के सदस्य अध्यक्ष युगेश रामटेक्कर, विधायक राजकुमार कर्राहे, नितिन पशीने, मधुकर आसटकर, रुपचन्द रामटेक्कर, सचिन अग्रवाल, कैलाशपुरी गोस्वामी, देवानन्द कुर्वे, राजा महिमेहरो, सतीश दुरुगकर, राजु मोहारे, विशाल दुग्गड़, बबलु शिवालिया, हुकुमचन्द जुझार, योगेन्द्र बबली मिश्रा, डॉ.राजेश रणदिवे, मोनु पशीने, अंकित अग्रवाल, मुकेश देवगड़े, गजानन बड़घैया, अंकित शर्मा, रोशन आसटकर, संतोष भार्गव, कमलेश बडगैया, टेकचंद बिहोने, डॉ देवेश ऐड़े, ओमप्रकाश आसटकर, लक्ष्मण किरनापुरे सहित सभी सदस्य गण एवं सहयोगियो के द्वारा क्षेत्र की जनता से उक्त विसर्जन कार्यक्रम में पंहुचने की अपील की गई है।

अंबे मंदिर बिसोनी में ज्योति कलशों की शोभायात्रा निकली, विसर्जन हुआ, संध्या में हुआ नगरभोज संपन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। मां अंबे मंदिर बिसोनी में शारदेय नवरात्र पर्व पर 94 ज्योति कलशों की स्थापना विधि विधान पूर्वक 22 सितंबर को की गई थी। पुरे 10 दिन तक भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना की गई। वहीं 1 अक्टूबर को ज्योति कलश एवं जवारे की शोभायात्रा निकालकर ग्राम का भ्रमण कराते हुये स्थानीय तालाब में ज्वारे विसर्जन किये गये। बिसोनी में मां अंबे मंदिर से तालाब के लिए शोभायात्रा निकाली गई। इसके पश्चात आरती पूजन कर जवारों का विसर्जन किया गया और एक दूसरे को जवारे एवं प्रसाद भेंट दी गई। यहां आज 2 अक्टूबर को विजयादशमी पर्व पर संध्या में रावण दहन किया जायेगा तथा 3 अक्टूबर को शाम 4 बजे जय मां दुर्गा उत्सव समिति बिसोनी के द्वारा स्थापित मां दुर्गा जी की प्रतिमा को ग्राम का भ्रमण कराकर विसर्जन किया गया।

नवमी पर्व पर कराया नगर भोज

मां अम्बे मंदिर बिसोनी में दिन में ज्योति कलश विसर्जन उपरांत शाम 5 बजे से बारेलाल बड़घैया एवं परिवार के द्वारा नगरभोज (भण्डारे) का आयोजन किया गया जो देर रात्रि तक चलता रहा, जिसमें भारी संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान बरेलाल बड़घैया, पंडित हुकेन्द्रप्रसाद तिवारी, गजानंद बड़घैया, गजेश बड़घैया, राजेश बड़घैया, गेजेश कर्राहे, रामकृष्ण कर्राहे, अमित कर्राहे, अशोक कलपुरे, यशवंतराव बड़घैया, राधेश्याम गरूडे, जोरनलाल कचवाहे, अशोक कर्राहे, तेजेन्द्र कर्राहे, यशवंतराव कलपुरे, रमाकांत कचवाहे, मानिकलाल कन्हैया, पंडित अभिषेक तिवारी, चमरिया वाघाड़े (पुजारी), रजनीकांत कचवाहे, लोकेश कर्राहे, रामकुमार लाखे, चमरूलाल कर्राहे, करन कर्राहे, एवं मंदिर समिति के सदस्यगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पाली अकादमिक संस्थान में मनाया गया स्वच्छता उत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई) द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयंती 02 अक्टूबर 2025 को स्वच्छ भारत दिवस के रुप में मनाया जाना है, जिसके तहत 17 सितम्बर 2025 से स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरुआत की गई तथा इस वर्ष अभियान की थीम है स्वच्छ उत्सव। इसी तारतम्य में सी.वी.एस.ई. विद्यालय पाली अकादमिक संस्थान में संस्थान की संचालिका श्रीमती वंदना वैद्य की अध्यक्षता. प्रबंधक संजय चौरे, प्राचार्या श्रीमती श्रद्धा कांड्रा के मार्गदर्शन तथा समस्त शैक्षणिक स्टॉफ व छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में स्वच्छता उत्सव मनाया गया। 17 सितंबर 2025 से शुरु हुए इस अभियान के तहत सर्वप्रथम संस्थान में अध्यनरत छात्र-छात्राओं कार्यरत कर्मचारियों, शिक्षकों द्वारा स्वच्छता की शपथ ली गई। तत्पश्चात संस्थान में छात्र-छात्राओं की सहभागिता से स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें संस्थान परिसर एवं संस्थान के आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई की गई तथा छात्र-छात्राओं द्वारा आम लोगों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता के महत्व को बताया गया। विद्यार्थियों में स्वच्छता के भाव को जागृत करने के लिए विभिन्न विधाओं जैसे निबंध, कविता. स्लोगन गईटिंग, प्रश्नोत्तरी तथा पेंटिग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त विद्यार्थियों ने उतसाहपूर्वक भाग लिया गया ।

विद्युत करंट की चपेट में आने सें मौत

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी अनुभाग के बहेला थाना अन्तर्गत ग्राम ठेमा निवासी गोपाल पिता नत्थू लाल कुराहे उम्र 48 वर्ष की विद्युत करंट की चपेट में आने मौत हो गई। घटना 1 अक्टूबर के सुबह 11 बजे की बताई जा रही है। बहेला पुलिस को मृतक गोपाल कुराहे के पुत्र ने जानकारी में बताया कि मै अपने पिता और ग्राम दरबड़ा के राकेश लिल्हारे के साथ अपने खेत में लगी फसल में कीटनाशक दवा का छिडकांव करने गये हुये थे मेरे पिताजी धान की फसल में मशीन से छिडकांव करते समय मेढ किनारे में पड़े टूटे हुये तार का हटाने के लिये उठाये तो वह जमीन पर गिर गये तो मै दौडकर उनके हाथ में रखे तार को खिंचा और राकेश को आवाज लगाया वह भी आये मैने पिताजी के सीने को दबाया तो वह उठकर बैठे और थोडी देर बाद गिर गये तब मैने अपने घर पर फोन कर घटना की बात अपनी बड़ी बहन को बताया थोडी देर बाद मेरे चाचा प्रदीप कुराहे अपनी कार लेकर खेत आ गये उनके साथ गांव के अन्य लोग भी आ गये पिताजी को निजी वाहन मे लेकर बहेला अस्पताल ले गये जहां डाक्टर के द्वारा गोंदिया रिफर कर दिया गया, गोंदिया के यूनाईटेड अस्पताल लेकर गये जहां करीब 2 बजे उपस्थित डक्टर्स के द्वारा जांच की गई तो मेरे पिताजी गोपाल कुराहे की मृत्यू होना बताया। शव को सिविल अस्पताल लांजी लाया गया तथा लांजी पुलिस को उक्त संबंध मे सूचना दी गई। शव का पीएम कर शव परिजनों को सौंपा दिया गया है बहेला थाना के द्वारा मर्ग कायम कर जांच में लिया जायेगा।

शाश्वत हिंदू गर्जना पत्रिका का शताब्दी वर्ष विशेषांक का किया विमोचन

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी सौ वर्ष की यात्रा 2 अक्टूबर, 2025 में पूर्ण करने वाला है। शताब्दी वर्ष के महत्वपूर्ण समय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाकौशल प्रांत द्वारा 32 वर्षो से लगातार प्रकाशित मासिक पत्रिका शाश्वत हिन्दू गर्जना विजयादशमी विशेषांक 2025 का विमोचन मंगलवार दिनांक 30 सितंबर को मुख्य अतिथि राजकुमार कर्राहे विधायक लाँजी एवं जिला सह प्रचार प्रमुख संतोष मोरघड़े की उपस्थिति में बस स्टैंड लाँजी दुर्गा स्थल पर सम्पन्न हुआ। विमोचन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सह प्रचार प्रमुख संतोष मोरघड़े ने शास्वत हिन्दू गर्जना विजयादशमी विशेषांक 2025 पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पत्रिका में संघ की 100 वर्ष की यात्रा में कितने उतार चढ़ाव आए हैं उनका सामना संघ ने कैसे किया सभी परिस्थितियों के बीच भी अखंड भारत और हिंदू राष्ट्र के अपने दृढ़ संकल्प पर लगातार आगे बढ़ता रहा। संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नई दिल्ली में आयोजित 3 दिवसीय व्याख्यान माला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का व्याख्यान और उस व्याख्यान के माध्यम से 100 वर्ष की संघ यात्रा नए क्षितिज के संबंध में बताया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान संघ पर देश के महापुरुषों की दृष्टि पर बताया गया। संघ का विश्वास है कि व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण संभव है। शताब्दी वर्ष में संघ द्वारा लक्षित पंच परिवर्तन स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन विषयों पर विस्तृत रूप से बताया गया साथ ही साथ-साथ संघ की पत्र पत्रिकाओं को ग्राम बस्ती तक अधिक से अधिक पहचान के लिए आह्वान किया गया। विमोचन समारोह में पूर्व सरपंच योगेश रामटेककर, कैलाश गोस्वामी, देवेश एडे, मधुकर आसटकर, राजू मोहारे, रूपचंद रामटेककर, राजा महिमेहरो, बबली मिश्रा, सुधीर चौहान, सतीश दुरूगकर, बबलू सिवालिया, कमलेश बडघैया, देवानंद कुर्वे एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

एनसीआरबी रिर्पोट, रेप के मामालो में

मप्र देश में तीसरे, हत्या के मामलो में चौथे नंबर पर

सोशल मीडिया के जरिए आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में एमपी दूसरे नंबर

भोपाल। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में गंभीर अपराधिक मामलो में मध्य प्रदेश देश किसी तरह की वारदातो में तीसरे तो किसी में चौथे नंबर पर रहा। (एनसीआरबी) की 2023 की रिपोर्ट के आंकड़ो पर नजर डाली जाये तो यह बात समने आती है की कई अपराधों में एमपी की स्थिति में सुधार हुआ है, तो कुछ अपराधों में हालात लगातार काफी गंभीर होत ते जा रहे हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ो के अनुसार मध्य प्रदेश देश में दर्ज बलात्कार के मामलों में तीसरे नंबर पर रहा है। साल 2023 में एमपी में रेप के 2,979 मामले दर्ज किए गए। वहीं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के खिलाफ होने वाले अपराधों में प्रदेश की स्थिति का बीते वर्ष की तुलना में काफी सुधार हुआ है, लेकिन सर्वाधिक संख्या की दृष्टि से अब भी यह दूसरे नंबर पर है। साल 2023 में इनके विरुद्ध अपराध के 2,858 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में यह संख्या 2,979 थी।

सायबर अपराधो के एमपी में कम मामले, कर्नाटक में सबसे अधिक

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार साइबर अपराधों को लेकर एमपी के लोग अन्य प्रदेशो की तुलना में काफी अवेयर है। कर्नाटक, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट, तमिलनाडु जैसे राज्यों में इस तरह की अधिक वारदाते हुई है। एनसीआरबी की वर्ष 2023 की रिपोर्ट अनुसार मध्य प्रदेश में वर्ष 2023 में 685 साइबर अपराध हुए। इनमें से 191 अपराध कंप्यूटर से संबंधित हैं। इन अपराधों को विभिन्न केटेगरी में बांटा गया है। वहीं कर्नाटक में 21 हजार 889, तमिलनाडु में 18 हजार 236, उत्तर प्रदेश में 10 हजार 794, महाराष्ट्र में 8 हजार 103, तमिलनाडु में 4 हजार 121 अपराध दर्ज हुए। साल 2022 में प्रदेश में 826 साइबर अपराध दर्ज हुए थे। जो वर्ष 2023 में घट गए।

सोशल मीडिया के जरिये खुदकुशी के लिये उकसाने के मामले अधिक

एनसीआईबी की रिपोर्ट में बताया गया है कि संचार माध्यम जैसे मोबाइल फोन आदि के जरिए आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में मध्य प्रदेश दूसरे नंबर पर है। पहले नंबर पर महाराष्ट्र है। एमपी में इस तरह से आत्महत्या के लिए उकसाने के पांच मामले सामने आए हैं। जबकि महाराष्ट्र में यह संख्या आठ है।

हत्या के मामले में प्रदेश चौथे नंबर पर

हत्या की घटनाओं में प्रदेश चौथे स्थान पर रहा। साल 2023 में मध्य प्रदेश में 1,832 लोगों की हत्या हुई। हालांकि, यह संख्या पिछले सालो की तुलना में कम है। साल 2021 में 2,034 और 2022 में 1,978 लोगों की हत्या हुई थी। देश में हत्या के सर्वाधिक 3,206 मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए।

महिला संबधी अपराधो में स्थिति गंभीर

महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी मध्य प्रदेश की स्थिति गंभीर रही। साल 2023 में प्रदेश देश में पांचवें स्थान पर रहा। उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक 66,381 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101, राजस्थान में 45,450, पश्चिम बंगाल में 34,691 और मध्य प्रदेश में 32,342 मामले समाने आए।

खुदकुशी के 15 हजार 662 मामले

आत्महत्या के मामलों में मध्य प्रदेश तीसरे नंबर पर रहा। एमपी में 15 हजार 662 लोगों ने आत्महत्या की। इसमें महाराष्ट्र 22,687 खुदकुशी के मामलों के लिये पहले और तमिलनाडु 19,483 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

अपनी साख बचाने सरकार ने देर रात 4 शासकीय नर्सिंग कॉलेजो को और दी मान्यता

- बिना प्राचार्य के लंबे समय से संचालित हो रहा बीएमएचआरसी, सीबीआई ने भी बताया था डिफिशिएंट

- वहीं 13 कालेजो को अभी भी नहीं दी गई मान्यता

भोपाल। मध्यप्रदेश के चर्चित नर्सिंग कॉलेज घोटाले में मंगलवार को कॉलेजों की मान्यता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए। एनएसयूआई के लगातार विरोध के बाद सरकार ने आनन-फानन में 4 शासकीय नर्सिंग कॉलेजों को और मान्यता प्रदान कर दी। एनएसयूआई का आरोप है कि हैरानी की बात यह है, कि इनमें वे कॉलेज भी शामिल हैं जो मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल के नियमों का पालन नहीं कर रहे, जिनमें भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) का नर्सिंग कॉलेज प्रमुख है। जिन 4 कालेजो की मान्यता दी गई है, उनमें भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी), शासकीय कालेज आफ नर्सिंग मेडिकल कॉलेज जबलपुर, शासकीय कॉलेज आफ नर्सिंग ग्वालियर और शासकीय कॉलेज आफ नर्सिंग जबलपुर के नाम शामिल है। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने आरोप लगाते हुए कहा कि बीएमएचआरसी नर्सिंग कॉलेज का नवीनीकरण आवेदन ही नियमानुसार नहीं किया गया। नियमानुसार किसी भी नर्सिंग कॉलेज में प्राचार्य एवं उप-प्राचार्य का होना अनिवार्य है, लेकिन बीएमएचआरसी का कॉलेज लंबे समय से बिना प्राचार्य या प्रभारी प्राचार्य के भरोसे संचालित हो रहा है। इतना ही नहीं, उप-प्राचार्य प्रभा गजपाल की पदोन्नति भी नियम विरुद्ध की गई है। उन्हें एसोसिएट प्रोफेसर से सीधे उप-प्राचार्य बना दिया गया, जो कि इंडियन नर्सिंग काउंसिल के नियमों के विरुद्ध है। इसके अलावा कॉलेज में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर जैसै आवश्यक पद खाली पड़े हैं। शेष फैकल्टी आउटसोर्सिंग एजेंसियों पर निर्भर हैं, वहीं जो फैकल्टी कार्यरत हैं उनके अनुभव प्रमाण पत्र में भी गंभीर विसंगतियां पाई गई हैं। उनका यह भी कहना है की सीबीआई की रिपोर्ट में भी बीएमएचआरसी नर्सिंग कॉलेज को डिफिशिएंट कैटेगरी में रखा गया था। इससे सबंधित रिर्पोट में सीबीआई ने पोषण प्रयोगशाला, ए.वी. सहायता प्रयोगशाला और उन्नत कौशल प्रयोगशालाएं उपलब्ध नहीं होने, सभी प्रयोगशालाओं में आवश्यक सामग्री एवं उपकरणों की कमी होने, 8 कक्षाओं के बजाय केवल 4 कक्षाएं संचालित होने और जीएनएम कार्यक्रम को बीएससी कार्यक्रम में अपग्रेड करने लेकिन स्टाफ को अपग्रेड नहीं किये जाने जैसी प्रमुख कमियों का उल्लेख किया है।

2025-26 के प्राइवेट कालेजों की मान्यता संदेह के घेरे में

परमार ने आगे कहा कि वर्ष 2025-26 के प्राइवेट कालेजों की मान्यता संदेह के घेरे में हैं, कहीं ना कहीं एक बड़े फर्जीवाड़े की पुनरावृति शासन और प्रशासन द्वारा की जा रही है, जिसकी सीबीआई से की जायेगी साथ ही हाईकोर्ट को भी अवगत करवाएंगे की फर्जी कालेजों की शिकायतों के बावजूद मान्यता किस आधार पर दे दी गई। वहीं जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि यह बेहद गंभीर विषय है, कि सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है, कि यदि सरकार तत्काल कार्रवाई कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही नहीं करती और नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं करती तो छात्रों के हितों की रक्षा हेतु एनएसयूआई सड़क से सदन तक आंदोलन करगी।

एसटीआर को मिले नए टूरिस्ट व्हीकल,वन्यजीव सप्ताह का शुभारंभ, सीएम बोले

उज्जैन और जबलपुर में बनेंगे जू; चीता-हाथी मित्र जैसे कई प्रोजेक्ट पर काम चल रहा

भोपाल। भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क से बुधवार को राज्य स्तरीय वन्यप्राणी सप्ताह का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन और जबलपुर में नए जू बन रहे हैं। वहीं, लेपर्ड, मगरमच्छ, हाथी, घडियाल और सभी वन्य जीव संरक्षण में हम नंबर-1 हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन विभाग जल, थल और नभ में इको सिस्टम बनाने पर काम कर रहा है। प्रदेश में चीता मित्र, हाथी मित्र जैसे कई प्रोजेक्ट्स पर काम हो रहा है। डॉ. यादव ने गिद्धों के संरक्षण के लिए वन विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। साढ़े 18 करोड़ रुपए की राशि लाभांश के रूप में वितरित की गई। इससे पहले उन्होंने गोल्फ ई-कार्ट और सफारी व्हीकल्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सप्ताह 1 से 7 अक्टूबर तक चलेगा। वन्य विहार में पेट्रोल और डीजल वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई है। सिर्फ ई-वाहनों को ही एंट्री दी जाएगी।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के वाहनों का भी लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के पर्यटक वाहनों का लोकार्पण किया। वहीं, वन विहार में वन्यजीव संबंधित पुस्तक और पोस्टर का विमोचन किया। वहीं, वन्य प्राणी संरक्षण पुरस्कार भी दिए।

अब कॉलेजों में होगी सरकारी नौकरी की तैयारी

- एमपीपीएससी, यूपीएससी, रेलवे समेत कई कोर्स शामिल

भोपाल। प्रदेश भर के कॉलेज के छात्रों के लिए एक नई व्यवस्था लागू की जा रही है। आगामी तीन माह तक छात्रों को दिवस विशेष के माध्यम से न सिर्फ देश के महापुरुषों की जानकारी दी जाएगी, बल्कि संस्कृति, प्रदेश, सेना, संविधान सहित तमाम अन्य चीजों के बारे में बताया जाएगा। इसका एक लाभ यह भी होगा कि प्रत्येक दिवस विशेष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को जो जानकारी दी जाएगी, वह उनकी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी काम आएगी।

दरअसल, उच्च शिक्षा विभाग ने स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत आगामी तीन माह यानि अक्टूबर से दिसंबर तक प्रदेश के युवाओं का बहुमुखी विकास करने के लिए यह योजना तैयार की है, जो एक अक्टूबर से लागू हो जाएगी। वहीं दो अक्टूबर को इसका पहला सत्र पूरे प्रदेश के कॉलेजों में आयोजित होगा। विभाग ने तीन माह का पूरा एक कैलेंडर जारी किया है जो प्रत्येक माह में तीन से पांच दिवस विशेष के आधार पर अलग-अलग गतिविधियों के आधार पर विद्यार्थियों की जानकारी बढ़ाएगा। विभाग ने जारी आदेश में यह स्पष्ट किया है कि अगर कॉलेज इस मामले में लापरवाही करता है तो इसके लिए उन्हें समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

इन प्रतियोगी परीक्षाओं में मददगार होंगे

प्रदेश भर के कॉलेज के छात्रों के लिए जो एक नई व्यवस्था लागू की गई है उसमें राज्य सेवा परीक्षा, रेलवे परीक्षा, यूपीएससी परीक्षा, बैंकिंग परीक्षा, एसएससी परीक्षा, पुलिस की भर्ती परीक्षा और संघ लोक सेवा आयोग आदि की तैयारी कराई जाएगी। विभाग द्वारा जारी किए गए इस कैलेंडर में विभिन्न गतिविधियों को शामिल किया गया है, जो विषय विशेषज्ञ के साथ पूरी की जाएगी। इसमें व्याख्यान, प्रेरणादायक भाषण, क्विज प्रतियोगिता, सेमिनार और कार्यशालाएं शामिल हैं। इसके अलावा कई दिवस विशेष ऐसे भी रहेंगे जिनमें करियर मेला, डाक्यूमेंट्री फिल्म की स्क्रीनिंग, रोजगार परामर्श सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। ऐसा नहीं है कि सिर्फ इस कैलेंडर को औपचारिकता के लिए तैयार कर दिया गया है, इसका पालन भी अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इसकी निगरानी भोपाल से होगी, जिसकी मासिक रिपोर्ट हर माह विभाग को भेजना होगी। इसका बाकायदा पूरा एक फोर्मेट है जो विभाग ने कालेजों को उपलब्ध करवाया है।

गांधी जयंती पर भोपाल की 222 पंचायतों में होंगी सभाएं

पीएम आवास-भावांतर पर करेंगे चर्चा; आयुष्मान के बारे भी बताएंगे

भोपाल। गांधी जयंती के मौके पर गुरुवार को भोपाल जिले की कुल 222 ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाएं होंगी। इनमें पीएम आवास, भावांतर समेत कई योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी जाएगी। अगले दिन यानी, 3 अक्टूबर को हर गांव में सभाओं का आयोजन होगा।

सभा को लेकर बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अफसरों को निर्देश दिए गए। भोपाल में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, जिला पंचायत सीईओ ईला तिवारी कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। वहीं, ग्राम पंचायतों में सभाओं को लेकर तैयारियां शुरू की गई। नोडल अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि ग्राम सभा के आयोजन के दौरान संबंधित अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। वहीं, गांवों में भी सभाएं होंगी।

कई विभागों की योजनाओं के बारे में देंगे जानकारी

गांधी जयंती के मौके पर कई विभागों की योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। 5 वर्ष की अवधि पूरी कर चुकी वन समितियों के पुनर्गठन पर चर्चा होगी। खाद्यान्न वितरण समेत अन्य योजना के बारे में ग्रामीणों को बताएंगे। पंचायत में ओएसआर सृजन बढ़ाने पर चर्चा होगी। अटल ई-सेवा केंद्र और ई-कोर्ट की स्थापना के बारे में बताया जाएगा। सिकल सेल एनीमिया पर चर्चा और श्मशान स्थलों को लेकर निर्देश जारी किए जाएंगे। इसके अलावा महिला सभा को मजबूत बनाने, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा। पीएम आवास की जानकारी दी जाएगी। महिला श्रमिकों की भागीदारी बढ़ाने और जल गंगा संवर्धन अभियान एवं अमृत सरोवर 2.0 पर चर्चा होगी। लखपति दीदी इनिशिएटिव अंतर्गत वर्ष 2024-25 में लखपति श्रेणी में आई एवं सीएलएफ से सत्यापित लखपति दीदी की सूची का वाचन किया जाएगा। नशामुक्त भारत अभियान, पेंशन भोगी हितग्राही, दिव्यांगजनों के अधिकारों के बारे में भी बताया जाएगा। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के जरिए दी जा रही 12 प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाओं पर चर्चा होगी।

मध्यप्रदेश में अक्टूबर में भी होगी बारिश

प्रदेश में मौसम सुहावना, गर्मी-ठंड-बारिश तीनों का संगम

भोपाल। मध्यप्रदेश में न की विदाई का समय आ चुका है, लेकिन मौसम ने जाते-जाते भी राहत दी है। प्रदेश में बारिश का सिलसिला अब भी बना हुआ है। मंगलवार को भोपाल समेत 10 जिलों में बारिश हुई और अगले 4 दिन तक मौसम ऐसे ही बने रहने का अनुमान है। दशहरे के दिन भी बारिश हो सकती है। वहीं अब तक 12 जिलों से मानसून की विदाई हो चुकी है। 10 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश से मानसून लौट जाएगा।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अक्टूबर में मौसम बदलाव की स्थिति बनी रहती है। आसमान साफ होने से दिन में तेज धूप और रात में ठंडक महसूस होती है। उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण बारिश के हालात बने हुए हैं।

तापमान 39 डिग्री तक पहुंचा

मंगलवार को ग्वालियर में तापमान 39 डिग्री तक पहुंच गया है, वहीं भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर में बारिश के साथ ठंडक का अहसास शुरू हो गया है। मौसम विभाग का कहना है कि अक्टूबर बदलाव का महीना होता है। दिन में गर्मी और रात में हल्की ठंड रहती है।

गुना में सबसे अधिक 65.6 इंच वर्षा दर्ज

16 जून को मानसून मध्यप्रदेश में प्रवेश किया था, जो सामान्य समय से एक दिन देरी से था। इस बार गुना में सबसे अधिक 65.6 इंच वर्षा दर्ज की गई। मंडला और रायसेन में 62 इंच से अधिक, श्योपुर और अशोकनगर में 56 इंच से ज्यादा पानी गिरा।शाजापुर, खरगोन, खंडवा, बड़वानी और धार में सबसे कम बारिश हुई है। इंदौर संभाग की स्थिति भी सितंबर में सुधरी। पहले जहां इंदौर में बारिश सामान्य से काफी कम थी, वहीं अब वह अपने औसत को पूरा कर चुका है। उज्जैन जिले में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है।

ओबीसी आरक्षण से संबंधित मध्यप्रदेश शासन के हलफनामे के संबंध में स्पष्टीकरण

भोपाल। राज्य शासन के संज्ञान में यह आया है कि कतिपय शरारती तत्वों द्वारा सोशल मीडिया पर यह कहते हुए कुछ टिप्पणियां/सामग्री वायरल की जा रही है कि वह टिप्पणियां माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत मध्यप्रदेश शासन के ओबीसी आरक्षण से संबंधित प्रकरण के हलफनामे का भाग है।

शासन द्वारा उक्त शरारती सामग्री का गंभीरता से परीक्षण कराया गया है ढ्ढ माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष पिछड़ा वर्ग आरक्षण के प्रचलित प्रकरण में अभिलेख के प्रारंभिक परीक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि उल्लेखित सोशल मीडिया की टिप्पणियां एवं कथन पूर्णत: असत्य, मिथ्या एवं भ्रामक है एवं दुष्प्रचार की भावना से किए गए हैं।

यह स्पष्ट किया जाता है कि वायरल की जा रही सामग्री मध्यप्रदेश शासन के हलफनामे में उल्लेखित नहीं है एवं ना ही राज्य की किसी घोषित या स्वीकृत नीति अथवा निर्णय का भाग हैं ।

प्रथम दृष्टया यह ज्ञात हुआ है कि वस्तुत: उल्लेखित सामग्री मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, अध्यक्ष रामजी महाजन द्वारा प्रस्तुत अंतिम प्रतिवेदन (भाग-1) का हिस्सा हैं। उक्त आयोग का गठन दिनांक 17-11-1980 को किया गया था। आयोग द्वारा दिनांक 22-12-1983 को अपना अंतिम प्रतिवेदन तत्कालीन राज्य शासन को प्रेषित किया था।

सिरप पीने से 6 बच्चों की मौत, स्वास्थ्य विभाग ने लगाई रोक

भोपाल। मध्य प्रदेश में सर्दी खांसी की दवा से बच्चों की मौत की आशंका जताई जा रही है। प्रदेश में अब तक 6 बच्चों की मौत हुई है। कई बच्चों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। दोनों राज्यों में शुरुआती जांच में खांसी की दवा को कारण माना जा रहा है, हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। कई रिपोर्ट आना बाकी है। राजस्थान में सरकारी अस्पतालों में दवा वितरित की गई थी।

छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने बताया कि परासिया समेत विभिन्न इलाकों में बच्चों को सर्दी खांसी हो रही थी। अगस्त और सितंबर महीने में ऐसे मामलों में इजाफा हुआ। इलाज के लिए बच्चों को अस्पताल ले जाया गया। वहां पर बच्चों का इलाज शुरू हुआ। अगस्त के आखिरी हफ्ते में कुछ बच्चों की तबीयत ज्यादा खराब हो गई। ऐसा तब हुआ जब बच्चों को खांसी, बुखार और सर्दी रोकने के लिए दवा दी गई। सीएमएचओ डॉ. नरेश गुन्नाडे के मुताबिक 24-25 अगस्त को ऐसे मामलों की संख्या बढ़ गई। सितंबर के पहले हफ्ते में बच्चों की तबीयत ज्यादा खराब होने लगी और एक बच्चे की मौत हो गई। प्रशासन के अनुसार बच्चों का बुखार कम नहीं हो रहा था और पेशाब करने में उनको परेशानी हो रही थी। प्रशासन ने अलग-अलग इलाकों से पानी के सैंपल लिए और जांच के लिए पुणे भेजे। जब बच्चों की मौत का आंकड़ा बढने लगा तो दिल्ली और भोपाल से टीमें छिंदवाड़ा पहुंची। अलग-अलग इलाकों से पानी के सैंपल लिए गए। पर किसी बैक्टीरिया या वायरस की पुष्टि नहीं हुई। इसके बाद कुछ बच्चों को नागपुर में भर्ती कराया गया। वहां पर चार बच्चों की मौत हो गई। इसके बाद इन बच्चों की किडनी की बॉयोप्सी करवाई गई। इसमें खुलासा हुआ कि सिरप में डायएथिलीन ग्लायकॉल खराब है।

सीएमएचओ ने बताया कि सभी टीमों की मीटिंग के बाद ये पाया गया कि कुछ दवाएं भी बच्चों पर गलत असर डाल सकती हैं, इस वजह से अभी कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही सलाह दी गई है। इसका इस्तेमाल सावधानी पूर्वक किया जाए। जांच रिपोर्ट आने के बाद इस सिरप के असर के बारे में कुछ पुख्ता तौर पर कहा जा सकता है।उन्होंने बताया कि परासिया में अलग से वार्ड बनाया गया है। अब तक छह बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें कारण किडनी फेल होना है। केन्द्र और राज्य से स्वास्थ्य विभागों की टीमें आई हुई हैं जो जांच कर रही हैं। अभी उनकी रिपोर्ट आना बाकी है। सीएमएचओ ने बताया कि यहां पर कोई महामारी नहीं है। बच्चों के ब्लड सैंपल लिए गए हैं, जिनको पुणे के वायरोलॉजी इंस्टीट्यूट भेजा गया है। गांवों से पानी के सैंपल भी लिए गए हैं। अभी तक करीब 3 हजार ब्लड सैंपल लिए जा चुके हैं।

मप्र नगरीय निकायों में लागू होगी फेस अटेंडेंस व्यवस्था

भोपाल । इंदौर की तर्ज पर मध्य प्रदेश के सभी नगर निगमों में फेस अटेंडेंस (चेहरे से उपस्थिति) व्यवस्था लागू की जाएगी। इसको लेकर अब नगरीय विकास एवं आवास विभाग नगर निगमों को पत्र लिखेगा। दरअसल, निगमों में कर्मचारियों की सेवाओं को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि रिकॉर्ड में कर्मचारी सेवारत है लेकिन वे ड्यूटी पर कभी-कभार ही आते हैं। कई कर्मचारी तो निगम के रिकार्ड में होकर मंत्री और अधिकारियों के बंगलों पर सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में अब नगरीय विकास एवं आवास विभाग यह अनिवार्यता करने जा रहा है कि निगम के अधिकारियों से लेकर प्रत्येक कर्मचारी की फेस अटेंडेंस व्यवस्था की जाए। इसके अलावा पेट्रोल-डीजल की चोरी रोकने के लिए भी व्यवस्था का डिजिटलाइजेशन किया जाएगा।

विभाग में करीब 90 हजार संविदा व विनियमित और 50-55 हजार नियमित कर्मचारी हैं। संविदाकर्मियों की हाजिरी ठेकेदार भेजता है, जिससे गड़बड़ी की आशंका रहती है। विभाग अनुसार 10-15 प्रतिशत कर्मचारी ऐसे हैं, जो काम पर नहीं आते पर वेतन लेते हैं। पहले बायोमीट्रिक अटेंडेंस शुरू की गई थी, लेकिन उसका भी तोड़ निकाल लिया था। बिजली, ईंधन और स्थापना व्यय की बचत के लिए भी कार्ययोजना बनाई जा रही है। बता दें कि नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय में भी फेस अटेंडेंस व्यवस्था लागू है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

अहमदाबाद। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में बुलंद हौंसले से उतरेगी। भारतीय टीम ने जहां रविवार को एशिया कप जीता है। वहीं वेस्टइंडीज को नेपाल के खिलाफ टी20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे अंदाजा होता है कि वह कितनी कमजोर हो गयी है। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य वेस्टइंडीज पर बड़ी जीत दर्ज करना रहेगा। ये सीरीज जीतकर भारतीय टीम के पास विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए अंक हासिल करने का अच्छा अवसर है। इससे पहले भारतीय टीम ने इंग्लैंड दौरे पर पर भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने के सफलता हासिल की थी। भारतीय टीम को इस सीरीज में घरेलू हालातों का भी लाभ

मिलेगा। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज 2025-27 डब्ल्यूटीसी चक्र में तीन टेस्ट हार चुकी है और बेहद खराब दौर से गुजर रही है। उसके तेज गेंदबाज शमार जोसेफ और अलजारी जोसेफ चोट के कारण बाहर हैं, जिससे गेंदबाजी की कमजोर हुई है। ऐसे में टीम में शामिल बाएं हाथ के दो स्पिनरों जोमेल वारिकन और तेज गेंदबाज जेडेन सील्स पर बड़ी जिम्मेदारी होगी।

वहीं इस सीरीज के लिए भारतीय टीम में कई बदलावों के साथ उतरेगी। अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, और युवा बल्लेबाज बी साई सुदर्शन टीम में शामिल रहेंगे। स्पिन की कमान अनुभवी रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव के पास रहेगी। इसके अलावा वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल को भी अवसर मिल सकता है। आंकडों पर नजर डालें तो

साल 2002 के बाद से भारतीय टीम कोई मैच नहीं हारी है। इस दौरान हुई कुल 8 सीरीज हुई जो सभी भारतीय टीम ने जीतीं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं टीमें-

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, एन जगदीशन, देवदत्त पडिक्कल, बी साई सुदर्शन, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

वेस्टइंडीज- रोस्टन चेस (कप्तान), केवलोन एंडरसन, एलिक अथानाजे, जॉन कैंपबेल, तेजनारायण चंद्रपॉल, शाई होप, टेविन इमलाच, ब्रेंडन किंग, जस्टिन ग्रीव्स, जोहान लेन, खारी पियरे, जोमेल वारिकन, जेडेन सील्स, एंडरसन फिलिप, जेडिया ब्लेड्स।

महिला विश्वकप में भी छाया रहेगा हाथ नहीं मिलाने का मामला

मुम्बई। एशिया कप में जिस प्रकार भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था। वैसा ही पांच अक्टूबर को महिला विश्वकप में भी देखने को मिल सकता है। इस दिन कोलंबो में भारत और पाकिस्तान की महिला टीमों के बीच मुकाबला है। माना जा रहा है कि भारतीय महिला टीम भी पाक टीम से दूरी बना कर रहेगी। जिस प्रकार से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच दूरियां बढ़ी हैं। उससे भी ये संभावना बढ़ गयी है।

अभी तक बीसीसीआई या टीम कप्तान हरमनप्रीत कौर की ओर से कोई बयान नहीं आया है। वहीं ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कहा है कि अभी इस पर कुछ नहीं का जा सकता। उन्होंने कहा कि टीम अभी वर्तमान सीरीज पर ध्यान केंद्रित कर रही है और इस मामले को समय आने पर देखा जाएगा। वहीं नियमों के अनुसार इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) दबाव नहीं बना सकती है क्योंकि हाथ मिलाने का कोई नियम नहीं है बल्कि ये परंपरा है जो खेल भावना के कारण निभाई जाती है।

वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यूथ टेस्ट में शतक लगाया

ब्रिसबेन। भारत के उभरते हुए क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यूथ टेस्ट मैच के दूसरे दिन 78 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। ऑस्ट्रेलिया की अंडर 19 टीम के गेंदबाजों पर वैभव ने जमकर चौके, छक्के लगाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार र रहा। वैभव ने 86 गेंदों में ही 9 चौके और 8 छक्कों की सहायता से 113 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 131 से अधिक था। वैभव इस इस मैच में सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे के साथ मिलकर पारी की जोरदार शुरुआत की और टीम को 200 के ऊपर पहुंचा दिया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पहले खेलते हुए अपनी पहली पारी में 243 रन बनाये थे।

मोहसिन नकवी पर भड़के शाहिद अफरीदी, गृह मंत्री और पीसीबी प्रमुख में से एक पद छोड़ें

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख मोहसिन नकवी के दो-दो पदों पर रहने को लेकर निशाना साधा है। अफरीदी ने कहा है कि वह किसी एक पद को छोड़ें। नकवी इस समय एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के चेयरमैन और पीसीबी प्रमुख होने के साथ ही देश के गृह मंत्री भी हैं। जिस प्रकार नकवी से भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप जीतने के बाद ट्रॉफी लेने से इंकार कर दिया। उससे पाक मीडिया में भी नकवी की किरकिरी हुई है। ऐसे में अफरीदी ने नकवी से कहा है कि या तो वे पीसीबी के चीफ बने रहें या फिर गृह मंत्रालय पर ध्यान दें।

अफरीदी का कहना है कि उनके पीसीबी प्रमुख रहते टीम को कोई फायदा नहीं हुआ। नकवी अपने सलाहकारों के भरोसे रहते हैं। अफरीदी ने कहा, नकवी साहब को मेरी यह सलाह है कि ये दोनों बहुत अहम पद हैं और ये बड़े काम हैं, जिनमें समय लगता है। साथही कहा कि पीसीबी गृह मंत्रालय से बिल्कुल अलग है, इसलिए इसे अलग ही रखा जाना चाहिए। अफरीदी ने स्वीकार किया कि यह कोई आसान कदम नहीं है पर फिर भी कि यह ऐसा कदम है जो पाक क्रिकेट में जरुरी है। उन्होंने कहा, यह एक बड़ा फैसला होगा और इसे जल्द से जल्द लिया जाना चाहिए। पाकिस्तान क्रिकेट को विशेष ध्यान और समय की जरुरत है। खेल को आगे ले जाने के लिए पूरी तरह से सलाहकारों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता।

अफरीदी ने नकवी को आगे सलाह दी, ये सलाहकार उन्हें कहीं नहीं ले जा रहे हैं और वो स्वयं भी कहते हैं कि उन्हें क्रिकेट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्हें अच्छे और काबिल सलाहकारों की जरुरत है। इस समय पाक टीम बेहद खराब हालत में है जिसके लिए पीसीबी को प्रयास करने होंगे।

अमनजोत के साथ हुई शतकीय साझेदारी से बदल मैच - दीप्ति

गुवाहटी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप के पहले ही मैच में श्रीलंका के खिलाफ मिली जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि अमनजोत कौर के साथ उनकी शतकीय साझेदारी से मैच में बदलाव आया। भारतीय टीम ने बारिश से प्रभावित इस मैच को डकवर्थ लुईस प्रणाली के तहत जीता। वहीं भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि ये मुकाबला आसान नहीं था। कप्तान ने अच्छे प्रदर्शन के लिए गेंदबाजों के साथ-साथ ही बल्लेबाजों की भी जमकर प्रशंसा की।

भारतीय टीम ने इस मैच में दो ओवर के अंदर ही चार विकेट खो दिए थे। वहीं छह विकेट पर उसका स्कोर 124 रन था। इसके बाद दीप्ति 53 रन और अमनजोत 57 रन के बीच हुई 103 रनों की साझेदारी से मैच में भारतीय टीम ने वापसी की। भारतीय टीम ने आठ विकेट पर 269 रन बनाये थे। वहीं हरलीन देओल ने 48 रन बनाये।

इसके बाद भारतीय टीम से मिले 271 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम 45.4 ओवर में 211 रन ही बना पायी। भारतीय टीम की ओर से दीप्ति ने 54 रन देकर तीन विकेट जबकि स्नेह राणा ने 32 रन देकर दो विकेट लिए। वहीं स्पिनर श्री चरणी ने 37 रन देकर दो विकेट लिए। श्रीलंकाई महिला टीम की ओर से कप्तान चामरी अटापट्टू ने सबसे अधिक 43 रन बनाये जबकि निलाक्षिका सिल्वा ने 35 रन बनाए।

अब आईएलटी 20 लीग में शारजाह वॉरियर्स से खेलेंगे दिनेश कार्तिक

शारजाह। पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक अब इंटरनेशनल टी20 लीग (आईएलटी 20) में खेलते हुए दिखेंगे। कार्तिक इस लीग के चौथे सत्र के लिए शारजाह वॉरियर्स टीम में शामिल हुए हैं। कार्तिक को वॉरियर्स टीम ने श्रीलंकाई विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की जगह शामिल किया है। कुशल ने निजी कारणों से इस लीग से नाम वापस ले लिया था। कार्तिक ने टीम में शामिल होने पर खुशी जताते हुए कहा, 'मैं डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 टूर्नामेंट के लिए शारजाह वॉरियर्स टीम से जुड़ गया है। ये एक युवा टीम है जो कुछ विशेष करना चाहती है। कोच जेपी डुमिनी के मार्गदर्शन में ये टीम निरंतर आगे बढ़ना चाहेगी।

कार्तिक ने कहा, 'शारजाह भी उन स्टेडियमों में से एक है जहां हर कोई खेलना चाहता है। शारजाह वॉरियर्स का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। कार्तिक ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की एसए20 लीग में पार्ल रॉयल्स से भी खेला था। वह आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आसीबी) के बल्लेबाजी कोच भी हैं।

वॉरियर्स के कोच डुमिनी ने कहा, ' कार्तिक सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं और उनके टीम में आने से का

काफी लाभ होगा। इसी कारण मैं डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के आगामी सत्र के लिए उन्हें अपनी टीम में पाकर बहुत खुश हूं।

नकवी हो सकते हैं गिरफ्तार, ट्रॉफी चोरी का मामला दर्ज कराने पर विचार कर रही बीसीसीआई

दुबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) जीतने के बाद भी भारतीय टीम को एशिया कप ट्रॉफी नहीं सौंपने के मामले को लेकर अब आर-पार के मूड मूड में है। बीसीसीआई इस मामले में एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के साथ ही पाक बोर्ड प्रमुख मोहसिन नकवी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज करा सकती है। दुबई में सख्त कानून को देखते हुए नकवी को जेल तक जाना पड़ा सकता है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई ने नकवी को ट्रॉफी भारतीय टीम को सौंपने के लिए तीन दिन का समय दिया है। ऐसा नहीं होने पर बीसीसीआई उसके खिलाफ मामला दर्ज करा देगी। नकवी पर आरोप है कि उन्होंने विजेता टीम को ट्रॉफी सौंपने की जगह पर उसे होटल ले जाकर रख दिया। इसपर बीसीसीआई ने कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे खेल भावना के विपरीत बताया है। साथ ही कहा कि इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

बीसीसीआई अब दुबई पुलिस में नकवी पर चोरी का मामला दर्ज करवाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। नकवी ने ना तो ट्रॉफी भारत को सौंपी है और ना ही उसको एसीसी के कार्यालय में भेजा है जिसे बीसीसीआई ने नियमों के खिलाफ बताया है। एसीसी की बैठक में भी इसी को लेकर बीसीसीआई ने नकवी की कड़ी आलोचना की थी। कई देशों के प्रतिनिधियों ने इस मामले पर नकवी का विरोध भी किया पर नकवी ट्राफ़ी भारत को नहीं सौंपने पर अड़े हुए हैं। बीसीसीआई ने नकवी पर ट्रॉफी चोरी और जबरन कब्जे की शिकायत दुबई पुलिस को करने पर विचार करना शुरु किया है। अब बीसीसीआई मामला दर्ज कराती है तो नकवी की गिरफ्तारी तय है। नकवी दुबई छोड़कर कर ट्रॉफी के साथ पाकिस्तान ना भाग पाएँ इसके लिए भी बीसीसीआई प्रयास कर रही है।

यहां चोरी के मामलों में 3 से 15 साल तक की कैद हो सकती है। ऐसे में नकवी फंसे तो लंबे समय तक जेल में रहेंगे।

भारत की ज़ोरदार शुरुआत

महिला विश्व कप के पहले मैच में श्रीलंका को 59 रनों से हराया

गुवाहाटी। आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 का आगाज़ गुवाहाटी में मेज़बान भारत के लिए एक यादगार जीत के साथ हुआ। बरसापारा स्टेडियम में हुए उद्घाटन मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को डीएलएस पद्धति से 59 रनों से हराकर अपने विश्व कप अभियान की दमदार शुरुआत की।

बारिश से प्रभावित इस 47-47 ओवर के मुकाबले में, भारत की युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिले-जुले प्रदर्शन ने टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला और एक रोमांचक जीत दिलाई।

मध्यक्रम ढहा, सातवें विकेट की मैच-बदलने वाली साझेदारी

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को श्रीलंकाई स्पिनर इनोका राणावीरा (4/46) की घातक गेंदबाज़ी ने बड़ा झटका दिया। राणावीरा ने शानदार स्पेल डालते हुए हरलीन देओल (48), कप्तान हरमनप्रीत कौर (21) और जेमिमा रोड्रिग्स (0) को सस्ते में चलता किया। एक समय भारत का स्कोर 26.6 ओवर में 124/6 हो गया था।

लेकिन यहाँ से शुरू हुई भारत की शानदार वापसी। विश्व कप में अपना पहला मैच खेल रहीं युवा अमनजोत कौर (57 रन, 56 गेंद) ने अनुभवी दीप्ति शर्मा (53 रन, 53 गेंद) के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 103 रनों की मैच-बदलने वाली साझेदारी की। इस साझेदारी की बदौलत भारत ने निर्धारित 47 ओवरों में 269/8 का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया, जिसमें अंत में स्नेह राणा के 15 गेंदों पर 28 रनों की तूफानी पारी का भी अहम योगदान रहा।

स्पिन का शिकंजा : श्रीलंका की बल्लेबाज़ी हुई ध्वस्त

271 रनों (डीएलएस संशोधित लक्ष्य) का पीछा करते हुए श्रीलंका ने कप्तान चमारी अथापथ्थु (43 रन) की बदौलत एक अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके आउट होते ही भारतीय स्पिनरों ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया। भारतीय स्पिन तिकड़ी - दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, और श्री चरणी ने श्रीलंकाई मध्यक्रम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। दीप्ति शर्मा ने गेंदबाज़ी में भी कमाल दिखाया और 3/54 विकेट लेकर अपनी ऑलराउंड क्षमता का प्रदर्शन किया, जिसमें अथापथ्थु का महत्वपूर्ण विकेट भी शामिल था। स्नेह राणा (2/32) और श्री चरणी (2/37) ने भी दबाव बनाए रखा। निलाक्षिका सिल्वा (35 रन) के अलावा कोई भी श्रीलंकाई बल्लेबाज भारतीय स्पिन के जाल से निकल नहीं पाया और श्रीलंकाई टीम 45.4 ओवर में 211 रन पर सिमट गई।

वेस्टइंडीज ने जीता तीसरा टी20, नेपाल ने सीरीज जीती

शारजार। वेस्टइंडीज ने यहां हुए तीसरे और अंतिम टी20 मैच में नेपाल को 10 विकेट से हरा दिया। हालांकि पहले दो मैच जीतने के कारण नेपाल की टीम ने सीरीज 2-1 से जीत ली। नेपाल की ये किसी भी आईसीसी के पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज जीत थी।

तीसरे मैच में वेस्टइंडीज की टीम के कप्तान अकील हुसैन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी शुरु की।

नेपाल की टीम 19.5 ओवर में 122 रन ही बना पायी। सबसे अधिक 39 रन कुशल भुर्तेल ने बनाए जबकि चार और बल्लेबाजों को शुरुआत मिली, लेकिन कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाया। वेस्टइंडीज की ओर से रैमन साइमंड्स ने चार विकेट लिस। वहीं दो विकेट जेडिया ब्लेड्स को मिले। वेस्टइंडीज की टीम ने 123 रनों के लक्ष्य को 12.2 ओवर में ही बिना हासिल कर लिया। आमिर जंगू ने 45 गेंदों में 74 रन बनाये।

आरएसएस की स्थापना के 100वीं वर्ष गांठ पर पीएम मोदी ने विशेष डाक टिकट और सिक्का जारी किया

भावना सिंघल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर एक विशेष डाक टिकट और सिक्का जारी किया। पीएम द्वारा जारी किए गए सिक्के के एक ओर भारत माता के सामने पारंपरिक मुद्रा में खड़े आरएसएस स्वयंसेवक दिखाए गए हैं। साथ ही सिक्के के पिछले हिस्से पर सिंह पर बैठी भारत माता की छवि के साथ तीन स्वयंसेवक देवी को सलामी देते हुए दिखाई देते हैं तो सिक्के के आगे की ओर अशोक स्तंभ का शेर अंकित किया हुआ है। आरएसएस का यह स्मारक सिक्का शुद्ध चांदी का है और इसका मूल्यवर्ग 100 रुपये है। इस सिक्के के ऊपर संघ का बोध वाक्य भी अंकित है-राष्ट्राय स्वाहा, इदं राष्ट्राय इदं न मम। पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह के मौके पर देश के प्रति आरएसएस के योगदान का जिक्र करते हुए एक विशेष रूप से डिजाइन किया गया स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया। इस दौरान पीएम ने संघ की प्रशंसा करते हुए कहा कि 1984 में सिख नरसंहार के दौरान, कई सिख परिवारों ने आरएसएस स्वयंसेवकों के घरों में शरण ली थी। यह स्वयंसेवकों का स्वभाव है। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी जब नागपुर आए थे तो आरएसएस की सादगी और समर्पण से बहुत प्रभावित हुए थे। पीएम मोदी ने सिक्का जारी करने के दौरान कहा कि पंजाब में बाढ़ और उत्तराखंड, हिमाचल और वायनाड में आई त्रासदियों के दौरान, स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचे और सहायता प्रदान की। दुनिया ने कोविड महामारी के दौरान आरएसएस के साहस और सेवा को देखा। पीएम मोदी ने कहा कि ये हमारी पीढ़ी के स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमें संघ के शताब्दी वर्ष जैसा महान अवसर देखने को मिल रहा है। मैं आज इस अवसर पर राष्ट्र सेवा को समर्पित कोटि-कोटि स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं देता हूं, अभिनंदन करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि 1963 में आरएसएस के स्वयंसेवक भी 26 जनवरी की परेड में शामिल हुए थे। उन्होंने बहुत आन-बान-शान से राष्ट्रभक्ति की धुन पर कदमताल किया था। जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी और संघ की धारा में भी सैकड़ों जीवन पुष्पित, पल्लवित हुए हैं। अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विराट उद्देश्य लेकर चला। ये उद्देश्य रहा- राष्ट्र निर्माण। पीएम मोदी ने कहा कि डॉ. हेडगेवार जी जानते थे कि हमारा राष्ट्र तभी सशक्त होगा, जब हर व्यक्ति के भीतर राष्ट्र के प्रति दायित्व का बोध जागृत होगा। हमारा राष्ट्र तभी ऊंचा उठेगा, जब भारत का हर नागरिक राष्ट्र के लिए जीना सीखेगा। इसलिए वे व्यक्ति निर्माण में निरंतर जुड़े रहे। उनका तरीका अलग था। हमने बार-बार सुना है कि डॉ. हेडगेवार जी कहते थे कि जैसा है, वैसा लेना है। जैसा चाहिए, वैसा बनाना है। उन्होंने कहा कि लोग संग्रह का उनका यह तरीका अगर समझना है तो हम कुम्हार को याद करते हैं। जैसे कुम्हार ईंट पकाता है तो जमीन की सामान्य-सी मिट्टी से शुरू करता है। वह मिट्टी लाता है और उस पर मेहनत करता है। उसे आकार देकर तपाता है। खुद भी तपता है और मिट्टी को भी तपाता है। फिर उन ईंटों को इकट्ठा करके भव्य इमारत बनाता है। ऐसे ही डॉ. हेडगेवार बहुत ही सामान्य लोगों को चुनते थे। फिर उन्हें सिखाते थे, विजन देते थे और उन्हें गढ़ते थे। पीएम मोदी ने कहा कि संघ के बारे में कहा जाता है कि इसमें सामान्य लोग मिलकर असामान्य और अभूतपूर्व कार्य करते हैं। व्यक्ति निर्माण की ये सुंदर प्रक्रिया हम आज भी संघ की शाखाओं में देखते हैं। उन्होंने कहा कि संघ शाखा का मैदान एक ऐसी प्रेरणा भूमि है, जहां स्वयंसेवक की अहं से वयं तक की यात्रा शुरु होती है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की यज्ञ वेदी है। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण का महान उद्देश्य, व्यक्ति निर्माण का स्पष्ट पथ और शाखा जैसी जीवंत कार्यपद्धति यही संघ की सौ वर्षों की यात्रा का आधार बने। डाक टिकट में उन राहत कार्यों को भी दर्शाया गया है, जिन्हें आरएसएस प्राकृतिक आपदाओं के दौरान लोगों की मदद के लिए अंजाम देता है।

कार्यालय वनमंडल अधिकारी दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट

सूचना

सर्व साधारण को सूचसनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि श्रीमती अफसाना पति निजामुद्दीन रंगरेज निवासी वार्ड नं. 15 पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट द्वारा अपने स्वामित्व भूमि वार्ड नं. 08 ग्राम चंदोरी तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट प.ह.नं. 25/27 खसरा नंबर 53/1/2/2 (S) रक्बा 0.0810 हे. स्थित भूमि पर आरामशीन स्थापित कर संचालित किये जाने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

यदि किसी अन्य व्यक्ति को इस संबध में कोई आपति हो तो विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति मूल दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता/अनुज्ञप्ति अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत करें। इस अवधि के पश्चात किसी भी प्रकार के दावें को मान्य नही किया जावेगा।

जी-19456/25

(अधर गुप्ता)
(भा.व.से.)
वनमंडल अधिकारी, एवं अनुज्ञापन अधिकारी
दक्षिण (सा.) वनमंडल बालाघाट

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

मनोरम नगरी बैहर में अद्भूत सजा है मां का दरबार

गांव-गांव से आ रहे दर्शनों के लिए श्रद्धालुजन

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर में समस्त नगर वासियों के सहयोग से विभिन्न भागों में सार्वजनिक रूप से मां जगत जननी की दिव्य भाव में एवं ऊंची प्रतिमा स्थापित कर सुबह एवं रात्रि में पंडित द्वारा मंत्रोचार पश्चात आरती के पश्चात प्रसाद वितरण होता है। मां सभी की मंगल कामनाएं पूर्ण हो विश्व का कल्याण हो देश व्यवसाय एवं सुख समृद्धि से परिपूर्ण रहे हो आदि गगन कारी जय घोष होता है नगर में सभी पूर्व स्थान व चौराहो में स्थापित की गई, आठ स्थानों में मां जगत जननी की एक स्थान में मां काली की इस प्रकार कुल नौ प्रतिमाएं स्थापित है सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैंड, सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति सिविल लाइन वार्ड नंबर 9 सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति जोड़ा मंदिर वार्ड नंबर आठ सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति कंपाउंड टोला वार्ड नंबर 7,8 सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति कंपाउंड टोला वार्ड नंबर 6 , सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों नर्सिंग टोला सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैंड में के सामने प्रतिदिन भोजन कराया जाता है जो 4 बजे तक चलता है इसी प्रकार सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति वार्ड नंबर 15 प्रधानी मोहल्ला में रात्रि में भोजन। इसी प्रकार सिंहार पाठ मंदिर के बगल में मां काली की विशाल प्रतिमा प्रांगण में भोजन कराया जाता है अच्छी बात यह है कि जो विकलांग लोगों का ध्यान रखकर भोजन करने की व्यवस्था की गई है सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति जोड़ा मंदिर में 9 दिन तक राम कथा वाचन हुआ सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति कंपाउंडरटोला वार्ड नंबर 7 में रात के समय भोजन कराया जाता है साजन दुर्गा उत्सव समिति में मां काली की प्रतिमा। सभी सार्वजनिक दुर्गास्थान समिति के द्वारा मां का पैदल सपरिवार साथ माता-पिता अपने नन्हे मुन्ने बच्चों को गोद में एवं उंगली पकड़कर आ रहे हैं,दरबार मंडप रंग बिरंगी पूरा गांव की गांव पूरा गांव की गांवलाइट से चकाचौंध छोटी बड़ी रोशनी से जगमग इसे देखकर दर्शनार्थियों को दर्शन करने में मां के दर्शन करने कीर्ति एक झलक पाने आतुर पूरा गांव की गांव पैदल पहुंच रहा है विश्व प्रसिद्ध वृंदावन का प्रेम मंदिर जो प्रदेश के कई जिलों में भी ऐसी प्रतिमा और मंडप नहीं बना है ना सजा है शाम होते ही बस स्टैंड का सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैंड दूर-दूर से आये दर्शनार्थियों को दर्शन करने में किसी भी प्रकार की तकलीफ बड़ा ना हो पुलिस विभाग समूचा प्रशासन नगर परिषद इस व्यवस्था में पूर्ण सहयोग है दर्शनार्थियों से भर जाता है वर्तमान में बस स्टैंड सिविल अस्पताल एवं पुलिस थाने के सामने यात्री बस खड़ी हो रही है सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैंड में मां जगत जननी दुर्गे मैया की तीन प्रतिमाएं हैं जिसमें एक में मां पापियों का नाश करने निकली है दूसरी में पापियों का नाश करके वापसी होकर भक्तों को दर्शन दे रही है यह दिव्य सुंदर प्रतिमा प्रबंध वृंदावन का प्रेम मंदिर की जीती जागती है दर्शनार्थी प्रेम मंदिर को देखकर सुंदरता को निहारत अपने बस स्टैंड की सर्जरी दुर्गा उत्सव की प्रतिमा 3 अक्टूबर को जलविहार के लिए निकल जाएगी जलमोबाइल अपने बस स्टैंड दुर्गा उत्सव समिति की प्रतिमाआप को सजोए रखने की प्रति स्पर्धा में दिखाई देते हैं आरती पश्चात स यहां महाप्रसाद वितरण होता है जिसकी लंबी लाइन रहती है सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति बस स्टैंड की प्रतिमा 3 अक्टूबर को जलविहार के लिए शाम 5:00 बजे निकल जाएगी प्रतिमा कीअगवाई में प्रसिद्ध झांकी के साथ अनेक आकर्षण है।

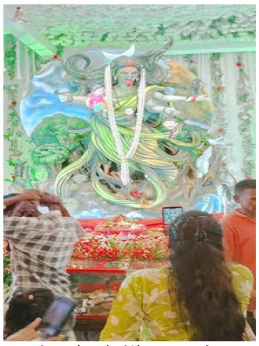

रामपायली में मिट्टी से निर्मित ७ फिट ऊंचे रावण का किया जायेगा दहन

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली में मां जगत जननी के नवरात्र पर्व के साथ विजयादशमी की तिथि को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के द्वारा रावण का वध किए जाने की परंपरा का निर्वहन पुन: एक बार श्री राम की नगरी में किया जाएगा। ज्ञात हो कि श्री राम की नगरी में वर्षों से मिट्टी से निर्मित रावण का वध करने की परंपरा चली आ रही है । श्री राम मंदिर से भगवान श्रीराम का डोला ढीमर जाति के लोग अपने कंधे पर रखकर शोभायात्रा हजारों लोगों की उपस्थिति में निकल जाती है। जो दशहरा स्थल पर पहुंचकर वहां कुमाहर जाति के लोगों के द्वारा मिट्टी से निर्मित ७ फीट ऊंचे रावण का निर्माण किया जाता है। जिसका पूजन कर राजपूत वंशज के लोग रावण का वध किया जाता है, इसके पूर्व वहां युवाजनों के द्वारा तलवार भाले लाठियां के प्रदर्शन कर अपनी अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। तत्पश्चात झांकी में मौजूद श्री राम मां जानकी भ्राता लक्ष्मण के साथ वह रावण की नाभि में तीर खोज कर राजपूत जाति के युवा के द्वारा लाठी से मिट्टी से निर्मित रावण का वध किया जाता है जो आज भी किया जाएगा। राजपूत समाज के अध्यक्ष संजय सिंह सिसोदिया ने श्री राम की पावन नगरी के समस्त जनों से इस दशहरा उत्सव को धूमधाम से मनाने की अपील करते हुए पहुंचने की अपील लोगों से की है। यह उत्सव श्री राम की पावन नगरी में मनाया जाता है जिसमें अधिका से अधिक लोग पहुंचकर उत्सव को गरिमामय स्वरूप प्रदान करेंगे।

कनिया धोपघट मार्ग पर पेड़ से टकराकर मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा थाने की सालेटेकरी पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम कनिया से धोपघट के बीच मोटरसाइकिल पेड़ से टकराने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मंगल सिंह पिता गौहर लाल तिलासी52 वर्ष वार्ड नंबर 2 अंडीटोला थाना मलाजखंड निवासी है। 30 सितंबर को दोपहर में यह दुर्घटना उस समय हुई जब यह व्यक्ति सब्जी खरीद कर मोटरसाइकिल में अपने घर आ रहा था। सालेटेकरी पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगल सिंह तीन भाई है और वह अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा सब्जी खरीद कर गढ़ी मोहगांव, उकवा, बैहर बाजार मोटरसाइकिल में सब्जी ले जाकर बेचने का भी धंधा करता था। 30 सितंबर को गढ़ी बाजार था। सुबह 5 बजे मंगल सिंह गढ़ी बाजार में सब्जी बेचने के लिए मोटरसाइकिल में सालेटेकरी तरफ सब्जी खरीदने के लिए गया था। 12:00 करीब जब मंगल सिंह सब्जी खरीद कर मोटरसाइकिल में गढ़ी बाजार जाने अपने घर लौट रहा था मोटरसाइकिल में सब्जी से भरे बोर बंधे हुए थे। तभी कनिया और धोपघट के बीच यह तेज रफ्तार मोटरसाइकिल रोड किनारे बीजा के पेड़ से टकरा गई। मोटरसाइकिल पेड़ से टकराने से मंगल सिंह की मौके पर ही मौत हो गई और उसकी मोटर साइकिल में रखे सब्जी से भरे बोर बिखर गए थे। इस घटना की सूचना मिलने पर मंगल सिंह का भाई भागचंद तिलासी मौके पर पहुंचा जिसने अपने बड़े भाई मंगलसिह को मृत हालत में देखा और सालेटेकरी पुलिस चौकी में रिपोर्ट किये। जहां से चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक धन सिंह धुर्वे अपने स्टाफ के साथ घटनास्थल पहुंचे और पंचनामा कार्यवाही पश्चात मंगल सिंह का शव बिरसा के अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। आगे मर्ग जांच की जा रही है।

टेकाड़ी ग्राम में वन्य प्राणी की आमद से ग्रामीणों में दहशत

पद्मेश न्यूज। कटंगी। वन परिक्षेत्र कटंगी की समतपुरी बीट और अरी रेंज की कामठी बीट के बीच स्थित टेकाड़ी (म.) गांव में बीते 02 दिनों से वन्य प्राणी की दस्तक देखने को मिल रही है. गांव की बीच बस्ती में वन्य प्राणी के पदचिन्ह भी देखे गए है. ग्रामीण इसे वन्य प्राणी तेंदुआ बता रहे है जबकि वन विभाग ने विष्ठा के आधार पर बिल्ली प्रजाति का लकड़बग्घा होने की बात की कही है. खैर, वन्य प्राणी के गांव के भीतर तक आने से ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है. बुधवार को गांव के कुछ लोगों ने तेंदुए को देखे जाने का दावा किया है. उनका कहना है कि टेकाड़ी के नहर टोला में तेंदुआ पहले भी देखा गया है. जिसने गांव के पालतू मवेशी बकरियों और एक बंदर का भी शिकार किया. तेंदुए को गांव के एक पेड़ पर बैठा हुआ देखा गया था. 29 सितंबर की देर शाम करीब साढ़े 08 बजे पहली बार वन्य प्राणी को गांव में देखा गया. जिसकी सूचना वन विभाग को दी गई तो वनकर्मियों ने गांव में पहुंचकर सभी को सतर्क रहने की सलाह देते हुए आतिशबाजी करवाई और कुछ पटाखे ग्रामीणों को दिए है. इसके साथ ही झुंड में ही कहीं भी जाने की सलाह दी गई है. ग्रामीणों का कहना है कि वन्य प्राणी के गांव तक आने से जान-माल का खतरा बना हुआ है. शाम ढलते ही लोगों ने अपने घरों से बाहर निकलना बंद कर दिया है. ग्रामीणों ने बताया कि गांव में स्ट्रीट लाइट नहीं होने से शाम होते ही गलियों में अंधेरा छा जाता है जिस कारण खतरा और अधिक बढ़ जाता है।

दरअसल, टेकाड़ी (म.) गांव से करीब डेढ़ किमी दूरी पर ही जंगल है. हालांकि इसके बावजूद कभी भी वन्य प्राणियों ने गांव में दस्तक नहीं दी. बीते कुछ समय से नहर टोला में वन्य प्राणी तेंदुए को देखे जाने की लगातार सूचनाएं जरूर सामने आई है और कुछ लोगोंड्ढ के द्वारा तेंदुए को देखे जाने की बात भी कहीं जाती है. जिसके बाद वन विभाग ने सुरक्षा की दृष्टि से ग्रामीणों को जंगल के किनारे अकेले न घूमने, रात में बाहर न निकलने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत सूचना देने की समझाइश दी है. इसके साथ ही, वनकर्मियों द्वारा गश्त बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना ना हो. वहीं वन्य प्राणी की आमद ग्राम के नजदीक ही बनी हुई है. ऐसे में ग्रामीण पूरी तरह से दहशत में आ गए हैं. जिन्होंने अकेले घर से बाहर निकलना बंद कर दिया है. अपने पालतू मवेशियों को लेकर भी ग्रामीणों की चिंता व्यक्त की है. ग्रामीणों ने वन विभाग से वन्य प्राणी को पकड़कर अन्यत्र स्थान पर छोड़ने की मांग की है. वन्य प्राणी की मौजूदगी के बाद से टेकाड़ी (म.) की बस्ती सहित नहर टोला में दहशत का माहौल बना हुआ है. ग्रामीणों का कहना है कि वन्य प्राणी की आस पास मौजूदगी बने रहना ग्रामीणों और पालतू मवेशियों के लिए घातक साबित हो सकता है. इसलिए जितनी जल्दी हो वन्य प्राणी को पकड कर दूर जंगल में छोड़ा जाना चाहिए।

सांसद श्रीमती भारती पारधी का दौरा कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 2 अक्टूबर को बालाघाट जिले के विभिन्न

कार्यक्रमों में शामिल होंगी। इस दौरान वे सुबह 8:00 बजे हनुमान चौक और सुभाष चौक में माल्यार्पण करेंगी इसके बाद वारासिवनी के लिए सुबह 9:30 से सुबह 10:00 बजे वारासिवनी में खादी ग्रामोद्योग मेले में शामिल होंगी। दोपहर 12:30 बजे पुलिस लाईन बालाघाट में शस्त्र पूजन समारोह और दोपहर 03:00 बजे बंगाली दुर्गा में सिंदूर खेला कार्यक्रम में शामिल होंगी। सायं 04:00 बजे उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में विजय दशमी पूजन में भी उनकी उपस्थिति रहेगी।

मनोकामना कलश और जवारों का हुआ विसर्जन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शारदेय नवरात्र का महानवमी के साथ ही समापन हो गया है। जिसके बाद मंदिरो और घरों में विराजित किये गये मनोकामना ज्योति कलश और जवारों का सरोवरों और नदी के पावन जल में विसर्जन किया गया। इससे पूर्व महानवमी पर मंदिर में हवन, पूजन और कन्या भोज के साथ मंदिर में प्रज्जलवित मनोकामना ज्योति कलश के विसर्जन के लिए मंदिर से शाम कलश विसर्जन शोभायात्रा निकाली गई। देवीगीतों पर बजती बैंड की धुन, रोशनी से जगमगाती लाईटों के साथ वाहन में मनोकामना ज्योति कलश का विसर्जन शोभायात्रा के रूप में विधिविधान से विसर्जन किया गया। नवरात्र पर्व के नवमी पर शहर के देवी मंदिरो में रखे गये मनोकामना कलश और घरो में रखे गये जवारों का भक्तिभाव से विसर्जन किया गया। मुख्यालय सहित संपूर्ण जिले में घरो में रखे गये जवारों का विसर्जन भक्तिभाव के साथ पावन जल में किया गया है। मां कालीपाठ मंदिर, मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर, हनुमान चौक दुर्गा मंदिर सहित अन्य दुर्गा मंदिर में रखे गये मनोकामना कलश का समीपस्थ सरोवर में विसर्जन किया गया। मां कालीपाठ मंदिर में प्रज्वलित मनोकामना कलश को मन्दिर परिसर में बने कुंड में किया गया । जबकि देवीचौक स्थित दुर्गा मंदिर में रखे गये मनोकामना कलश का विसर्जन देवीतालाब के किनारे स्थित हनुमान मंदिर के पास किया गया। गायखुरी स्थित घरों में विराजित किए गए ज्योति कलश और जवारों को यहां के स्थानीय जनों ने अपने स्तर पर बैंड ,बाजों के साथ शोभायात्रा के रूप में स्थानीय गायखुरी घाट में जाकर नदी के पवित्र जल में ज्योति कलश और जवारों का विसर्जन किया गया। कुछ वार्डों में मंदिर परिसर में बनाए गए कुंड में ही मंदिर समिति के सदस्यों ने जवारे और ज्योति कलशो का विसर्जन किया ।

देर रात तक चलते रहे भंडारे

नवमी में सुबह से ही सभी दुर्गा पंडालो में हवन पूजन और महाआरती का दौरचलता रहा उसके उपरांत ज्योति कलश के विसर्जन के पश्चात सभी दुर्गा पंडाल एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा अपने अपने स्तर पर माता के महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया गया, किसी ने दुर्गा पंडालो में भंडारे का आयोजन किया तो किसी के द्वारा आने जाने वाले श्रद्धालुओं को महाप्रसाद के रूप में माता का प्रसाद वितरित किया गया । जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुजनों ने भी इस महाप्रसाद का पुण्य लाभ अर्जित किया ।

दो महिलाओं को सांप ने डसा, एक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लांजी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम चौरिया के खाले टोला में बीती रात घर में नीचे सो रही 2 वृद्ध महिलाओं को जहरीले डांडेकार सांप ने काट दिया। सांप के काटने से बेहोश दोनों वृद्ध महिला को लांजी के अस्पताल लाकर भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल लाया गया ।जहां पर जमुना बाई पति ज्ञान सिंह उइके 70 वर्ष को मृत घोषित कर दिया गया ।इस महिला की लांजी से जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। एक अन्य महिला जैवन्ती पति सोनेलाल वरकडे 60 वर्ष का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है जिसकी हालत भी गंभीर बताई गई है ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जमुना बाई के ग्राम चोरिया के खाले टोला में अपने छोटे बेटे सुनऊ उइके के साथ में रहती। बड़ा बेटा बिसेन उइके वहीं पर अपने परिवार के साथ अलग रहता है। दोनों भाई खेती किसानी करते हैं। जमुना बाई भी खेती मजदूरी करती थी। 30 सितंबर की रात्रि में जमुना बाई अपने गांव में ही संतु टेकाम के घर बैठने चली गई थी वहीं पर उसकी रिश्तेदारी जैवन्ती वरकड़े भी आ गई थी। रात्रि में दोनों ने संतु टेकाम के घर खाना खाए और दोनों वृद्ध महिलाएं संतु टेकाम घर में ही जमीन में बिस्तर बिछाकर सो गई थी। 30 सितंबर और 1 अक्टूबर की दरमियानी रात 1बजे जहरीले डांडेकर सर्प ने दोनों महिला के पैर में काट दिया। सांप काटने का एहसास होने पर दोनों वृद्ध महिला उठी देखी वही बाजू में डांडेकर सांप था। दोनों महिला के आवाज लगाने पर संतु टेकाम उठा और उसने डांडेकर सांप को मार दिए और खबर मिलने पर दोनों महिला के परिवार के अलावा मोहल्ले के लोग संतु टेकाम घर आये। दोनों महिला का देशी दवा झाड़ फूंक से इलाज किया गया किंतु सुधार नहीं हो पाया और दोनों महिला की हालत बिगड़ते गई। 1 अक्टूबर को सुबह जमुना बाई और जैवन्ती को लांजी के अस्पताल में भर्ती किया गया था इस दौरान दोनों बेहोश हो चुकी थी लांजी अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों महिला को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। 11:15 बजे करीब दोनों महिला को जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया।जहां पर जमुना बाई को। डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया गया। जमुना बाई की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जब जैवंती बाई को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जिसका इलाज चालू है। और उसकी भी हालत गंभीर बताई गई है। जिला अस्पताल पुलिस ने जमुना बाई का शव पंचनामा कार्रवाई पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लांजी भिजवा दी है।

गरबा उत्सव में दिखी देशभक्ति की झलक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नवरात्रि पर्व इस बार बालाघाट में विशेष रंग बिखेर रहा है। शक्ति की उपासना के गुजराती समाज द्वारा आयोजित पारंपरिक गरबा नृत्य अनोखी थीम का संदेश दे रहा है। गोंदिया रोड स्थित स्थानीय अंबिका राइस मिल मैदान में आयोजित इस गरबा महोत्सव को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को समर्पित किया गया। आपको बता दे कि गुजराती समाज के युवा, महिलाएं और बुजुर्गों ने देर रात तक पारंपरिक गरबा नृत्य किया। उपस्थित लोगों का कहना था कि यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि राष्ट्रीय एकता और गर्व का संदेश भी देता है। गुजराती समाज का यह आयोजन पिछले 77 वर्षों से लगातार हो रहा है। हर बार नई थीम और उत्साह से सजे इस महोत्सव की पहचान अब पूरे क्षेत्र में बन चुकी है। पारंपरिक पोशाकें, झिलमिलाती रोशनियां और भक्ति भाव ने वातावरण को आध्यात्मिक और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। गुजराती समाज द्वारा विशाल पंडाल सजाकर माता रानी की प्रतिमा को पारंपरिक विधि-विधान से विराजित किया गया है। यहां नौ दिनों तक प्रतिदिन विशेष पूजा और गरबा नृत्य का आयोजन होता है। इस पंडाल की खासियत है कि इसमें गुजरात की परंपराएं और स्थानीय आस्था का संगम देखने को मिलता है। ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बालाघाट पहुंचकर यहां माता रानी के दर्शन और गरबा महोत्सव का आनंद लेते हैं। समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में सामूहिक रूप से गरबा प्रस्तुत कर माता रानी की आराधना करते हैं। प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी माता रानी की प्रतिमा का निर्माण स्थानीय शिल्पकार तरुण भाई पटले ने किया है, जिसे देखकर भक्तों को ऐसा अनुभव होता है मानो देवी स्वयं प्रकट हो गई हों। शाम की आरती के बाद गरबा नृत्य के साथ यह आयोजन देर रात तक चलता है।

सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियाँ होगी पुरस्कृत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शारदेय नवरात्र में नौ दिनों तक मातारानी की उपासना के बाद अब सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों के द्वारा विराजित मां अम्बे की प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा। जिसके लिये नगरपालिका परिषद बालाघाट द्वारा वैनगंगा नदी घाट छोटे पुल पर व्यापक प्रबंध किये जाते है उसी कड़ी में 1 अक्टूबर को नपाध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर के द्वारा तैयारियों का जायजा लिया गया और नपा कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। नपाध्यक्ष ने बताया कि लगातार 3 वर्षो से नगरपालिका द्वारा विसर्जन को लेकर कुण्ड एवं नदी के छोटे पुल पर क्रेन के माध्यम से विसर्जन की व्यवस्था की जा रही है। गणेशोत्सव के दौरान सुविधाओं का विस्तार किया गया था उसी तरह अब मातारानी की प्रतिमा विसर्जन के लिये भी व्यापक व्यवस्थाएं रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रतिमा विसर्जन स्थल पर नि:शुल्क क्रेन व्यवस्था के साथ ही प्रकाश एवं मार्ग को व्यवस्थित किया गया है जिससे कि भक्तजनों को विसर्जन के दौरान परेशानियां ना हो। नपाध्यक्ष ने आग्रह किया है कि विसर्जन स्थल के समीप नगरपालिका का पूजन सामग्री एकत्रिकरण वाहन होगा उसमें ही पूजन सामग्रियों को पॉलिथिन के साथ में करके दिया जाये। पालीथीन के साथ पूजन सामग्री नदी में विसर्जित ना कर स्वच्छता बनाये रखने में सहयोग करें जिस पूजन सामग्री की खाद बनाकर पेड़-पौधों में डाली जाती है नगरपालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा जिला प्रशासन का पूरा सहयोग किया जाये उक्त निर्देश नपाध्यक्ष ने दिये है। उन्होंने बताया कि जब से नगरपालिका में अध्यक्ष का पद्धार संभाला है 3 वर्ष हो चुके है यह व्यवस्थाएं सुचारू बनी हुई है क्रेन के माध्यम से प्रतिमाओं का विसर्जन किये जाने से असमय होने वाली दुर्घटनाओं पर भी नियंत्रण हो सका है। उन्होंने श्रद्धालुजनों सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से आस्थाभाव से निर्धारित तैयारियों के अनुरूप ही प्रतिमाओं का विसर्जन किये जाने का आग्रह किया है।

6 अक्टूबर को भारत माता की प्रतिमा का होगा अनावरण

नपाध्यक्ष ने बताया कि नगरपालिका परिषद बालाघाट द्वारा इस वर्ष भी नवरात्र के नौ दिनों में नगर की सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा दिखाये गये अनुशासन,मां के पंडाल परिसर की स्वच्छताए पारंपरिक सांस्कृति आयोजन तथा स्वदेशी सामग्री के उपयोग एवं आकर्षक रौशनी तथा सजावट,अनुशासन, राष्ट्र भक्ति प्रेरणा को लेकर सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समितियों को पुरस्कृत किया जायेगा। 6 अक्टूबर को काली पुतली चौक में भारत माता की प्रतिमा के अनावरण अवसर पर चयनित दुर्गोत्सव समितियां पुरस्कृत होगी।

सत्य की असत्य और बुराईयों पर अच्छाई की जीत के पर्व दशहरा की सभी नगरवासियों को नपाध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीतसिंह ठाकुर ने शुभकामनायें दी है। उन्होंने कहा कि दशहरा का पर्व हमे सीखाता है कि असत्य और बुराईयों कितनी ही बलशाली क्यों ना होए उसे एक दिन सत्य और अच्छाईयों के सामने हारना ही पड़ता है, उन्होंने लोगों से अपील की कि नवरात्र में देवी भक्ति के शक्ति की ताकत के साथ रावणरूपी अहंकारए द्वेष, असुरी विचारों को नाश कर भगवान राम के विचारों को आत्मसात कर अपने जीवन का कल्याण करें। नपाध्यक्ष ने बताया कि रानी दुर्गावती जयंती एवं शरद पूर्णिमा के अवसर पर नगर के काली पुतली चौक के समीप सुभाष उद्यान में भारत माता की प्रतिमा का अनावरण किया जायेगा। इस अवसर पर समस्त राष्ट्रभक्तों के साथ ही गणमान्यजनों तथा नगरवासियों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

दोपहिया वाहन ने मारी टक्कर, शख्स का पैर टूटा

पद्मेश न्यूज। कटंगी। कटंगी से खजरी मुख्य सड़क मार्ग पर अर्जुननाला में गंगोत्री कॉलोनी के ठीक सामने दोपहिया वाहन क्रमांक एमपी 50 जेडबी 7754 ने सड़क किनारे मोटरसाइकिल पर बैठे एक शख्स को टक्कर मार दी. हादसे में मोटरसाइकिल पर बैठे शख्स का दाहिना पैर एड़ी के पास से टूट गया है. हादसे की सूचना मिलने पर संजीवनी 108 के ईएमटी डॉ गौरीशंकर पटले और पायलट प्रवीण घटनास्थल पर पहुंचे. जिन्होंने घायल को प्राथमिक उपचार के लिए सरकारी अस्पताल कटंगी लाकर भर्ती करवाया. प्राथमिक उपचार के बाद घायल को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया है. मिली जानकारी अनुसार कोडमी निवासी अशोक गेढ़ाम अपने किसी रिश्तेदार के यहां तिरोड़ी गए हुए थे. बुधवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे अपने घर की तरफ लौट रहे थे इस बीच कटंगी में अपनी बहन के यहां चले गए और कुछ देर रूकने के बाद गुटखा लेने के लिए गए थे।

बालाघाट : राजनीतिक रूप से एक ठिठका हुआ बेचैन शहर!!

जुस्तजू जिसकी थी उसको तो ना पाया हमने!!

पदमेश न्यूज़ । बालाघाट.

बालाघाट नब्बे के दशक तक उम्मीदों का शहर हुआ करता था. तब तक राजनीतिक नेतृत्व भी ताकतवर हुआ करता था. पंडित नंदकिशोर शर्मा, तेजलाल टेम्भरे, नर्मदा प्रसाद श्रीवास्तव, यशवंत राव खोगल,लोचनलाल ठाकरे, लिखीराम कावरे, गौरीशंकर बिसेन और गणपतसिंह उइके आदि राजनीतिक शख्सियतों ने कहीं औसत तो कहीं बेहतर नेतृत्व किया।

यह तस्वीर साढ़े चार दशक पुरानी है। इस तस्वीर में बालाघाट के तत्कालीन सांसद पं. नंदकिशोर शर्मा का रूतबा साफ तौर पर देखा जा सकता है। अपने पांडित्य, ओज, चिन्तन और राष्ट्रीय राजनीति में तब प्रभावी दखल रखने वाले इस फक्कड़ स्वभाव के राजनेता के कद के आसपास अबतक बालाघाट का कोई दूसरा चेहरा पहुंच ही नहीं सका है। उनके समकालीन राणा हनुमान सिंह, तेजलाल टेंभरे, एन. के. केलकर, कन्हैय्यालाल खरे, शिवलाल बिसेन, सुरेन्द्र नाथ खरे, झनकारसिंह नगपुरे, लोचनलाल ठाकरे जैसे विशालकाय नेतृत्व ने बालाघाट का उस दौर में स्वर्णिम इतिहास की रचना की। आज निरे विचारहीन लोंगो का बौनापन राजनीति में इस कदर हावी है कि एक अरसे से राजनीति की जमीन बाँझ होकर रह गयी है। यह बांझपन खत्म कब होगा कहा नहीं जा सकता। अलबत्ता कुछ युवा नेतृत्व भी मशालें यदा-कदा जलाकर जलाते जरूर हैं- मगर ऐसा कब होगा-कहा नहीं जा सकता। बालाघाट में आज के इन तमाम बौने नेताओं ने अपने आसपास चापलूसों

और खुशामद खोरों की एक ऐसी मण्डली तैयार कर ली है जो खुद भोंदूपन की शिकार हैं। राजनीति को व्यापार-व्यवसाय के नजरिये से सोचने की वजह से इनकी बुद्धिमता जड़ हो गयी है और इसका खामियाजा बालाघाट के लोगों को यहाँ की जनमानस को भुगतना पड़ रहा है।

बालाघाट के सन्दर्भ में राजनीति का यह बौनापन, बौने चरित्र के लोगों के राजनीति में पदार्पण करने की वजह से आया है। और इसका खात्मा आज सक्रिय युवक कर सकते हैं। जिनकी सोच आज विकसित तो है ही वे नयी जिम्मेदारी का भार उठाने की तैयारी भी कर सकते हैं।

क्षुद्र राजनीति के आर-पार देखने वाले इन बेतुके किस्म के राजनेताओं की वजह से बालाघाट को काफी कुछ भुगतना पड़ा है. विकास की नयी ईबारत लिखने से वंचित रहना पड़ा है। अब 2028 में ऐसे व्यवसायी किस्म के बौने व्यापारी (राजनीतिज्ञों!) से छुटकारा पाने का पवित्र उत्सवी प्रक्रिया लोकतंत्र में आने वाला है.... ऐसे बौनों को ठेंगा दिखाने का सबसे महत्वपूर्ण और कारगर उपाय उन्हें सिरे से नकारना जरूरी है।

सतपुड़ा - मैकल वन प्रान्तर और वैनगंगा नदी घाटी क्षेत्र में बसे इस जिले का महान दुर्भाग्य ही है कि कद्दावर राजनीतिक नेतृत्व का यहाँ हमेशा अभाव ही रहा है. इसके उलट सीमावर्ती महाराष्ट्र का नवगठित गोंदिया जिला अपनी आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक वैभव गाथा पर इठला रहा है. वहाँ राजनीतिक नेतृत्व का कभी अकाल नहीं पड़ा!

बालाघाट मध्यप्रदेश का सबसे ज़्यादा प्राकृतिक, आर्थिक संसाधनों को समेटे हुए है. बेशकीमती रत्नगर्भा जंगल तो प्रकृति की नेमत है मगर हासिल कुछ भी नहीं।

किसी जमाने में अख़्लाक़ मुहम्मद खान उर्फ़ शहरयार ने फ़िल्म उमरावजान के लिए इसी सन्दर्भ को स्पर्श करती ग़ज़ल लिखी थी!!

2 अक्टूबर को मदिरा का क्रय विक्रय पूर्णत: बंद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि 02 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित किया गया है। इस दिन जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकाने, देशी मदिरा स्टोरेज भाण्डागार, एफ.एल.-3, एफ.एल.-3क, एफ.एल-4, एफ.एल.-6, एफ.एल.-7, अम्बी वाईन आउटलेट आदि अनुज्ञप्त परिसर बंद रखे जाएंगे। शुष्क दिवस के दौरान मदिरा का समस्त प्रकार का क्रय-विक्रय पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। लायसेंसी परिसरों को 01 अक्टूबर की रात्रि 11:30 बजे से बंद रखा जाएगा।

संदिग्ध अवस्था में मिला महिला का शव

मायके पक्ष के लोगो ने जताई हत्या की आंशका : जांच में जुटी परसवाड़ा पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा में पुलिस ने एक महिला का शव उसी के घर से नग्न अवस्था मे बरामद किया है।जिसके मायके पक्ष के लोगो द्वारा ससुराल पक्ष पर महिला की हत्या किए जाने की आंशका जताई है।मृतक महिला का नाम परसवाड़ा निवासी 32 वर्षीय शारदा पति रामेश्वर ब्रम्हे बताया गया है। जिसका शव नग्नवस्था में कमरें से बरामद किया गया है। हालांकि महिला की मौत कब,और कैसे हुई, यह जांच का विषय है।बताया गया कि उक्त महिला ने किसी गोली का सेवन किया था। जिसके बाद से उसके प्रायवेट पार्ट से अत्यधिक खून बहा और उसकी मौत हो गई। वहीं विगत कुछ दिनों से महिला की मानसिक स्थिति भी खराब होने की बात भी परिजनों द्वारा कही जा रही है।बहरहाल मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने महिला का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुचाया जहा शव का पोस्टमार्टम कर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक महिला शारदा के पति रामेश्वर ब्रम्हे पंचायत में सचिव है। जिसके दो बच्चे है।बताया गया कि विगत 4 से 5 दिनों से महिला की तबियत खराब थी तथा प्राइवेट पार्ट से रक्तस्राव हो रहा था। जो बंद कमरे में निवस्त्र रहती थी।जिसकी अत्यधिक रक्तस्राव से मौत हो गई।उधर घटना की जानकारी के बाद परसवाड़ा पुलिस ने घटनास्थल से दवाएं बरामद कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मायके पक्ष के लोगो ने जताई हत्या की आंशका

हालांकि महिला की मौत कैसे हो गई फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। लेकिन महिला के मायके पक्ष के लोगों ने महिला के पति के साथ साथ उसके देवर व सास सहित ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर शारदा की हत्या किए जाने की आशंका जताई है।मायके पक्ष की माने तो शारदा के ससुराल वाले उसे पिछले 10 वर्षों से परेशान कर रहे थे, तलाक का केस भी कोर्ट में लगाए थे,लेकिन केस खारिज हो चुका था। वहीं कई बार खाना नहीं बनती, काम नहीं करती, कहकर मारपीट की गई है।मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस के समक्ष अपने बयान दर्ज कराकर इस पूरे मामले की निष्पक्ष व वैधानिक जांच कराकर संबंधितों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही कर उन्हें न्याय दिलाए जाने की मांग की है।

हमे हत्या का शक है- मैनबती बाई

इस पूरे मामले को लेकर पत्रकारों से की गई चर्चा के दौरान जिला सिवनी बरघाट मानेगांव निवासी शारदा की मां मैनबती बाई सहित मायके पक्ष के अन्य लोगों ने बताया कि शारदा ने तीन दिन पूर्व फोन किया था।वह उन्हें मिलने के लिए बुला रही थी।उन्होंने बताया कि अक्सर शारदा का पति, सास व देवर उसे प्रताड़ित करते थे, मारपीट किया करते थे। हमे शक है कि उन्होंने ही शारदा की हत्या की होगी। हमारी मांग है कि इस मामले में वैधानिक कार्यवाही कर न्याय दिलाया जाए।

मामले की जांच जारी है- इवने

परसवाड़ा थाना प्रभारी मदनलाल इवने ने बताया कि घटना के बाद महिला का शव बरामद कर पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

पीएम रिपोर्ट के बाद ही कुछ कहा जा सकता है- शाह

वही इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान परसवाड़ा एसडीओपी अरविंद शाह ने बताया कि अभी मामले की जांच चल रही है, एफएसएल की जांच, पीएम रिपोर्ट और बयानो के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

बेलगाम कार की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना अंतर्गत सालेटेकरी रोड पर स्थित ग्राम दमोह के पास तेजरफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को चपेट में ले लिया । कार की जबरदस्त ठोकर से मोटरसाइकिल सवार एक युवक घायल हो गया। घायल युवक मनीष पिता कोपसिंह मरावी 17 वर्ष ग्राम पंडरिया थाना रेंगाखारजिला कवर्धा छत्तीसगढ़ निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनीष मरावी ग्राम सुरवाही बिरसा के एक पोल्ट्री फार्म में काम करता है। इसके परिवार में मां और एक छोटी बहन है जो कक्षा आठवीं की पढ़ाई कर रही है और मां मजदूरी करती है।पिता की मृत्यु हो चुकी है। 1 अक्टूबर को सुबह 9:00 बजे करीब मनीष मरावी मोटरसाइकिल में अपने ग्राम पंडरिया से ग्राम सुरवाही पोल्ट्री फार्म पैसे लेने के लिए आ रहा था। सालेटेकरी से बिरसा रोड पर स्थित ग्राम दमोह समीप नाले के पास सामने से तेजरफ्तार से आ रही एक कार मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गई । कार की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार मनीष मरावी घायल हो गया। जिसे बिरसा की अस्पताल में भर्ती किया गया था।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट